# १७वें वार्षिक प्रतिवेदन

# विषय वस्तु


पृष्ठ सं.

**1. गवर्नर मंण्डल 3**
- 1.1 भारत सरकार के प्रतिनिधि
- 1.2 ए आई सी टी ई के प्रतिनिधि
- 1.3 सहयोजित सदस्य
- 1.4 बैठकें

**2. शैक्षिणिक गतिविधियां 5**
- 2.1 फैलो कार्यक्रम
- 2.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम
- 2.3 क्षेत्र
- 2.4 सेक्टर
- 2.5 केन्द्र

**3. प्रबंधन विकास कार्यक्रम 16**
- 3.1 आयोजित एम डी पी

**4. संगठन आधारित कार्यक्रम 18**
- 4.1 चलाये गये ओ बी पी

**5. अनुसन्धान 20**
- 5.1 पूरी की गई परियोजनाएं
- 5.2 प्रारम्भ की गई परियोजनाएं
- 5.3 चल रही परियोजनाएं

**6. प्रकाशन 23**
- 6.1 आई आई एम बी मेनेजमेंट रिव्यू
- 6.3 अन्य प्रकाशन
- 6.4 शोध पत्र
- 6.5 वर्किंग पेपर

**7. परामर्शी 26**
- 7.1 सार संक्षेप
- 7.2 पूरी की गई परियोजनाएं
- 7.3 प्रारम्भ की गई परियोजनाएं
- 7.4 प्रगति पर परियोजनाएं

**8. स्थापना दिवस 28**

**9. संकाय 29**
- 9.1 नियुक्तियाँ
- 9.2 कारपोरेट नीति तथा पालिसी क्षेत्र
- 9.3 अतिथि (विजिटिंग) संकाय
- 9.4 संकाय विकास
- 9.5 कार्यशालाएँ/सेमिनार
- 9.6 अतिथि
- 9.7 बैठकें

पृष्ठ सं.

**10. पुस्तकालय 39**
- 10.1 नई पुस्तकें
- 10.2 परिचालन
- 10.3 बाहरी उपयोगकर्ता
- 10.4 उपयोग कर्ताओं के प्रकार
- 10.5 सुविधाएँ
- 10.6 समय

**11. संगणक (कम्प्यूटर) केन्द्र 40**

**12. छात्रावास 41**

**13. निर्माण 42**
- 13.1 पूरे किए गए कार्य
- 13.2 कार्य प्रगति पर
- 13.3 नए कार्य
- 13.4 परिसर भू - दृश्य निर्माण

**14. कार्मिक तथा प्रशासन 44**
- 14.1 स्टाफ संख्या
- 14.2 नियुक्तियाँ
- 14.3 विधि-विषयक मामले
- 14.4 अनुशासन
- 14.5 विभागीय कैंटीन
- 14.6 दूरसंचार सेवाओं में सुधार
- 14.7 सेटालाइट टेलिविज़न
- 14.8 परिवहन गैरज का स्थानांतरण
- 14.9 विद्युत भार के अंतरण में लचीलापन
- 14.10 नगर के कार्यालय को खाली करना
- 14.11 मितव्ययिता के उपाय
- 14.12 परिसर सुरक्षा

**15. भूतपूर्व छात्र संघ (एल्यूमिनी) 47**
- 15.1 एल्यूमिनी कार्यालय
- 15.2 अन्य गतिविधियां

**16. 31 मार्च 1992 तक का गवर्नर मण्डल 48**

**17. 31 मार्च 1992 तक के संकाय सदस्य 49**

**18. 31 मार्च 1992 तक के अधिकारी 50**

**19. वर्ष 1991-92 का लेखा विवरण 51**


IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

# 1. गवर्नर मण्डल

## 1.1 भारत सरकार के प्रतिनिधि

भारत सरकार द्वारा मनोनीत निम्नलिखित सदस्यों की 5 वर्ष की अवधि 4 नवम्बर 1991 को समाप्त हो गई:

**श्री वी. कृष्णमूर्ति**
सदस्य, योजना आयोग

**श्री रशीदुद्दीन खान**
निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फेडरल स्टडीज़, नई दिल्ली

**श्री के. वी. के. राजू,**
अध्यक्ष,
नागार्जुन उद्योग समूह,
हैदराबाद

**श्री के के राव,**
भूतपूर्व अध्यक्ष,
कुद्रेमुख आयरन ओर कं लिo
बेंगलूर

**श्री संतप्पा,**
भूतपूर्व कुलपति,
मद्रास विश्व विद्यालय, मद्रास

**श्री ए के धन**
केम्ब्रिज स्कूल
राँची

भारत सरकार ने 23 जनवरी 1992 से उपर्युक्त स्थानों के लिए निम्नलिखित सदस्यों को मनोनीत किया:

**श्री एस पंडित,**
प्रबंध परामर्शदाता
सी-700, न्यू फ्रैंड्स कालोनी
नई दिल्ली - 110 065

**श्री टी बी सिंह,**
भूतपूर्व अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक,
भारत अल्यूमिनियम कम्पनी लि o,
बी-371 सरिता विहार,
नई दिल्ली - 110 044

**श्री पी सी नियोगी,**
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक,
एच एम टी लिमिटेड,
नैगम कार्यालय,
36, कन्निघम रोड,
बेंगलूर - 560 052

**श्री एस समद्दर,**
भूतपूर्व सचिव (इस्पात) और
भूतपूर्व सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग,
नई दिल्ली

**श्री एम एल शहारे,**
महा निदेशक,
डाo बाबा साहेब अम्बेडकर नेशनल
इंस्टीट्यूट ऑफ सोश्यल साइंसेज़,
54, आनंद नगर, चितवाड़ रोड,
इंदौर - 452 001

**श्री ए के धन,**
मुख्य प्रशासक,
केम्ब्रिज स्कूल,
टाटिसिलवई, रांची.

## 1.2 ए आई सी टी ई के प्रतिनिधि

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के प्रतिनिधि डाo ए एल मुदलियार (ए आई सी टी ई प्रतिनिधि) का 5 वर्ष का कार्यकाल 4 नवम्बर 1991 को समाप्त हो गया।

उनके स्थान पर, रेनबेक्सी लेबोरेटरीज़ लिo, 19 नेहरू प्लेस के उपाध्यक्ष व प्रबंध निदेशक डाo परविंदर सिंह को 28 फरवरी 1992 से मनोनीत किया गया।

## 1.3 सहयोजित सदस्य

मण्डल द्वारा सहयोजित निम्नलिखित सदस्यों का 5 वर्ष का कार्यकाल 31 दिसम्बर 1991 को समाप्त हो गया:

**श्री बी. जे. चाको,**
एडवोकेट व आयकर परामर्श दाता,
बेंगलूर

**श्री सी. एन. राव,**
निदेशक,
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस,
बेंगलूर.

इनके स्थान पर मण्डल द्वारा 22 जनवरी 1992 से 5 वर्ष के लिए निम्नलिखित सदस्यों को सहयोजित किया गया:

**डॉ वी. ए. पाई पनंदिकर,**
निदेशक,
सेंटर फार पालिसी रिसर्च,
धर्म मार्ग चाणक्यपुरी,
नई दिल्ली - 110 021

**श्री एम. एस. पटवर्धन**
उपाध्यक्ष,
नेशनल आर्गेनिक केमिकल्स इंडस्ट्रीज़ लि o,
नरिमन पाइंट,
बम्बई.

31 मार्च 1992 को मणडल के सदस्यों की सूची प्रतिवेदन के अंत में दी गई है।

## 1.4 बैठकें

आई आई एम बी सोसाइटी, गवर्नर मण्डल और कार्यकारी समिति की बैठकें निम्नलिखित तिथियों को हुईः

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1) | सोसाइटी | : | 15.04.91 |
| 2) | गवर्नर मण्डल | : | 15.04.91<br>2.08.91<br>28.10.91<br>22.01.92 |
| 3) | कार्यकारी समिति | : | 25.06.91<br>14.09.91 |

# 2. शैक्षणिक गतिविधियां

## 2.1 फैलो कार्यक्रम

श्री चेतन बजाज ने फैलो कार्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा कर लिया और उन्हें अप्रैल 1991 को उपाधि प्रदान की गई। उनके शोध प्रबंध का विषय था "विदेशी सहयोग, नीति सम्बंधी विकल्प, बात-चीत और कार्यान्वयन" और उनके संकाय निर्देशक प्रोफेसर एस. शिवरामू थे। उनकी मैसर्ज प्राइस वाटर डाउस नई दिल्ली में नियुक्ति हुई।

### 2.1.1 1991 के लिए प्रवेश

1990 में 422 की तुलना में वर्ष 1991 में प्रवेश के लिए 507 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। 1991 में प्रारम्भ होने वाले कार्यक्रम के लिए क्षेत्र/सेक्टर के सन्दर्भ में बातचीत प्रवेश के लिए 8 विद्यार्थियों का चयन किया गया। 7 ने प्रवेश लिया। न्यूनतम उपस्थिति आवश्यकताओं को पूरा न कर पाने के कारण एक को, छोड़ कर चले जाने के लिए कहा गया।

1991 के एफ पी एम बैच के लिए पहली बार क्षेत्र/सेक्टर के आधार पर प्रवेश दिया गया। यह इस उद्देश्य से किया गया कि क्षेत्र/सेक्टर अपने एफ पी एम विद्यार्थियों को प्रारम्भ से ही जान सके।

इससे क्षेत्र/सेक्टर को दूसरे वर्ष के लिए बेहतर उच्चस्तर के एफ पी एम पाठ्यक्रम तैयार करने और प्रदान करने के लिए एक वर्ष का अग्रिम समय मिल जाएगा।

### 2.1.2 1992 के लिए प्रवेश

प्रवेश के लिए 1,527 आवेदन पत्रों के लिए अनुरोध प्राप्त हुए और कुल 687 पूर्ण आवेदन पत्र जमा हुए। आवेदन पत्र में पिछले वर्ष 312 की तुलना में इस वर्ष भारी वृद्धि हुई है।

आवेदन पत्रों में वृद्धि के निम्नलिखित कारण हो सकते हैं:

1) भिन्न-भिन्न समाचार पत्रों में विज्ञापन देकर व्यापक प्रचार।

2) एक पृष्ठ का बड़े आकार का पोस्टर विभिन्न शिक्षण संस्थाओं को इस उद्देश्य से भेजा गया कि संभावित विद्यार्थियों का ध्यान कार्यक्रम की ओर दिलाया जा सके।

3) एफ पी एम बुलेटिन के साथ आवेदन पत्र मंगाने के शुल्क में छूट प्रदान की गई। शुल्क अब भरे हुए आवेदन पत्र जमा करने पर लिया जाता है।

687 आवेदन पत्रों में से एफ पी एम समिति द्वारा 74 को शोध अभिरुचि, परीक्षा व साक्षात्कार के लिए छांटा गया।

**चुने गए 74 उम्मीदवारों का वर्गीकरण:**

| क्षेत्र/सेक्टर | संख्या |
|---|---|
| गुणात्मक पद्धति और सूचना प्रणाली | 25 |
| वित्त | 16 |
| विपणन | 13 |
| उत्पादन व प्रचालन प्रबंध | 6 |
| ऊर्जा | 6 |
| संगठनात्मक आचरण, कार्मिक प्रबंध और औद्योगिक संबंध | 3 |
| आर्थिक व सामाजिक विज्ञान | 2 |
| कृषि व ग्रामीण विकास केन्द्र | 2 |
| आवास व पर्यावरण अध्ययन केन्द्र | 1 |
| | 74 |

दिनांक 16 मार्च, 1992 को सभी क्षेत्रों एवं वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए एक अनुसंधान अभिरुचि परीक्षा (आर ए टी) आयोजित की गयी, और साक्षात्कार दिनांक 19 मार्च, 1992 को हुये।

### 2.1.3 एफ पी एम विद्यार्थियों की स्थिति

प्रथम वर्ष एफ पी एम के छह विद्यार्थियों के अलावा 17 विद्यार्थी फैलो कार्यक्रमों में अध्ययनरत थे। दिनांक 31 मार्च 1992 उनकी स्थिति निम्नानुसार थी:

| | |
|---|---|
| दूसरे वर्ष में | ... 4 |
| पाठ्यक्रम कार्य समाप्त करके व्यापक परीक्षा में बैठने वाले | ... 6 |
| शोध-प्रबंध चरण में | ... 6 |
| शोध-प्रबंध कार्य समाप्त करने के उपरांत बाह्य मूल्यांकन की प्रतीक्षा में | ... 1 |
| कुल | 17 |

### 2.1.4 सरकार से मान्यता

संस्थान ने सरकारी नौकरी में भर्ती के उद्देश्य से, एफ पी एम को प्रबंधन में पी एच डी के समकक्ष मान्यता दिलाने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय से अनुवर्ती कार्रवाई प्रारंभ की।

### 2.1.5 एफ पी एम सेमिनार

एफ पी एम विद्यार्थियों को वैकल्पिक अनुसंधान प्रणालियों की जानकारी देने के लिए पाँचवें और छठे सत्र में एफ पी एम सेमिनार सीरिज चलायी गयी। इन सत्रों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

| व्याख्याता | दिनांक | शीर्षक |
|---|---|---|
| रणजीत धर | अक्तूबर 3, 1991 | रोज़गार एवं निर्धनता-उन्मूलन के लिए क्षेत्रीय निवेश-उत्पादन प्रतिरूपण |
| जे. सी. भाटिया | अक्तूबर 10, 1991 | स्वास्थ्य प्रबंधन में क्षेत्र सर्वेक्षण प्रणाली |
| पी. आर. ब्रह्मानंद | अक्तूबर 30, 1991 | अर्थशास्त्र में अनुसंधान पद्धतियां |
| सुधीन्द्र शेपाद्रि | नवम्बर 13, 1991 | विपणन में अनुसंधान पद्धतियां |
| के. आर. एस. मूर्ति | दिसम्बर 12, 1991 | कारोबार नीति के अनुसंधान में प्रणाली-विज्ञान संबंधी मुद्दे |
| एम. आर. राव | जनवरी 8, 1992 | लॉट साइजिंग समस्यांओं को लागू करते हुए वृहदाकार स्थायी समस्याओं को हल करना |
| एम. एल. कादंबी उपाध्यक्ष इंडियन मार्केट रिसर्च ब्यूरो, बेंगलूर | जरवरी 22. 1992 | विज्ञापन में अनुसंधान पक्ष |
| सी. एम. रेड्डी | जनवरी 29, 1992 | संगठनों के अध्ययन के पहलू |

### 2.1.6 एफ पी एम विद्यार्थियों को पुरस्कार

श्री आर.एस. देसिकन, एक फेलोशिप विद्यार्थी द्वारा प्रोफेसर श्री वी.बी. कौज़ल्गी के साथ मिलकर लिखा गया लेख, जिसका शीर्षक "अनेलिसज़ ऑफ फर्टिलाइज़र मूवमेंट इन इंडिया यूजिंग ए कम्प्यूटर मॉडल" था, फर्टिलाइज़र न्यूज के अक्तूबर 1990 अंक में प्रकाशित किया गया। इस लेख को विपणन क्षेत्र में, फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

### 2.1.7 नियोजन

के. कुमार, जिन्होंने "ए स्टडी ऑफ कारपोरेट प्लानिंग इन इंडिया" विषय पर एफ पी एम शोध प्रबंध प्रस्तुत किया था, ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसिज़ में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने दिनांक मार्च 11, 1992 को अपना आखिरी पब्लिक डिफेंस दिया।

एम. एस. श्रीराम, जिन्होंने "ए स्टडी ऑफ इंडिकेटर्स ऑफ सिकनेस इन रूरल को-ऑपरेटिव्स" विषय पर अपना एफ पी एम शोध प्रबंध प्रस्तुत किया था, ने ग्रामीण प्रबंधन संगठन, आनंद में अतिथि संकाय के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने अपना आखिरी पब्लिक डिफेंस दिनांक मार्च 13, 1992 को दिया।

डा० जे. पी. साहू ने "ए कम्पैरेटीव अनैलेसिज़ ऑफ आर्गेनाइज़ेशन ऑफ हेल्थ केयर मशीनरी इन हॉस्पिटल्स" विषय पर अपना शोध प्रबंध दिनांक जनवरी 23, 1992 को प्रस्तुत किया। वे अपने मूल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, मध्य प्रदेश में वापस चले गये हैं।

संजय गोयल ने लाल बहादुर शास्त्री एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन में, प्रबंध में रीडर पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने अपने शोध प्रबंध का मसौदा जमा किया है और अंतिम सेमिनार 27, मार्च 1992 को दिया। उनके अनुसंधान का विषय है "ए प्लानिंग मॉडल फार हाउसिंग कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री टू मीट द बेसिक नीड्स ऑफ शेल्टर।

## 2.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम

### 2.2.1 स्नातकोत्तर कार्यक्रम में 1991-93 बैच का प्रवेश

1 जुलाई 1991 से प्रारम्भ होने वाले 1991-93 बैच के स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए 157 विद्यार्थियों को

प्रवेश दिया गया। लगभग 12 प्रतिशत लड़कियाँ थीं और 19 प्रतिशत अनुसूचित जाति/जनजाति के थे।

लिंग व अनुसूचित जाति/जनजाति के आधार पर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में भर्ती विद्यार्थियों का ब्यौरा

| लिंग | अनुसूचित जाति | जनजाति | सामान्य | कुल |
|---|---|---|---|---|
| पुरुष | 18 | 11 | 109 | 138 |
| महिलायें | 1 | 0 | 18 | 19 |
| कुल | 19 | 11 | 127 | 157 |

बैच में लगभग 69 प्रतिशत विद्यार्थी 19 से 23 के बीच की उम्र के थे। केवल लगभग 9 प्रतिशत स्नातक स्तर पर कला/विज्ञान विषय से थे।

| उम्र | | योग्यता | |
|---|---|---|---|
| उम्र (वर्ष) | कुल | उपाधि | कुल |
| 19-23 | 108 | कला | 6 |
| 24-26 | 43 | विज्ञान | 8 |
| 27 और ऊपर | 6 | इंजीनियरिंग (आई आई टी से अलग) | 63 |
| | | आई आई टी इंजी० | 64 |
| कुल | 157 | कुल | 157 |

बैच के 50 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों के पिता सरकारी नौकरी में थे। 50 प्रतिशत के लगभग विद्यार्थियों को किसी कार्य का अनुभव नहीं था।

| पिता का व्यवसाय | | अनुभव | |
|---|---|---|---|
| पिता का व्यवसाय | कुल | अनुभव | कुल |
| व्यापार | 12 | कोई अनुभव नहीं | 78 |
| व्यवसायी | 34 | 11 माह तक | 16 |
| सरकारी नौकरी | 82 | 12 से 23 माह तक | 24 |
| किसान | 0 | 24 से 33 माह तक | 26 |
| अन्य | 29 | 36 से 47 माह तक | 10 |
| | | 48 माह और ऊपर | 3 |
| कुल | 157 | कुल | 157 |

9 दुबारा परीक्षा देने वाले तथा 7 फैलोशिप विद्यार्थियों को मिला कर वर्ष 1991-92 में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में 173 विद्यार्थी थे।

### 2.2.2 प्रारम्भिक कार्यक्रम

वर्ष 1991 में प्रवेश लेने वाले बैच के 19 पीजीपी तथा एक एफ पी एम के लिए अंग्रेज़ी भाषा, परिमाणात्मक निपुणता और लेखा विधि पर प्रारम्भिक कार्यक्रम चलाए गए।

### 2.2.3 पीजीपी के 1992-94 बैच का प्रवेश

भारतीय प्रबंध संस्थान के सभी केन्द्रों द्वारा प्रवेश परीक्षा संयुक्त रूप से 8 दिसम्बर 1991 को आयोजित की गई। संस्थान के सभी केन्द्रों के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर कुल 24,598 छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया। यह संख्या दिसम्बर 9, 1990 को हुई परीक्षा के 20,846 छात्रों की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

भारतीय प्रबंध संस्थान बेंगलूर में 1990 वर्ष के 13,600 छात्रों की तुलना में इस वर्ष 14,300 छात्रों ने प्रवेश के लिए आवेदन किया जो कि 5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। 845 छात्रों को सामहिक चर्चा और वैयक्तिक साक्षात्कार के लिए बुलाया गया है। साक्षात्कार देश में छह (6) केन्द्रों पर मार्च 1992 में किया गया।

चयन प्रक्रिया और प्रवेश के लिए चुने गए छात्रों को प्रवेश प्रस्ताव भेजने का कार्य अप्रैल 14, 1992 तक पूरा हो जाने की सम्भावना है।

### 2.2.4 छात्रवृत्तियाँ

संस्थान ने 1990-92 बैच के 48 और 1991-93 बैच के 41 छात्रों को फीस माफी के साथ-साथ 300 रु० प्रति माह की दर से 10 माह की योग्यता छात्र वृत्तियाँ प्रदान की गईं।

99 योग्यता छात्रवृत्तियों के अतिरिक्त निम्नलिखित 11 और छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं:

| 1990-92(दूसरा वर्ष) | | | 1991-93(पहला वर्ष) | | |
|---|---|---|---|---|---|
| प्रायोजक | संख्या | राशि वर्ष के लिए | प्रायोजक | संख्या | राशि वर्ष के लिए |
| सिटि बैंक | 2 | 350 | फाउंडेशन टू एड इंडस्ट्रि-यल रिकवरी | 3 | 360 |
| अल्यूमिनी संघ | 2 | 250 | एनसीईआरटी | 1 | 2700 प्रति वर्ष |
| | | | ट्राइबल वेलफेयर स्कालरशिप (एस सी/ एस टी(हैदराबाद) | 1 | 3350 प्रति वर्ष |
| | | | | 1 | 3015 प्रति वर्ष |
| | | | आई ओ सी (एमसी/ एस टी) | 1 | 9000 प्रति वर्ष |

### 2.2.5 पाठ्यक्रम संशोधन

कार्यक्रम की गुणवत्ता में संशोधन के अनेक कदम उठाए गए। पहले संकाय सदस्यों को काम देने के उद्देश्य से पी जी पी पाठ्यक्रमों को पढ़ाने के लिए दिया जाता था, चाहे उनकी विशेषज्ञता और कौशल पी जी पी पाठ्यक्रमों की आवश्यकता के अनुरूप न हों। इससे छात्रों और संकाय सदस्यों दोनों को ही असंतोष होता था।

1991-92 से संकाय सदस्यों को उनकी विशेषज्ञता और शोध के आधार पर पाठ्यक्रम देने को प्रोत्साहित किया जा रहा है। पी जी पी कार्यक्रमों को संकाय सदस्यों के लिए मात्र पी जी पी अध्यापन कार्यभार बनाने के लिए नहीं प्रयोग किया जा रहा है। जहाँ पर कौशल व विशेषज्ञ अपर्याप्त हैं या नियमित संकाय सदस्य नहीं हैं वहाँ अतिथि संकाय सदस्यों को आमंत्रित किया जाता है।

पहले वैकल्पिक विषयों के लिए कक्षा में 120 या 140 की संख्या होती थी, जिससे पढ़ाने के स्तर, छात्रों की प्रतिभागिता, विचार-विमर्श और फीडबैक की तत्परता आदि पर प्रभाव पड़ता था। पहले कक्षाओं के बड़े आकार के दो मुख्य कारण थे, संकाय सदस्यों की कमी तथा ऐच्छिक विषयों की आपूर्ति - मांग का अंतर। जहाँ भी सम्भव हुआ है ऐच्छिक विषयों की कक्षाओं के आकार भी कम करके 60 से 80 छात्रों तक कर दिए गए हैं जिससे छात्रों और संकाय सदस्यों में विचार-विमर्श और फीडबैक में सुधार लाया जा सके।

प्रोफेसर वत्सला नागराजन की अध्यक्षता में एक पी जी पी परामर्शी समिति का गठन किया गया है।

I) आधारभूत पाठ्यक्रमों और उनकी विषय वस्तु निर्धारित करना,

II) आधारभूत विषयों को क्रमबद्ध करना,

III) प्रबंधकों की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं के पाठ्यक्रमों में सुधार के लिए सुझाव देना।

समिति ने आवश्यकतानुसार उद्योग विशेषज्ञों, पुराने विद्यार्थियों (अल्यूमिनी) तथा अन्य लोगों से विचार-विमर्श किया। समिति की कई बैठकें आयोजित हुईं। यह आशा की जाती थी कि 1992-93 तथा इसके बाद से लागू करने के लिए इसके सुझाव प्राप्त होते रहेंगे।

### 2.2.6 पाठ्यक्रम

ऐच्छिक विषयों को प्रदान करने में 1991-92 से वृद्धि की गई। 1990-91 में 11 की तुलना में 1991-92 में 17 विषय दिए गए और पंजीकरण किया गया।

प्रारम्भ किए गए 6 नए पाठ्यक्रम निम्नलिखित हैं:

| शीर्ष | संकाय | पंजीकरण |
|---|---|---|
| विज्ञापन प्रबंध स्तर - 2 | सुब्रोतो सेनगुप्ता<br>एम. जे. ज़ेवियर | 35 |
| विज्ञापन प्रचालन प्रबंध | एएए आई *<br>पी.के. सिन्हा | 7 |
| भारतीय उद्यमियों की सर्वभौमिकता | एन.सी.बी. नाथ<br>एस.एल. राव<br>आर.जी. तगत | 57 |
| परियोजनाओं का पर्यावरणीय मूल्यांकन | ए. नागम्मा | 37 |
| प्रबंध अनुपालन में विशेषज्ञ पद्धति व ज्ञान आधार | एस. कृष्णा | 20 |
| सेवा विपणन प्रबंध | पी.के. सिन्हा<br>आर.जी. तगत | 53 |

* एसोसियशन आफ एडवरटाइजिंग एजेंसिज़ ऑफ इंडिया

6 नए विषयों का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है:

1. **विज्ञापन प्रबंध स्तर - 2**
   **एम.जी. जेवियर/सुब्रतो सेन गुप्ता**
   **(अतिथि संकाय)**

   विज्ञापन प्रबंध स्तर -2 शीर्षक का पाठ्यक्रम उच्च स्तर का पाठ्यक्रम है और यह उनके लिए है, जिन्होंने प्रोफेसर पीटर कोलाको द्वारा चौथे और पाँचवें सत्र में दिए विज्ञापन प्रबंध पाठ्यक्रम-1 को लिया है।

2. **विज्ञापन प्रचालन संबंध**
   **एएए ऑफ इंडिया और पी.के. सिन्हा**

   विज्ञापन प्रचालन प्रबंध पाठ्यक्रम एसोसिएशन ऑफ एडवरटाइज़िंग एजेन्सिज़ ऑफ इंडिया (एएए ऑफ इंडिया) के सहयोग से चलाया गया। पाठ्यक्रम व्यावहारिक पक्षों पर एएए ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष श्री बंटी पीरभाई ने काफी सहयोग प्रदान किया। यह पाठ्यक्रम उन पी जी पी विद्यार्थियों के लिए था जो विज्ञापन प्रबंध को अपने पेश के रूप में अपनाना चाहते थे।

3. **भारतीय उद्यमियों की सार्वभौमिकता**
   **एन.सी.बी. नाथ, एस.एल. राव और**
   **आर.जी. तगत**

   पाठ्यक्रम में भारतीय उद्यमियों के अंतर राष्ट्रीय करण पर प्रकाश डाला गया था। इसमें अंतरराष्ट्रीय सन्दर्भ में बात-चीत की दक्षता पर बल दिया गया है।

4. **परियोजनाओं का पर्यावरणीय मूल्यांकन**
   **एन. नागम्मा**

   पाठ्यक्रम को विभिन्न परियोजनाओं (11 मामलों पर चर्चा) के पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन करने की पद्धति पर केन्द्रित

किया गया है जिससे विभिन्न सामाजिक-आर्थिक वातावरण का प्रतिबिम्ब प्राप्त हो सके।

5. **प्रबंध अनुपालन में विशेषज्ञ पद्धति व ज्ञान आधार**
**एस. कृष्णा**

प्रबंध अनुपालन में विशेषज्ञ पद्धति व ज्ञान आधार पाठ्यक्रम में स्वतः शोध व प्रायोगिक ज्ञान द्वारा उन समस्याओं को हल करने की प्रणाली को सम्मिलित किया गया जिनके लिए औपचारिक नमूने और पूर्व निर्धारित दशमलव प्रणाली नहीं है। पाठ्यक्रम में आकड़ों पर आधारित तकनीक को विस्तारित किया गया जिससे और अधिक सामान्य ज्ञान को सम्मिलित किया जा सके।

**सेवा विपणन प्रबंध**
**पी.के. सिन्हा/आर.जी. तगत**

पाठ्यक्रम में उत्पादन की तुलना में सेवाओं पर प्रकाश डाला गया और सेवा क्षेत्र में विपणन थिममों की समझ को विकसित करने का प्रयास किया गया।

अतिरिक्त 11 ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के साथ-साथ अतिथि विशेषज्ञों द्वारा नान-क्रेडिट वैकल्पिक पाठ्यक्रम दिए गए। कुछ उल्लेखनीय पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं:

"ऑपरेशन ऑफ ए फोरन एक्सचेंज डीलिंग रूम" दिनांक 4 और 5 जनवरी को इंडियन बैंक, मद्रास के प्रमुख डीलर श्री एन. कृष्णमूर्ति द्वारा दिया गया।

"एसेसिंग द वर्किंग केपिटल रिक्वायरमेंट्स ऑफ बारोअर्स एण्ड मानिटरिंग द एमाउंट फाइनेंस्ड" जनवरी-फरवरी 1992 में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, मण्डल कार्यालय बेंगलूर के प्रशासनिक अधिकारी (पुनर्वास) ने 12 से अधिक सत्रों में दिया।

"12 सत्रों का एक मॉडल "एप्लिकेशन ऑफ कम्पयूटर सिस्टम्स इन फाइनेंशियल सर्विसेज़ जनवरी 1992 में सिटि कारपोरेशन ओवरसीज साफ्टवेयर लिमिटेड, बम्बई के वरिष्ठ कार्यपालक श्री रवि रामन ने दिया।

### 2.2.7 भौतिक सुविधाएँ

बड़ी कक्षाओं को छोटी में बदलने तथा अधिक वैकल्पिक विषय प्रारम्भ करने से और अधिक कक्षा के कमरों की आवश्यकता हुई। श्रवण व दृश्य और बैठने की सुविधाओं में सुधार लाया गया, बैठने की व्यवस्था नाल के आकार में पंक्ति बद्ध की गई जिससे विचार-विमर्श में और सुविधा हो। यद्यपि वर्तमान फर्नीचर अच्छा नहीं है तथापि फिलहाल इसे ही प्रयोग में लाया जा रहा है। भविष्य के सुधारों की योजना तैयार की गई है।

### 2.2.8 पी.जी.पी. के लिए नियोजन

#### 2.2.8.1 नियोजन पूर्व बातचीत:

वर्ष 1992 के लिए नियोजन कार्य नवंबर 15, 1991 से नियोजन पूर्व बातचीत (पीजीटी) और ग्रीष्मावकाश नियोजन साक्षात्कारों से शुरू हुआ। कुल 106 कंपनियों ने कैंपस नियोजन कार्यक्रम में रुचि दिखायी। 90 कंपनियों को साक्षात्कार आयोजित करने थे, जिनमें से 73 कंपनियों ने वास्तव में भाग लिया।

#### 2.2.8.2 ग्रीष्म:

1991-93 बैच के सभी 153 विद्यार्थी वर्ष 1992 के ग्रीष्मावकाश के दौरान विभिन्न संगठनों में नियोजित किये गये।

#### 2.2.8.3 स्थायी:

1990-92बैच के 181 विद्यार्थी, जिन्हें नियोजन की आवश्यकता थी, उपयुक्त रूप से नियोजित किये गये। तीन विद्यार्थियों को नियोजन की आवश्यकता नहीं थी। प्रारम्भिक मासिक आय रु. 3,000 से लेकर रु. 10,500 तक थी। औसत आय रु. 6362 थी।

| | |
|---|---|
| सेक्टर - वार विश्लेषित आंकड़े | |
| सार्वजनिक क्षेत्र | : 36 |
| निजी क्षेत्र | :145 |
| क्षेत्रवार विश्लेषित आंकड़े | |
| विपणन | : 73 |
| वित्त | : 41 |
| सिस्टम्स | : 21 |
| परामर्शी/कार्मिक | : 18 |
| परिचालन अनुसंधान | : 09 |
| निर्यात | : 03 |
| मुख्य भर्तीकर्ता | |
| आइशर गुडअर्थ | : 13 |
| विप्रो समूह | : 12 |
| राष्ट्रीय सूचना तकनीक संस्थान | : 10 |
| ब्लो प्लास्ट लिमिटेड | : 9 |
| नागार्जुन साइनोड | : 9 |
| सिटीकॉर्प ओवरसीज़ सॉफ्टवेअर लिमिटेड | : 8 |
| शॉ वैलेस | : 8 |
| एएनज़ेड ग्रिंडलेज बैंक | : 8 |
| यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया | : 8 |

| | | |
|---|---|---|
| ए.एफ. फगर्युसन | : | 7 |
| ऐपल इंडस्ट्रीज़ | : | 7 |
| यूनिलिवर | : | 6 |
| टाइटन वाचेज़ | : | 5 |
| मारूति | : | 5 |
| टाटा आयरन एंड स्टील कं० | : | 5 |
| टाटा कन्सलटेंसी सर्विसिज़ | : | 5 |

### 2.2.9 नेक्सस

नेक्सस - आई आई एम-बी का उपभोक्ता मेला, "जीवन-शैली" विषय को लेकर, अक्तूबर 5 और 6 1991 को आर एस आई क्लब ग्राउंड, बेंगलूर में आयोजित किया गया। इस वर्ष भाग लेने वाली कंपनियां थीं : ब्रुक बांड, आई सी आई, बैंक ऑफ अमेरिका, मदुरा कोट्स, विलटेक, प्रॉक्टर एंड गैम्बल तथा टाइटन। कंपनियों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं के अलावा, विद्यार्थियों ने सामाजिक विपणन तथा उपभोग्यता से संबंधित मुद्दों को समझने के लिए स्टॉल लगाये।

इस मेले में 4000 से अधिक अतिथि आये, कम्प्यूटर गेम्स इस मेले का मुख्य आकर्षण थीं, जिन्हें सामान्य वातावरण में, उपभोक्ता की पसंद की जानकारी लेने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। मेले में गेम्स के अध्ययन के माध्यम से प्राप्त जानकारी आई आई एम-बी में, जनवरी 18, 1992 को प्रस्तुत की गयी, जिसमें कम्पनियों के प्रतिनिधियों तथा विपणन अनुसंधान तथा विज्ञापन अभिकरणों के कार्यपालकों ने भाग लिया। श्री बी.आर. शाह, अध्यक्ष, लिप्टन इंडिया लि० अक्तूबर 5, 1991 को आर एस आई क्लब ग्राउंड में आयोजिल उद्घाटन समारोह तथा जनवरी 18, 1992 को आई आई एम-बी में आयोजित परियोजना प्रस्तुतीकरण समारोह, दोनों में ही मुख्य अतिथि थे।

### 2.2.10 दीक्षांत समारोह

16वाँ दीक्षांत समारोह अप्रैल 15, 1991 को आयोजित किया गया। श्री मनमोहन सिंह, भूतपूर्व अध्यक्ष यू जी सी (वर्तमान वित्त मंत्री, भारत सरकार) ने दीक्षांत अभिभाषण दिया। स्नातकोत्तर कार्यक्रम के 160 विद्यार्थियों (1989-91 बैच के 141 तथा 1988-90 बैच के 19) तथा फैलो कार्यक्रम के एक विद्यार्थी को इस समारोह के अवसर पर डिप्लोमा तथा टाइटल दिये गये। इसके साथ ही, आई आई एम-बी से पी जी पी करने वालों की संख्या 1553 तथा फैलो विद्यार्थियों की संख्या 38 हो गयी।

## 2.3 क्षेत्र

### 2.3.1 आर्थिक और समाज विज्ञान क्षेत्र

आर्थिक और समाज विज्ञान क्षेत्र के सदस्यों ने पी जी पी और एफ पी एम कार्यक्रमों में 6 मूल विषय और दो ऐच्छिक विषय पढ़ाये। इस क्षेत्र ने संस्थान के तथा बाहरी एजेंसियों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया। इस क्षेत्र के सदस्यों ने बाहरी एजेंसियों द्वारा आयोजित सेमिनार और कार्यशालाओं में भी भाग लिया।

शोध कार्यों में निम्नलिखित क्षेत्रों को शामिल किया गया:

* तुलनात्मक आर्थिक पद्धति
* आंतरिक व्यापार और वित्त
* औद्योगिक अर्थ-शास्त्र
* भारत का आर्थिक उदारीकरण और
* इलेक्ट्रानिक्स के लिए बजट मॉडल, बुनियादी आवश्यकताएँ तथा विपणन सम्भाव्यताएँ

शोध कार्यो के आधार पर 9 प्रपत्र/लेख प्रकाशित हुए और अन्य 4 को प्रकाशित किया जा रहा है।

### 2.3.2 वित्त एवं नियंत्रण

पूर्व की भांति क्षेत्र ने पी जी पी के प्रथम वर्ष में 3 मूल विषय और दूसरे वर्ष में 7 ऐच्छिक विषय पढ़ाये। क्षेत्र ने फैलो कार्यक्रम के विद्यार्थियों के मार्गदर्शन में भी भाग लिया।

क्षेत्र ने 4 प्रबंध विकास कार्यक्रमों और संगठन आधारित कार्यक्रमों में भाग लिया। क्षेत्र ने वरिष्ठ आई ए एस अधिकारियों के लिए उच्च स्तरीय वित्त प्रबंध पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम दिए। अन्य क्षेत्रों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी इस क्षेत्र के संकाय सदस्यों ने सहभागी संकाय के रूप में भाग लिया।

क्षेत्र के सदस्यों की रुचि के विषयों में भारतीय संदर्भ में पूंजीगत परिसम्पति मूल्य निर्धारण, मॉडल वैधता, केपिटल मार्किट रेगुलेशन म्युचुअल फंड, नीतिपरक वित्त प्रबंध, वित्तीय रिपोर्टिंग, प्रबंध नियंत्रण पद्धति और वित्तीय सेवायें शामिल हैं।

क्षेत्र के सदस्यों ने महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियों जैसे डीन, चेयरपर्सन पीजीपी, चेयर पर्सन-एम डी पी, समन्वयकर्ता-प्रवेश, समन्वय कर्ता-वित्तीय सहायता समिति, को पूरा किया।

इस वर्ष के दौरान बेंगलूर के एक वरिष्ठ चार्टर्ड एकाउंटेंट श्री एस. सुंदरराजन की क्षेत्र में एसोशिएट प्रोफेसर पद पर नियुक्ति हुई। एक सदस्य, प्रोफेसर प्रेमचन्दर 1 अक्तूबर 1991 से ई एफ एम डी विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत 10 माह के लिए मानचेस्टर बिज़िनेस स्कूल में गए।

### 2.3.3. विपणन

पी जी पी, एफ पी एम, एम डी पी और ओ बी पी में विपणन के पाठ्यक्रमों को चलाने के साथ-साथ विपणन क्षेत्र ने 5 प्रबंध विकास कार्यक्रम आयोजित किए (इन्हें प्रबंध विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत रखा गया है)।

क्षेत्र में विदेशों से निम्नलिखित अतिथि प्रोफेसर आए:

डा० सुधीन्द्रा शेषाद्रि, प्रोफेसर
मेरिलैंड यूनिवर्सिटी, कालेज पार्क,
यू.एस.ए.

डा० ए. परशुरामन, प्रोफेसर टेक्सास
ए एंड एम यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए.

डा० पी. राजन वरदराजन, फौले प्रोफेसर
ऑफ रिटेलिंग एंड मार्केटिंग स्टडीज़,
टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी यू.एस.ए.

प्रोफेसर सुब्रोतो सेनगुप्ता,
आई आई एम कलकत्ता

प्रोफेसर दिपांकर चक्रवर्ती,
डिपार्टमेंट ऑफ मार्केटिंग,
कार्ल एलर ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मेनेजमेंट,
यूनिवर्सिटी ऑफ अरिज़ोना, यू.एस.ए.

### 2.3.4 संगठनात्मक व्यवहार, कार्मिक प्रबंध और औद्योगिक संबंध

क्षेत्र के पी जी पी और एफ पी एम विद्यार्थियों को कोर/मूल और ऐच्छिक विषय प्रदान किए। क्षेत्र के सदस्यों ने औद्योगिक शांति, संगठनात्मक उन्नीत व नवीनीकरण, संगठनात्मक ढांचों के डिज़ाइन, निष्पादन मूल्यांकन पद्धति और संस्थागत व्यवहार विषयों पर शोध व परामर्शी प्रयास जारी रखे। क्षेत्र ने शिल्प वैज्ञानिकों के लिए एक क्रियात्मक प्रबंध कार्यक्रम प्रारम्भ किया और इसमें महत्वपूर्ण योगदान दिया।

### 2.3.5 उत्पादन एवं प्रचालन प्रबंध

क्षेत्र ने पी जी पी और फैलोशिप विद्यार्थियों को उत्पादन और प्रचालन प्रबंध पर मूल और ऐच्छिक विषय पढ़ाए।

क्षेत्र ने सामग्री, उत्पादकता और परियोजना प्रबंध पर एम डी पी प्रदान किए और अनेक ओ बी पी में संलग्न रहा। क्षेत्र के सदस्य उत्पादन एवं प्रचानल प्रबंध से संबद्ध परामर्श और शोध से भी जुड़े रहे।

प्रोफेसर जनत शाह और एल एस मूर्ती की इस वर्ष संकाय में नियुक्ति हुई।

### 2.3.6 मात्रात्मक प्रणाली और सूचना पद्धति

क्षेत्र ने पीजीपी और एफ पी एम के लिए तीन कोर तथा पांच ऐच्छिक पाठ्यक्रम चलाये।

क्षेत्र ने केन्द्रीय रेशम बोर्ड के लिए तीन सप्ताह प्रत्येक के तीन ओ बी पी भी चलाये। संकाय सदस्यों ने मॉडलिंग, निर्यात पद्धति, ज्ञानाधारित पद्धतियों, और निर्णय समर्थक पद्धतियों जैसे विषयों पर अनुसंधान में सक्रियतापूर्वक भाग लिया।

क्षेत्र के सदस्यों ने कम्प्यूटर केन्द्र की गतिविधियों में भी सहयोग दिया।

## 2.4 सेक्टर

### 2.4.1 कृषि तथा ग्रामीण विकास

सेक्टर द्वारा पीजीपी के लिए तीन पाठ्क्रम-कृषि संसाधन प्रबंधन, ग्रामीण विपणन तथा कृषि वित्त एवं ऋण चलाये गये। सेक्टर ने मुर्गी पालन उद्योग से संबंधित एक परामर्शी परियोजना, जिसका शीर्षक "भारत में मुर्गी पालन उद्योग का विकास" था, पूरा किया। साथ ही एक अनुसंधान अध्ययन भी पूरा किया, जिसका शीर्षक था - "संस्था को सुदृढ़ करने के लिए संस्थागत व्यवस्था के विस्तार व सुझावों पर अनुसंधानकार्य"। दो और परामर्शी परियोजनाएँ चल रही थीं, जिनमें से एक "मध्य प्रदेश में सिंचित कृषि के लिए जनबल आयोजना मूल्यांकन अध्ययन" तथा दूसरी "कोठारी इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन लि० के बागवानी प्रभाग के लिए कम्प्यूटर आधारित सूचना पद्धति" पर थी। सेक्टर ने पाँच संगठन आधारित कार्यक्रम स्वतंत्र रूप से या संयुक्त रूप से भी चलाये। केन्द्रीय रेशम बोर्ड के लिए तीन कार्यक्रम "कम्प्यूटर आधारित अर्थशास्त्र सांख्यिकी, परियोजना प्रबंधन और प्रबंधन आसूचना प्रणाली" पर, राष्ट्रीय सहकारी

विकास निगम के लिए एक कार्यक्रम "शाक एवं फल विपणन सहकारिता" पर चलाया गया, इसमें प्रबंध निदेशक एवं प्रबंधकों ने भाग लिया। इसके अलावा कोठारी कृषि प्रबंधन केन्द्र, कूनूर की ओर से बागवानी प्रबंधकों के लिए भी एक कार्यक्रम चलाया गया। इन ओ बी पी के साथ-साथ सेक्टर ने सामान्य प्रबंधन क्षेत्र में एक 15 दिन का एम डी पी भी चलाया।

### 2.4.2 ऊर्जा प्रबंधन

ऊर्जा सेक्टर द्वारा पीजीपी के लिए "ऊर्जा प्रणाली प्रबंधन" पर पर्यावलोकन पाठ्यक्रमों का आयोजन जारी रखा गया। इस सेक्टर के संकाय सदस्यों ने निम्नलिखित पी जी पी पाठ्यक्रम भी चलाये: अर्थशास्त्र-1, सार्वजनिक नीति संबंधी मुद्दे तथा परियोजना के पर्यावरण का मूल्यांकन, एवं सार्वजनिक उद्यम प्रबंधन पर पाठ्यक्रम में भी आंशिक सहयोग दिया।

फैलो कार्यक्रम में सेक्टर संकाय सदस्यों ने अनुसंधान कार्यप्रणाली-11 पाठ्यक्रम का समन्वयन किया और फैलो विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। संकाय सदस्यों ने एम डी पी, आई ए एस अधिकारियों के लिए ओ बी पी तथा सेवाकालीन प्रबंधन विकास कार्यक्रमों में व्याख्यान भी दिये।

#### 2.4.2.1 अनुसंधान

अफ्रीकन एनर्जी पॉलिसी रिसर्च नेटवर्क (ए एफ आर ई पी आर ई एन) के साथ सहयोग कार्य जारी रहा। "अफ्रीका में ग्रामीण विद्युतीकरण" पर पुस्तक पूरी की गयी और इसे जेड प्रेस, यू.के. द्वारा प्रकाशित किया जाएगा। सेक्टर द्वारा निम्नलिखित क्षेत्रों में अनुसंधान जारी रखा गया:

* विद्युत निजीकरण
* विकेन्द्रीकृत ऊर्जा स्रोतों का आर्थिक मूल्यांकन
* जंगल से मिलनेवाली लकड़ी की आपूर्ति के संबंध में अनुमान
* तेल अन्वेषण के मामले में नीतिपरक निर्णय लेना
* पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन: सिंचाई एवं पॉवर परियोजनाओं के पुनर्वास संबंधी मुद्दे
* खनिज संसाधन प्राप्त करते समय पर्यावरण एवं संरक्षण: कोयला

#### 2.4.2.2 अनुसंधान पेपर:

क्षेत्र द्वारा निम्नलिखित अनुसंधान पेपर निकाले गये:

"इलेक्ट्रिसिटी टैरिफ्स इन कनार्टक" एफ पी डब्ल्यू. 25 मई 1991

"रूरल इलैक्ट्रिफिकेशन रीविजीटेड", एनर्जी पॉलिसि में स्वीकृत, आगामी अक्तूबर 1992 अंक के लिए

इलैक्ट्रिसिटी प्राइवेटाइजेन" फ्रांस में मई 1992 में होनेवाले आई ए ई ई सम्मेलन के लिए स्वीकृत पेपर

"इश्यूज़ इन एनर्जी डिमांड फोरकास्टिंग" अप्रैल 1992 में ए एफ आर ई पी आर ई एन कार्यशाला में प्रस्तुत किया गया

"इकॉनॉमिक्स ऑफ बायोगैस" पर पेपर को संशोधित किया गया और उसे पैसिफिक एंड एशियन जर्नल ऑफ एनर्जी को भेजा गया

सेक्टर ने मौरीशस में विद्युत शक्ति प्लांट निर्माण के लिए, भारतीय फर्मों के संघ के साथ मिलकर, आयोजना एवं प्रबंधन निवेशों के द्वारा निविदा रकम को बढ़ाते हुए, एक अंतरराष्ट्रीय निविदा प्रस्तुत की।

ऊर्जा के विकेन्द्रीकरण पर सेक्टर के द्वारा किये गये कार्य का उपयोग करते हुए राज्य सरकार, इस समय कर्नाटक में विंड फार्म स्थापित करने की ओर ध्यान दे रही है।

### 2.4.3 शिक्षा प्रबंधन

सेक्टर के संकाय सदस्यों ने पी जी पी छात्रों को "शिक्षा पद्धति के प्रबंधन" पर पाठ्यक्रम पढ़ाया।

वर्ष के दौरान निम्नलिखित अध्यापन किये गये:

* भारतीय विश्वविद्यालयों का वित्तीय प्रबंधन
* प्रबंधन शिक्षा का विश्लेषणात्मक अध्ययन

### 2.4.4 जनसंख्या तथा स्वास्थ्य प्रबंधन

केन्द्र ने एफ पी एम - "अस्पताल-सहायक सेवाओं का प्रबंधन-1" पर एक विशेषज्ञ पाठ्यक्रम चलाया।

डबल्यू एच ओ द्वारा प्रायोजित अध्ययन "डिटर्मिनेंट्स ऑफ कान्ट्रासेप्टिव यूज़ डायनैमिक्स" का क्षेत्र कार्य पूरा किया गया और एक प्राथमिक रिपोर्ट डब्ल्यू एच ओ को भेजी गयी। इस रिपोर्ट को प्रेस की ओर से काफी प्रचार-प्रसार मिला। एक विस्तृत रिपोर्ट निर्माणाधीन है। फोर्ड फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित एक अन्य अनुसंधान अध्ययन - "शिशु जीवन पर मातृशिक्षा का प्रभाव" प्रगति पर था। डब्ल्यू एच ओ द्वारा प्रायोजित एक अन्य

अनुसंधान परियोजना-"समय का सदुपयोग एवं स्वास्थ्य समूहों के चयनित जनबल संवर्गों की उत्पादकता" पूरी की गयी और रिपोर्ट प्रायोजक संगठन को भेजी गयी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा हेल्थ मैनेजमेंट कन्सार्शियम के सहयोग के प्रायोजित एक अन्य अध्ययन "छह राज्यों में स्वास्थ्य देखरेख डिलिवरी सिस्टम का प्रबंधन एवं संरचना" शुरू किया गया।

आई आई एम-बी ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के स्वास्थ्य प्रबंध संकाय की 5वीं बैठक का मई 10 और 11, 1991 को आयोजन किया। बैठक में विभिन्न प्रबंध और स्वास्थ्य शोध संस्थानों के 17 सदस्यों ने भाग लिया। स्वास्थ्य प्रबंध संकाय, 25 प्रबंध और स्वास्थ्य शोध संस्थानों का एक समूह है। इसके सदस्यों मे राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली, चार भारतीय प्रबंध संस्थान के सदस्य, और इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट इन गवर्नमेंट, त्रिवेन्द्रम शामिल हैं। इसका मुख्य उद्देश्य भाग लेने वाले संस्थानों की सामूहिक/नैगम गतिविधियों को बढ़ाना और स्वास्थ्य प्रबंध में उनकी गतिविधियों को मज़बूती प्रदान करना है।

सेक्टर ने अन्य क्षेत्रों सेक्टर के आई आई एम संकाय के अनुशासनिक समूह को एकत्रित किया और भारत सरकार, समाज कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रायोजित संगठित शिशु विकास सेवा (आई सी डी सी) अधिकारियों के प्रबंध प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए प्रशिक्षण मॉडल तैयार किया। स्वास्थ्य प्रबंध संकाय के सहयोग से सेक्टर के संकाय सदस्यों ने जिला स्वास्थ्य पद्धति प्रबंधक के दूरस्थ शिक्षा के लिए प्रशिक्षण विकास मॉडल में कार्य किया।

**2.4.4.3 यू.एन.द्वारा निर्दिष्ट कार्य पर रिपोर्ट:**

सेक्टर ने निम्नलिखित रिपोर्ट प्रस्तुत की:

"सलतनत ऑफ ओमन के लिए जनबल विकास योजना" : 1991-95, डब्ल्यू एच ओ - अलेक्सेंड्रिया, 1991.

"सलतनत ऑफ ओमन में स्वास्थ्य (एच आर एच) नीति के लिए मानव संसाधन एक वृत्त अध्ययन", डब्ल्यू एच ओ - अलेक्सेंड्रिया, 1991.

**2.4.4.4सम्मेलन पेपर:**

सेक्टर द्वारा निम्नलिखित सम्मेलन पेपर निकाले गये:

माताओं की मृत्युदर - एक दक्षिण भारतीय अध्ययन", इसे मातृ एवं नव प्रसव स्वास्थ्य पर बैनडंग इंडोनेशिया में 11 से 14 सितंबर 1991 तक आयोजित चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस में प्रस्तुत किया गया।

सेक्टर संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय संगठनों के कई वैज्ञानिक एडवाइज़री मंडलों तथा कई समितियों को सहयोग प्रदान किया।

### 2.4.5 मानव रिहायश और पर्यावरण संबंधी अध्ययन

वर्ष के दौरान सेक्टर संकाय सदस्यों की शिक्षण, अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं परामर्श से संबंधित गतिविधियां मानव रिहायश के प्रबंधन एवं नीतिपरक मुद्दों पर ही केंद्रित रही। "शहरी रिहायश : संरचना, आयोजना एवं प्रबंधन" पर एक पाठ्यक्रम पी जी पी छात्रों के लिए चलाया गया।

नेशनल साइंस फाउंडेशन यू एस ए तथा यूनिवर्सिटी ऑफ ई ओवा द्वारा प्रायोजित "सेवाओं तक पहुँच को बेहतर बनाने के लिए निर्णय-सहायक पद्धति को विकसित करना" विषय पर अनुसंधान अध्ययन को वर्ष के दौरान जारी रखा गया। परियोजना की गतिविधियों के अंतर्गत, अगस्त 5 और 6, 1991 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों की बैठक बुलायी गयी। ऑपरेशन्स रिसर्च सोसायटी ऑफ अमेरिका तथा दी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंस (ओआरएसए/टीआई एमएस) द्वारा मई 12 से 15, 1991 तक नैशविले में आयोजित सम्मेलन में भाग लेने के लिए डा० विनोद तिवारी ने यू.एस.ए. का दौरा किया। श्री पुनीत किशोर, छात्र-पी.एच.डी.-यूनिवर्सिटी ऑफ विसकानसिन, मेडिसन, यू.एस.ए., अपने पी.एच.डी कार्य को पूरा करने के लिए सेक्टर से जुड़े रहे। श्री संजय गायेल, संस्थान के एफ.पी.एम. छात्र को उनके शोध प्रबंध को पूरा करने में, सेक्टर संकाय से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

प्रोफेसर सुब्बरायन प्रसन्ना एवं के.एम.अनंतरामय्या ने "हडसन सर्कल, बेंगलूर पर फ्लाई ओवर तथा सब-वे बनाने के नगर निगम के प्रस्ताव का मूल्यांकन" विषय पर अध्ययन पूरा किया। यह कार्य अर्बन आर्ट कमीशन के अनुरोध पर लिया गया था ताकि उस स्थान पर यातायात योजना एवं डिज़ाइन तैयार करने के संबंध में, कमीशन उचित निर्णय ले सके।

### 2.4.6 परिवहन अध्ययन

सेक्टर ने कई प्रायोजित अनुसंधान/परामर्श परियोजनाओं में सहयोग दिया, जिन्हें परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार एवं राज्य सरकारों का आर्थिक सहयोग प्राप्त था।

ग्रामीण परिवहन पर एक परियोजना पूरी की गयी, जिसमें भारत के आठ विभिन्न राज्यों को कवर करते हुए ग्रामीण परिवहन के क्षेत्र में पिछले दस सालों 1978-79 से लेकर 1988-89 तक, के दौरान हुये परिवर्तनों का मूल्यांकन करने का प्रयास किया गया था। इस अध्ययन में निम्नलिखित को शामिल किया गया:

ए) निर्धारित आकार एवं पहुँच के अनुसार परिवहन के विभिन्न साधनों को प्राप्त करना

बी) निर्धारित आकार, घरेलू आय एवं वाहन स्वामित्व के अनुसार ग्रामीण परिवहन की मांग

सी) वाणिज्यिक संगठनों, ग्रामीण उद्योगों एवं ग्रामीण विपणन के लिए परिवहन की मांग और

डी) पहुँच एवं आय में परिवहन के अनुसार परिवहन के विभिन्न साधनों के प्रयोग में परिवर्तन।

अध्ययन से प्राप्त प्रमुख जानकारी:-

* बायो ऊर्जा साधनों (बैलगाड़ी तथा सिर पर बोझ उठाना) के स्थान पर पैट्रोलियम साधनों (मोटर वाले वाहन) को प्रयोग में लाया जाने लगा है।
* यातायात प्रयोग का 57.7 प्रतिशत भाग ट्रक तथा 25 प्रतिशत भाग ट्रैक्टर थे। इस प्रकार मोटरवाले साधन, कुल परिवहन में से लगभग 83 प्रतिशत थे। पिछले दस वर्षों मे पशुगाड़ियों का प्रतिशत 65 से कम होकर 15/टन किलोमीटर हो गया।
* पिछले दस वर्षों में परिवहन की मांग 694 मिलियन टन से बढ़कर 891 मिलियन टन हो गयी।
* यातायात का प्रयोग टन-किलोमीटर में 2694 मिलियन से बढ़कर 9069मिलियन हो गया है।

सेक्टर संकाय सदस्यों ने यातायात एवं परिवहन के क्षेत्र में लागू करने के लिए कई कम्प्यूटर पैकेज तैयार किये हैं। सेक्टर अपना पूरा प्रयास कर रहा है कि यातायात एवं परिवहन योजना, परिवहन परियोजनाओं में निवेश संबंधी फैसलों और परिवहन नीति के पर्यावरण पर प्रभाव पर, आधुनिक प्रबंध तकनीक को बढ़ावा दिया जाए।

## 2.5 केन्द्र

### 2.5.1 अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन केन्द्र

अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन शिक्षा पर यू एन डी पी परियोजना के अधीन, वर्ष के दौरान 8 संकाय सदस्य फैलोशिप पर विदेशों के दौरे पर गये।

कुल 12 विशेषज्ञ परामर्शदाता लगभग एक-एक सप्ताह के लिए संस्थान के दौरे पर आये।

शैक्षिक वर्ष के दौरान केन्द्र के सदस्यों ने 6 ऐच्छिक पाठ्यक्रम चलाये और कई शोध पेपर, केस तथा समीक्षाएं प्रस्तुत कीं।

# 3. प्रबंधन विकास कार्यक्रम

वर्ष 1991-92 के दौरान 11 एम डी पी आयोजित किये गये। इन कार्यक्रमों की औसत अवधि 4.1 दिन थी। औसत प्रतिभागिता प्रति एम डी पी 19 थी। पूर्व घोषित 16 एम डी पी में से 5 कार्यक्रम नामांकन की कमी की वजह से रद्द करने पड़े।

प्रति कार्यक्रम प्रतिभागियों की संख्या बढ़ाने के लिए तथा नामांकन रद्द करने की संख्या को घटाने के लिए एम डी पी के लिए एक नयी संशोधितनीति तैयार की गयी। नीति के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं:

* दीर्घावधि कार्यक्रमों कि संख्या को कम करना
* संकाय तथा विभिन्न कार्यक्रमों की विषय वस्तु को विस्तृत करना
* शिक्षा की केस प्रणाली पर अधिक निर्भर रहना।

ग्राफिक्स व्यवसाय में लगे व्यावसायिकों की सहायता से ब्रोशर के डिज़ाइन तथा प्रस्तुतीकरण में सुधार लाया गया। ब्रोशर प्रेषण सूची को संशोधित तथा अद्यतन किया गया है। नामांकनों तथा विषयवस्तु की समीक्षा के लिए एक कैलेंडर का कड़ाई से पालन किया जा रहा है, ताकि अनायोजित तथा अंतिम क्षणों में होने वाले रद्दीकरण से बचा जा सके।

## 3.1 आयोजित एम डी पी

अप्रैल 1, 1991 से मार्च 31, 1992 तक के बीच आयोजित ग्यारह प्रबंध विकास कार्यक्रमों में कुल प्रतिभागिता 213 रही, जिनमें प्रतिभागिता दिवसों की संख्या 852 थी। औसत प्रतिभागिता 19 रही और प्रति कार्यक्रम औसत अवधि 4.1 दिन थी। 11 एम.डी.पी. का ब्यौरा निम्नानुसार है:

| क्रमांक | कार्यक्रम | दिनांक | अवधि (दिन) | प्रतिभागियों की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1. | सेवा विपणन में उत्कृष्टता प्राप्त करना | 26-27 जुलाई 91 | 2 | 24 |
| 2. | क्रय तथा सामग्री प्रबंधन | 29 जुलाई-1 अगस्त 92 | 4 | 22 |
| 3. | बाज़ार चालित तकनीक प्रबंध | 16-18 सितंबर 92 | 3 | 13 |
| 4. | क्रय संबंधी बातचीत | 26-27 सितंबर 92 | 2 | 32 |
| 5. | नीति परक आयोजन | 11-16 नवंबर 92 | 6 | 18 |
| 6. | सामान्य प्रबंधन | 25 नवंबर-7 दिसंबर | 12 | 12 |
| 7. | वित्तीय विश्लेषण - आधुनिक प्रगति | 9-12 दिसंबर 92 | 4 | 35 |
| 8. | नीतिपरक विपणन प्रभाविता (उपभोक्ता उत्पाद) | 9-12 दिसंबर 92 | 4 | 14 |
| 9. | गैर वित्त कार्यपालकों के लिए वित्त | 6-10 जनवरी 92 | 5 | 18 |
| 10. | उत्पादकता प्रबंधन | 15-17 जनवरी 92 | 3 | 13 |
| 11. | नीतिपरक विपणन के बाज़ार शोध | 24-26 फरवरी 92 | 3 | 12 |

### 3.1.1 प्रतिभागिता

| क्रमांक | कुल प्रतिभागी | दिनों की कुल संख्या | औसत अवधि | औसत प्रतिभागिता |
|---|---|---|---|---|
| 11 | 213 | 45 | 4.1 | 19 |

निजी क्षेत्र : 160
सार्वजनिक क्षेत्र : 30
सरकारी : 23

### 3.1.2 क्षेत्रवार विश्लेपित आंकड़े

| क्षेत्र | कार्यक्रम | | |
|---|---|---|---|
| | प्रस्तावित | रद्द | आयोजित |
| सामान्य प्रबंधन | 2 | - | 2 |
| वित्त एवं नियंत्रण | 4 | 2 | 2 |
| विपणन | 6 | 1 | 5 |
| पी ओ एम ए | 3 | 1 | 2 |
| क्यू एम आई एस | - | - | - |
| ओ बी आई आर | 1 | 1 | - |
| कुल | 16 | 5 | 11 |

### 3.1.3 त्रिमाह स्वस्थ्य प्रबंधन एम डी पी

स्वास्थ्य प्रबंधन में त्रिमाह प्रमाण पत्र एम डी पी दिनांक 31 मई 1991 को समाप्त हुआ। छह डाक्टरों ने प्रमाण पत्र प्राप्त किये।

# 4. संगठन आधारित कार्यक्रम

संस्थान ने 15 संगठन आधारित कार्यक्रम आयोजित किये, जिनमें कुल 306 कार्यपालकों ने भाग लिया। इनमें से सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (एमेएमटीसी एवं बी ई एल) तथा आई ए एस अधिकारियों के लिए तीन-तीन ओ बी पी चलाये गये, दो कार्यक्रम केन्द्रीय रेशम बोर्ड, तथा एक कॉयर बोर्ड के लिए था। दो ओ बी पी निजी क्षेत्र संगठनों-हिंदुस्तान मोटर्स तथा कोठारी इंडस्ट्रीज़ कार्पोरेशन के लिए आयोजित किये गये थे।

## 4.1 चलाये गये ओ बी पी

| क्रमांक | संगठन/शीर्षक | दिनांक | अवधि/दिन | प्रतिभागियों की सं० |
|---|---|---|---|---|
| 1. | आई ए एस अधिकारी सामान्य प्रबंधन | 12-30 अगस्त 91 | 16 | 23 |
| 2. | हिन्दुस्तान मोटर्स लि० वित्तीय प्रबंधन | 2-7 सितंबर 91 | 6 | 20 |
| 3. | कॉयर बोर्ड शोरूम प्रबंधकों के लिए बिक्री प्रबंधन | 2-4 सितंबर 91 | 3 | 19 |
| 4. | एम एम डी सी सामान्य प्रबंधन | 23 सितंबर-3 अक्तूबर 91 | 9 | 25 |
| 5. | केन्द्रीय रेशम बोर्ड अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, वित्त एवं परियोजना प्रबंधन में कम्प्यूटर का उपयोग | 14 अक्तूबर-1 नवंबर 91 | 16 | 20 |
| 6. | बी ई एल प्रभावी विपणन | 21 अक्तूबर - 2 नवंबर 91 | 12 | 18 |
| 7. | सरकारी आई ए एस अधिकारी वित्तीय प्रबंधन स्तर-11 | 11-15 नवंबर - 91 | 5 | 24 |
| 8. | सरकारी आई ए एस अधिकारी वित्तीय प्रबंधन स्तर-11 | 16-20 दिसंबर - 91 | 5 | 21 |
| 9. | एन सी डी सी फल एवं शाक सहकारियों के प्रबंधकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम | 16-20 दिसंबर - 91 | 5 | 20 |
| 10. | राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफ डब्ल्यू) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण | 26 दिसंबर - 91-5 जनवरी - 92 | 10 | 16 |
| 11. | कोठारी इंडस्ट्रीयल कार्पो.लि. ओबीपी-सामान्य प्रबंधन | 6-11 जनवरी-92 | 6 | 17 |
| 12. | आयुध फैक्टरी भारत सरकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण | 8-21 जनवरी - 92 | 12 | 18 |
| 13. | एमएमटीसी के अधिकारियों के लिए सामान्य प्रबंधन | 3-13 फरवरी - 92 | 10 | 24 |
| 14. | केन्द्रीय रेशम बोर्ड अर्थशास्त्र, सांख्यिकी वित्त एवं परियोजना प्रबंधन में कम्प्यूटर का प्रयोग | 17 फरवरी - 7 मार्च - 92 | 18 | 21 |
| 15. | प्लांट प्रबंधन संस्थान विपणन पर कार्यक्रम | 9-11 मार्च - 92 | 3 | 20 |

### 4.1.1 प्रतिभागिता

| क्रमांक | प्रतिभागियों की संख्या | दिनों की संख्या | प्रतिभागी दिनों की संख्या | औसत अवधि | औसत प्रतिभागिता |
|---|---|---|---|---|---|
| 15 | 306 | 136 | 2,787 | 9 | 20 |

# 5. अनुसन्धान

वर्ष के दौरान संकाय सदस्यों ने चार शोध परियोजनाएँ पूरी कीं और 8 नयी परियोजनाएँ शुरू कीं। विभिन्न संगठनों जैसे नेशनल साईंस फाउंडेशन, वाशिंग्टन डी.सी., डब्लयू एच ओ, स्विटज़र लैंड, फोर्ड फाउंडेशन, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली, मद्रास रिफाइनरीज़ लि०, मद्रास तथा राष्ट्रीय शैक्षणिक आयोजना एवं प्रशासन संस्थान नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 23 परियोजनाएँ चल रही हैं।

### 5.1 पूरी की गयी परियोजनाएँ

वर्ष के दौरान निम्नलिखित चार शोध परियोजनाएँ पूरी की गयीं:

| | परियोजना | आर्थिक सहायता देनेवाली एजेंसी |
|---|---|---|
| 1. | अंतरराष्ट्रीय कारोबार में संबंधों का वातावरण | आई आई एम-बी |
| 2. | भारत 2000 ए.डी. के लिए परिगणनीय सामान्य संतुलन मॉडल | आई आई एम-बी |
| 3. | ग्राहक सेवा संबंधी मामलों पर विचार | आई आई एम-बी |
| 4. | संस्थागत व्यवस्थाओं के विस्तार हेतु शोध सहयोग तथा उन्हें सुदृढ़ करने के लिए सुझाव | कृषि मंत्रालय, विस्तार विभाग, नई दिल्ली |

### 5.2 प्रारम्भ की गयी परियोजनाएँ

वर्ष के दौरान आठ नयी शोध परियोजनाएँ शुरू की गयीं:

| | | |
|---|---|---|
| 1. | कामकाजी महिलाओं में भूमिका संघर्ष | आई आई एम-बी |
| 2. | बाहरी ऋणों का प्रबंधन | आई आई एम-बी |
| 3. | ग्राहक संबंधी मामलों पर विचार | आई आई एम-बी |
| 4. | पूर्वी यूरोप में आर्थिक सुधारों की वर्तमान स्थिति | आई आई एम-बी |
| 5. | अल्पविकसित देशों के विकास में यू.एन.एजेंसियों की भूमिका-नीति संबंधी मुद्दे एवं परिदृश्य | आई आई एम-बी |
| 6. | सेवा विज्ञापन | आई आई एम-बी |
| 7. | सामाजिक परिवर्तन का प्रबंध- आई आई एम स्नातकों का केस अध्ययन | आई आई एम-बी |
| 8. | यातायात सिग्नलों का डिजाइन तैयार करना और ट्रांसिट (टीआरएएनएसवाईटी) का प्रयोग करते हुए उन्हें आपस में जोड़ना | बेंगलूर नगर निगम |

## 5.3 चल रही परियोजनाएँ

निम्नलिखित 23 शोध परियोजनाएँ वर्ष के दौरान चल रही थीं:

| | | |
|---|---|---|
| 1. | सफेद पोश तथा व्यावसायिक कर्मचारियों में संघीकरण | आई आई एम-बी |
| 2. | प्रबंधन अध्यापकों की प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं का सर्वेक्षण | आई आई एम-बी |
| 3. | विकर्षक संगठनात्मक संस्कृति को बनाये रखने एवं उसके विकास की प्रक्रिया | आई आई एम-बी |
| 4. | स्टॉफ कीमतों को बनाने के लिए वित्तीय आंकड़ों का प्रयोग | आई आई एम-बी |
| 5. | भारतीय पूँजी बाज़ार में नये शेयरों का निष्पादन | आई आई एम-बी |
| 6. | 1970-71 तथा 1986-87 के बीच क्षेत्रीय प्रति व्यक्ति आय में परिवर्तन के पैटर्न का तुलनात्मक अध्ययन | आई आई एम-बी |
| 7. | कर्नाटक में पंचायतराज का प्रबंध | आई आई एम-बी |
| 8. | प्राथमिक विद्यालयों का प्रबंध | आई आई एम-बी |
| 9. | कर्नाटक के चयनित महाविद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों का मूल्यांकन | आई आई एम-बी |
| 10. | दक्षिणी क्षेत्र में प्रबंध शिक्षा का विश्लेषणात्मक अध्ययन | आई आई एम-बी |
| 11. | प्राथमिक स्वास्थ्य में परंपरावादी मैडिकल प्रैक्टिशनरों की भूमिका | आई आई एम-बी |
| 12. | एक या दो राज्यों में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभागों के सामने आनेवाली कठिनाइयां | आई आई एम-बी |
| 13. | कोयला खनन उद्योग में लागत संघटक में संरचनात्मक परिवर्तन | आई आई एम-बी |
| 14. | आठवें दशक में भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय पूंजी बाज़ार से ऋण लेना | आई आई एम-बी |
| 15. | चौराहों पर ट्रांसिट (टीआरएएनएसवाईटी) का प्रयोग करते हुए यातायात प्रबंधन | आई आई एम-बी |
| 16. | सेवा पद्धतियों की स्थानिक क्षमता को सुधारने के लिए डीएसएस का विकास | नेशनल साईंस फाउंडेशन, वाशिंगटन डीसी |
| 17. | गर्भनिरोधक उपयोग के निर्धारक | डब्ल्यूएचओ, स्विट्ज़रलैंड |
| 18. | शिशु जीवन पर मातृ शिक्षा का प्रभाव | फोर्ड फाउंडेशन |
| 19. | समय का सदुपयोग एवं स्वास्थ्य समूहों के चयनित जनबल संवर्गों की उत्पादकता | डब्ल्यूएचओ |
| 20. | छह राज्यों में स्वास्थ्य देखरेख डिलिवरी सिस्टम का प्रबंधन एवं संरचना | राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली. |

| | | |
|---|---|---|
| 21. | भारतीय विश्व विद्यालयों का वित्तीय प्रबंधन | राष्ट्रीय शैक्षणिक आयोजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली. |
| 22. | औद्योगिक शांति के मामले | महिन्द्रा एंड महिन्द्रा, बंबई |
| 23. | भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र में दीर्घकालीन आयोजना | मद्रास रिफाइनरीज़ लिo मद्रास |

# 6. प्रकाशन

## 6.1 आई आई एम-बी मैनेजमेंट रिव्यू

आई आई एम-बी मैनेजमेंट रिव्यू संस्थान की छमाही पत्रिका है। वर्ष 1991 में संयुक्त वॉल्यूम (सं 1 तथा 2) प्रकाशित किया गया।

## 6.2 आई आई एम-बी न्यूज़

आई आई एम-बी न्यूज़, आई आई एम-बी समुदाय और इसके भूतपूर्व छात्रों से संबंधित कैंपस गतिविधियों/घटनाओं का मासिक प्रकाशन है। वर्ष 1991-92 के दौरान, इसके 12 अंक प्रकाशित करके संकाय, बोर्ड सदस्यों तथा भूतपूर्व छात्रों में परिचालित किये गये।

## 6.3 अन्य प्रकाशन

### 6.3.1 पुस्तकें

शिवरामु.एस., न्यू डायमेंशन्स इन एडवटाइज़िग मैनेजमेंट, नई दिल्ली: हिमालय पब्लिशिंग हाउस, 1991.

### 6.3.2 लेख

नयनतारा,
"शिक्षा को राजनीति से अलग करना",
कुरुक्षेत्र नई दिल्ली,
वॉल्यूम 39 (4) पृष्ठ 63-66, जनवरी 1991.

बिजूर एस.आर.,
"सुझाव योजना को लागू करना"
कर्नाटक पोलिस जर्नल,
जुलाई-सितंबर-1991.

मालती वी.गोपाल,
"शिक्षा तथा तकनीकी विकास-जापानियों से पाठ",
ऑर्गेनाइजेशनल मैनेजमेंट, जुलाई-सितंबर, 1991.

रणजीत धर
(दो अन्य लेखकों के साथ), "भारत की आठवीं और नवीं योजनाओं के लिए एक आशावादी मॉडल: मूलभूत आवश्यकताओं के विश्लेषण सहित", मॉडलिंग ऑफ लार्ज सिस्टम्स पर सम्मेलन, आई आई एम-ए20-21 अगस्त 1991.

भाटिया जे.सी., सनत कुमार एन.एस. तथा रामस्वामी एच: "गर्भनिरोधकों के उपयोग में परिवर्तनीयता: कर्नाटक राज्य, भारत में एक अध्ययन", प्रॉग्रेस इन ह्यूमन रीप्रोडक्शन रिसर्च, डब्ल्यू एच ओ, नवंबर 18, 1991.

रामनाथ नारायणस्वामी,
"सोवियत अर्थव्यवस्था: संक्रमण से बाज़ार तक",
इकॉनामिक एंड पोलिटिकल वीकली,
बंबई वाल्यूम 26 सं० 40, अक्तूबर 5, 1991.

चारी एस.एन
"गैर परम्परावादी वस्तुओं का भारत से यूरोनियन देशों को निर्यात" न्यूज़ लैटर ऑफ ईएफएमडी, ब्रूसेल्स, अक्तूबर 1991.

चारी.एस.एन
"सॉफ्टवेयर के लिए महाद्वीपीय अवसर", कम्प्यूटर टुडे, सितंबर, 1991.

चारी.एस.एन
"द जिट गासपेल", यशारिफ्ट वूर इकॉनॉमी, एन मैनेजमेंट, सितंबर 1991.

चारी.एस.एन,
विनोद ब्यासुलु: "भारत की आयोजना का प्रबंधन",
प्रिंटवेल पब्लिशर्स, जयपुर, दिसंबर 1991.

चारी.एस.एन,
"हम कब सार्वभौम हो पाएंगे", फाइनेंशियल एक्सप्रेस, नवंबर 29, 1991.

घोष बी:
"सार्वजनिक नीति की स्वास्थ्य संबंधी उलझनें" इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बेंगलूर, 1991 (संपादक)

घोष बी:
"पीएचसी में जनबल प्रबंधन के लिए प्रॉजेक्शन मॉडल", प्राइमरी हेल्थ केयर (संपादक)
सी.ए.के.येसुदियन, टाटाइंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज़, बंबई 1991.

घोष बी:
"कठिन परिश्रमरत बच्चे" (केस) सार्वजनिक नीति की स्वास्थ्य संबंधी उलझनें" इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बेंगलूर 1991.

घोष बी:
"भारत में झोंपड़-पट्टी" (केस) सार्वजनिक नीति की स्वास्थ्य संबंधी उलझनें, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बेंगलूर 1991.

घोष बी:
"अंतर-सेक्टर कार्य में नीति विश्लेषण की प्रणालियां" सार्वजनिक नीति की स्वास्थ्य संबंधी उलझनें, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बेंगलूर 1991

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

घोष बी:
"सलतनत ऑफ ओमन में मानव संसाधन के लिए स्वास्थ्य जनबल विकास योजना, " यू.एन. एसाइनमेंट रिपोर्ट्स 1991-95. डब्ल्यू एच ओ अलेक्सेंड्रिया, 1991.

घोष बी:
"सलतनत ऑफ ओमन में मानव संसाधन के लिए स्वास्थ्य (एचआरएच) नीति," केस स्टडी, यूएन एसाइनमेंट रिपोर्ट्स डब्ल्यूएचओ. अलेक्सेंड्रिया, 1991

घोष बी:
"स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए मानव संसाधनों में प्रबंध निष्पादन का मूल्यांकन," इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बेंगलूर, 1991

रामनाथ नारायणस्वामी:
"मिखाइल गोर्बाचोव - अनभिप्रेत परिणामों की गाथा", इकॉनॉमिक एंड पोलिटिकल वीकली, बंबई, जनवरी 4, 1992

एम.आर.राव:
"संयुक्त आपूरण की बृहद समस्या", ओ आर एस आई का वार्षिक कन्वेंशन, 26-28 दिसंबर 1991. "भारत 2000 ए.डी. के लिए विविध क्षेत्रिए मॉडल" यूजी आई यीन (सं.) क्रिएटीव एंड इन्नोवेटिव एप्रोचेज टूद साइंस ऑफ मैनेजमेंट, टेक्सास, यू.एस.ए

शिवरामु.एस:
"विज्ञापनदाता एजेंसियां - सार्वजनिक तथा भारतीय परिदृश्य", प्रिटंवेल जयपुर 1991

आर. वैद्यनाथन,
"आतरिक व्यापार के बारे में बाहरी व्यक्ति के विचार" पायनियर नई दिल्ली, दिसंबर 27, 1991.

रेड्डी, एसटीएस,
"भूमि तथा जल संरक्षण के लिए देशी तरीके: कर्नाटक से एक अध्ययन" फार्म प्रैक्टिसिस एंड सॉयल एंडवाटर केसर्वेशन प्रोग्राम्स, संपादन श्री.जॉन एम.केर, प्रकाशक आई सी आर आई एस ए टी, हैदराबाद.

## 6.4. शोध पत्र

इंदिरा राजारामन,
"रुपये का व्यापार-संबंध बाह्य मूल्य: 1974-89" कौजल्गी वी.बी., देसिकन आर.एस, "सावधि ऋण मूल्यांकन के लिए वैविध्यपूर्ण निर्णय लेने का दृष्टिकोण," ओ आर एस आई के 24वें वार्षिक कन्वेंशन में दिसंबर 26-28, 1991 को बेंगलूर में.

जनत शाह,
"दुग्ध प्राप्ति और दुग्ध उद्योग को उपलब्ध कराना", ओ आर एस आई का वार्षिक कन्वेंशन, 26-28 दिसंबर 1991, बेंगलूर.

नरसिंह राव,
"दुग्ध प्राप्ति और दुग्ध उद्योग को उपलब्ध कराना", ओ आर एस आई का वार्षिक कन्वेंशन, 26-28 दिसंबर 1991.

रेड्डी एस.टी.एस.
"वनरोपण में अनुभव - कर्नाटक में सामाजिक वनरोपण कार्यक्रम का आलोचनात्मक विश्लेषण", आई एस ईसी द्वारा बेंगलूर में 11-13 दिसंबर को "भारत की बंजर ज़मीन को हराभरा करने का प्रयास" विषय पर आयोजित सेमिनार में प्रस्तुत पेपर.

रेड्डी एस.टी.एस.
"सामान्य संपत्ति संसाधन (सीपीआर) का जनसामान्य द्वारा प्रबंधन", यूथ फॉर एक्शन, हैदराबाद द्वारा 19-21 जनवरी 1992 को" जनसामान्य द्वारा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रस्तुत पेपर.

## 6.5 वर्किंग पेपर

संस्थान ने वर्किंग पेपर श्रृंखला प्रारम्भ की है, ताकि शैक्षिक विद्वान एवं प्रोफेसर विचारों का आदान प्रदान कर सकें। निम्नलिखित पेपर निकाले गये:

रमेश मेहता
"नयी आर्थिक नीति की कार्पोरेट नीतिपरक उलझनें"

प्रसन्न.चंद्र
"नयी आर्थिक नीति वित्तीय उदारीकरण"

एस.शिवरामु
"अंतरराष्ट्रीय व्यापार में लेन-देन: विकासशील देश के मामले में"

रणजीत धर
बजट मॉडल: 1980-81 और 1991-92 के दौरान भारत में विकास और मुद्रास्फीति पर बजट के प्रभाव का विश्लेषण"

अमल रे,
"नयी आर्थिक नीति और भारतीय फेडरेशन"

शिवरामु एस
"भारत में टायर उद्योग - विदेशी कंपनियों के प्रवेश का पैटर्न"

शिवरामु एस
"एम एन सी तथा भारत की नयी आर्थिक नीति"

रंगनाथन वी
"भारत में विद्युत शक्ति के क्षेत्र में निजी क्षेत्र की सहभागिता"

रामनाथ नारायणस्वामी,
यूएसएसआर में पेरेस्टोरिका (1985-90) के प्रति भारत की दृष्टिकोण", फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ ईस्ट यूरोपियन एंड इंटरनेशनल स्टडीज़, कोलोन, 1991.

# 7. परामर्शी

## 7.1 सार संक्षेप

संकाय सदस्यों के परामर्शी/ओबीपी लॉगिंग को संक्षेप में नीचे दिया जा रहा है:

| | | |
|---|---|---|
| संकाय सदस्यों की कुल संख्या | : | 53 |
| ओ बी पी (दिन) | : | 113.5 |
| परामर्श (दिन) | : | 301.5 |
| व्यावसायिक गतिविधियां (दिन) | : | 220.5 |
| कुल | : | 634.5 |
| दिन प्रति संकाय | : | 12 |

## 7.2 पूरी की गयी परियोजनाएँ

संकाय सदस्यों ने वर्ष के दौरान छह परामर्शी परियोजनाएँ पूरी कीं:

| | परियोजना का नाम | आर्थिक सहयोग देने वाली एजेंसी |
|---|---|---|
| 1. | बागलकोट पुनराबंटन परियोजना के लिए पी ई आर टी-सी पी एम | बागलकोट नगर विकास प्राधिकरण |
| 2. | एकीकृत बालविकास पद्धति के साथ व्यवहार करने वाले मध्यस्तरीय अधिकारियों के लिए प्रबंधन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम | आई सी डी एस, भारत सरकार |
| 3. | एम.बी.ए.के लिए प्रवेश परीक्षा | श्री कृष्ण देवराय विश्वविद्यालय |
| 4. | रिटेनर कंसलटेंसी | दानिदा |
| 5. | रेशम कीट पालन प्रबंधन में डिप्लोमा के लिए पाठ्यक्रम रूपरेखा विकास | केन्द्रीय रेशम बोर्ड |
| 6. | लार्ज डाटा सेट का सांख्यिकीय विश्लेषण | आई टी सी लिo |

## 7.3 प्रारम्भ की गयी परियोजनाएं

वर्ष के दौरान निम्नलिखित दस परामर्शी परियोजनाएं शुरू की गयीं:

| | | |
|---|---|---|
| 1. | बागलकोट पुनराबंटन परियोजना के लिए पी ई आर टी-सीपीएम | बागलकोट नगर विकास प्राधिकरण |
| 2. | एकीकृत बालविकास सेवाओं के साथ व्यवहार करने वाले मध्यम स्तर के अधिकारियों के लिए प्रबंधन पाठ्यक्रम | आई सी डी एस, भारत सरकार |
| 3. | रिटेनर कंसलटेंसी | विडिया इंडिया लिo |
| 4. | रिटेनर कंसलटेंसी | एसी सी लिo |
| 5. | एम बी ए के लिए प्रवेश परीक्षा | श्री कृष्ण देवराय विश्वविद्यालय |
| 6. | भारत में मुर्गीपालन विकास | श्री वेंक्टेश्वर हैचरीज़ लिo |
| 7. | रिटेनर कंसलटेंसी | दानिदा |
| 8. | रेशम कीट पालन प्रबंधन में डिप्लोमा के लिए पाठ्यक्रम रूपरेखा विकास | केन्द्रीय रेशम बोर्ड |

| | | |
|---|---|---|
| 9. | उत्पादन प्रोत्साहन योजना की समीक्षा | कर्नाटक एग्रो कॉर्न प्राडक्ट्स लि० |
| 10. | असमान उत्पादन | आई टी आई लि० |

## 7.4 प्रगति पर परियोजनाएं

निम्नलिखित आठ परियोजनाएं वर्ष के दौरान प्रगति पर थीं:

| | | |
|---|---|---|
| 1. | काष्ठ संतुलन अध्ययन | कर्नाटक सरकार |
| 2. | विभिन्न विकेन्द्रीकृत ऊर्जास्रोतों की आर्थिक संभाव्यता का मूल्यांकन | कर्नाटक सरकार |
| 3. | बागलकोट शहर की पुनःस्थापना | बागलकोट नगर विकास प्राधिकरण |
| 4. | सिंचित कृषि के लिए जनबल मूल्यांकन | मध्य प्रदेश सरकार |
| 5. | परिवहन मंत्रालय के लिए ग्रामीण परिवहन अध्ययन | भारत सरकार |
| 6. | बाज़ार अनुसंधान | सेमीकंडक्टर कॉम्प्लेक्स लि० |
| 7. | बागवानी के लिए कम्प्यूटर आधारित एम आई एस | कोठारी इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन लि० |
| 8. | किराया नियंत्रण अधिनियम का अध्ययन | कर्नाटक सरकार |

# 8. स्थापना दिवस

18वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक अक्तूबर 28, 1991 को, डा० आई.जी. पटेल-भूतपूर्व गवर्नर भारतीय रिज़र्व बैंक ने "नयी आर्थिक नीतियां-एक ऐतिहासिक परिदृश्य" विषय पर स्थापना दिवस भाषण दिया। छात्रों, संकाय सदस्यों, तथा कर्मचारियों ने मिलकर, स्थापना दिवस की संध्या पर सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया।

# 9. संकाय गतिविधियां

## 9.1 नियुक्तियां

### 9.1.1 प्रोफेसर

निम्नलिखित एसोसिएट प्रोफेसरों को वर्ष के दौरान प्रोफेसर के रूप में चुना गया:

**क्षेत्र:**

| | | |
|---|---|---|
| विपणन | : | रमेश जी.तगत<br>आर.के.विजयसारथी<br>पी. भास्करन |
| परिमाणात्मक प्रणाली तथा आसूचना पद्धति | : | एस.जगदीश |
| उत्पादन एवं परिचालन प्रबंधन | : | टी.एस.नागभूषण<br>एम.आर.गोपालन<br>एस.एन.चारी |
| वित्त एवं नियंत्रण | : | आर.वैद्यनाथन |
| संगठनात्मक व्यवहार तथा औद्योगिक संबंध | : | वी.आनंदराम |

**सेक्टर:**

| | | |
|---|---|---|
| ऊर्जा | : | एन.नागण्णा<br>वी.रंगनाथन |
| परिवहन | : | टी.वी.रमणय्या |

### 9.1.2 एसोसिएट प्रोफेसर

निम्नलिखित सहायक प्रोफेसर वर्ष के दौरान एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में चूने गये:

**क्षेत्र:**

| | | |
|---|---|---|
| संगठनात्मक व्यवहार और औद्योगिक संबंध | : | आर.रविकुमार<br>वी.आर.पाटिल<br>एस.आर.बिजूर |
| वित्त और नियंत्रण | : | आर.नारायणस्वामी |
| अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान | : | मीरा बाखरू |

### 9.1.3 नयी नियुक्तियां

आठ नये संकाय सदस्यों ने वर्ष के दौरान कार्यभार संभाला, वे हैं:

एस.सुन्दरराजन ने संस्थान में मई 1, 1991 को वित्त एवं नियंत्रण क्षेत्र में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्यभार संभाला। वे विधि में अर्हता प्राप्त सनदी लेखाकार हैं और उन्हें करपरामर्श का भी अनुभव प्राप्त है। प्रोफेसर सुंदरराजन के आगमन से कारपोरेट कर-आयोजन, विधि व्यवसाय एवं लेखा-शास्त्र की महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा किया जा सकेगा।

बी.नरसिंहराव ने संस्थान के परिमाणात्मक प्रणाली एवं आसूचना पद्धति क्षेत्र में जून 6, 1991 को कार्यभार संभाला। उन्होनें आई आई टी मद्रास से बी.टेक, एन.आई.टी.आई.ई.बंबई से एम.टेक, और यूनिवर्सिटी ऑफ इओवा से पी.एच.डी. की। श्री नरसिंह राव ने छह वर्ष तक कैलीफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, फ्रेस्नो में अध्यापन किया और वे एटी एंड टी बैल लैबोरेटरीज़, न्यू जर्सी, यूएस ए के तकनीकी कर्मचारी थे। उन्हें परिचालन अनुसंधान तथा अनुरूपण में अनुभव है, उन्होंने नदीजल प्रदूषण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया है।

एम.जे.ज़ेवियर ने दिनांक जून 24, 1991 को संस्थान के विपणन क्षेत्र में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने रीजनल इंजीनियरिंग कॉलेज, वारंगल से कैमिकल प्लांट इंजीनियरिंग में एक.टेक किया था और वे आई आई एम-कलकत्ता के फैलो थे। डा०ज़ेवियर ने उद्योग में काम किया है और उन्होंने एक्स एस आर आई, जमशेदपुर में अध्यापन भी किया है। पिछले छह वर्षों से वे सदर्न पैट्रो-कैमिकल इंडस्ट्रीज़ कार्पोरेशन, मद्रास के प्रबंध विकास केन्द्र में संकाय के रूप में कार्यरत थे।

एस.राजगोपालन ने सहायक प्रोफेसर के रूप में दिनांक जुलाई 8, 1991 को संस्थान के परिमाणात्मक प्रणाली एवं आसूचना पद्धति क्षेत्र में कार्यभार संभाला। उन्होंने आई आई टी, दिल्ली से गणित में एम.एस.सी, सायराक्यूज़ यूनिवर्सिटी से कम्प्यूटर में एम.एस.तथा गणित में पी.एच.डी. की। आई आई एम-बी में आने से पूर्व डा०राजगोपालन आई आई टी-दिल्ली में व्याख्याता थे।

रमेश मेहता ने संस्थान के सामान्य प्रबंधन क्षेत्र में दिनांक जुलाई 19, 1991 को प्रोफेसर के रूप में कार्यभार संभाला। उन्होंने आई आई टी खड़गपुर से बी.एस.सी. (आनर्स), कोलोरेडो-स्कूल ऑफ माइन्स, यू.एस.ए. से पैट्रोलियम इंजीनियरिंग में एम.एस. और हार्वर्ड से एम.बी.ए. किया। प्रोफेसर मेहता को औद्योगिक परामर्श तथा शिक्षण का विस्तृत अनुभव प्राप्त है। संस्थान में आने से पूर्व वे अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन

संस्थान, दिल्ली में कारोबार नीति/कारपोरेट नीति एवं संरचना, नीतिपरक आयोजना तथा तकनीकी प्रबंधन के प्रोफेसर थे।

रामनाथ नारायणस्वामी ने संस्थान के अर्थशास्त्र एवं सामाजिक विज्ञान क्षेत्र में दिनांक अगस्त 16, 1991 को सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने पूना विश्वविद्यालय से राजनीति में एम.ए. की। डाoनारायण स्वामी ने अर्थशास्त्र एवं समाज शास्त्र में पी.एच.डी., इकोल देस हॉटेस एतुदेस एन साइंसेस सोशिएल्स, (ईएचई एसेस), पैरिस, फ्रांस से की। उनकी अंतरराष्ट्रीय संबंध, सोवियत राजनीतिक अर्थव्यवस्था एवं केन्द्रीय रूप से तैयार अर्थशास्त्र में आर्थिक सुधार जैसे विषयों में विशेष रुचि है।

जनतशाह ने दिनांक सितंबर 3, 1991 को संस्थान के उत्पादन एवं परिचालन प्रबंधन क्षेत्र में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने आई आई टी, बंबई से कैमिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक., आई आई एम-अहमदाबाद से प्रबंधन में फैलो उपाधि प्राप्त की थी। डाo शाह जयदीप इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, अहमदाबाद में महा प्रबंधक और तदुपरांत ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आणंद में सहायक प्रोफेसर थे।

एल.एस.मूर्ति ने संस्थान के उत्पादन और परिचालन प्रबंधन क्षेत्र में दिनांक सितंबर 24, 1991 को सहायक प्रोफेसर का पदभार संभाला। उन्होंने कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, काकिनाड़ा से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बी.टेक. किया। वे आई आई टी मद्रास के तकनीकी प्रबंधन प्रशिक्षार्थी तथा आई आई एम अहमदाबाद में प्रबंधन में फैलो थे। डाo मूर्ति हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के उत्पादन एवं आयोजना विभाग में इंजीनियर थे और बाद में जेवियर लेबर रिलेशन्स इंस्टीट्यूट, जमशेदपुर में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत थे। संस्थान में आने से पहले वे जेवियर प्रबंध संस्थान, भुवनेश्वर में एसोसिएट प्रोफेसेर थे।

## 9.2 कारपोरेट नीति तथा पॉलिसी क्षेत्र

वर्ष के दौरान कारपोरेट नीति तथा पॉलिसी नाम का एक सामान्य प्रबंधन क्षेत्र शुरू किया गया। इस क्षेत्र के कोर सदस्य हैं: रमेश मेहता (समन्वयक), रोबेन्द्रलाल तथा के.आर.एस.मूर्ति।

## 9.3 अतिथि (विज़िटिंग) संकाय

छह अतिथि संकाय सदस्यों ने आई आई एम-बी में शिक्षण अनुसंधान एवं अन्य गतिविधियों में सहयोग प्रदान किया, ये हैं:-

रोबेन्द्र के.लाल ने कारपोरेट नीति तथा पॉलिसी क्षेत्र में दिनांक जून 3, 1991 को एक वर्ष के लिए अतिथि संकाय के रूप में प्रवेश किया। उन्हें क्रय, विपणन, कार्मिक तथा सामान्य प्रबंधन में उच्चस्तरीय कार्य का अनुभव प्राप्त है। 1988 में सेवा निवृत्ति से पूर्व वे इन्टरनेशनल नाबिस्को इंक, यू.एस.ए. के सिंगापुर में क्षेत्रीय निर्देशक थे।

पी.के.सिन्हा ने जुलाई 1, 1991 विपणन क्षेत्र में दो वर्ष के लिए अतिथि संकाय के रूप में कार्यभार संभाला। संस्थान में आने से पूर्व वे ज़ेवियर प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर में एसोसिएट, प्रोफेसर थे। वे बी बी ए, एम.कॉम तथा पी.एच.डी. (सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात) कर चुके हैं।

पीटर कालासो जून 13, 1991 और दिसंबर 12, 1991 के बीच विपणन क्षेत्र में अतिथि संकाय रहे। श्री कालासो संगठनात्मक विकास एवं सृजनात्मक कार्यकलापों पर विज्ञापन कंपनी पैरेड तथा शैक्षिक सॉफ्टवेयर पिरामिड और ओ डी सी वीडियो कम्युनिकेशन्स में परामर्शदाता हैं। उन्होंने जुलाई-सितंबर 1991 तथा सितंबर-दिसंबर 1991 सत्रों के लिए द्वितीयवर्ष पीजीपी छात्रों के लिए "विज्ञापन प्रबंधन" पर ऐच्छिक पाठ्यक्रम तैयार करके प्रस्तुत किया।

अमलरे जून 13, 1991 से दिसंबर 16, 1991 तक अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान क्षेत्र में अतिथि संकाय रहे। प्रोफेसर रे संस्थान में आने से पहले विकास प्रशासन इकाई, सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलूर के प्रमुख थे। उन्होंने जुलाई-सितंबर 1991 के दौरान पीजीपी प्रथमवर्ष छात्रों को "भारतीय समाज" पाठ्यक्रम पढ़ाया।

सुधीन्द्र शेषाद्रि सितंबर 9, 1991 और नवंबर 30, 1991 के दौरान अतिथि संकाय रहे और प्रथम वर्ष पी जी पी छात्रों को दूसरे सत्र में "विपणन प्रबंधन" पढ़ाया। वे आई आई टी, कानपुर से बी.टेक तथा पेनसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी से व्यवसाय प्रबंधन में पी.एच.डी. हैं। डाo शेषाद्रि टाटा रिसर्च डिज़ाइन एंड

डेव्लपमेंट सेंटर, पूणे में प्रोजेक्ट इंजीनियर थे। इस समय वे मेरीलैंड यूनिवर्सिटी कालेज पार्क में संकाय हैं।

आर.पी. अय्यर दिसंबर 16, 1991 से 31, मार्च 1991 तक संस्थान में अतिथि संकाय रहे। उन्होंने प्रथम वर्ष पीजीपी छात्रों को "कारपोरेट वित्त" पढ़ाया।

एम.आर.राव न्यूयार्क यूनिवर्सिटी में आपरेशन्स रिसर्च के प्रोफेसर, सितंबर 2, 1991 से जनवरी 15, 1992 अतिथि संकाय रहे।

सुब्रोतो सेनगुप्ता विपणन संप्रेषण परामर्शदाता तथा अतिथि संकाय आई आई एम कलकत्ता जनवरी-मार्च, 1992 के दौरान अंशकालिक अतिथि संकाय रहे।

### 9.3.1 अतिथि (गेस्ट) संकाय

निम्नलिखित अतिथि संकाय ने संस्थान की गतिविधियों में वर्ष 1991-92 के दौरान हिस्सा लिया:

डा० ए.परशुरामन, प्रोफेसर, टेक्सास, ए एंड एम यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए

डा० मारियो डिसूज़ा, एसोसिएट एडमिनिस्ट्रटर, सेंट मेडिकल कालेज, बेंगलूर

डा० डी.एम.अग्रवाल, वरिष्ठ संकाय, एच.ए.एल. बेंगलूर

डा० डी.के. सुब्रह्मण्यम, डिपार्टमेंट ऑफ ऑटोमेशन, आईआईएस सी, बेंगलूर-560 012

डा० सी.वी.राव, निदेशक, आईटीडीसी

प्रोफेसर एस.के.चक्रवर्ती, आई आई एम-कलकत्ता

प्रोफेसर गीता गौरी, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइसेज, हैदराबाद

प्रोफेसर सुशीला राव, परामर्शदाता, परामर्श एवं अनुसंधान उपक्रम, हैदराबाद

श्री अजीत मणि, निदेशक, सामाजिक विपणन प्रभाग, सिस्टास, प्रा.लि०, बेंगलूर

श्री एन.कृष्णमूर्ति, मुख्य डीलर, इंडियन बैंक, मद्रास

श्री के.वी.राव, प्रशासनिक अधिकारी (पुनर्वास), अंचलीय कार्यालय भारतीय स्टेट बैंक, बेंगलूर

श्री रवि रामन, वरिष्ठ कार्यपालक, सिटीकॉर्पओवरसीज़ सॉफ्टवेयर लि०, बंबई

श्री पी.वी.नारायण राव, कार्यपालक उपाध्यक्ष, केनरा वित्तीय सेवाएँ लि०

श्री एस.एल.राव, महानिदेशक, राष्ट्रीय प्रायोगिक आर्थिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

## 9.4 संकाय विकास

### 9.4.1 यू एन डी पी कार्यक्रम

यू एन डी पी अंतरराष्ट्रीय प्रबंधक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित संकाय ने विदेश में स्थित संस्थाओं का दौरा किया।

| संकाय | तारीखें | संस्थाओं के नाम |
|---|---|---|
| ए.के.राव | अप्रैल 21-<br>मई 27, 1991 | विसकनसिन विश्वविद्यालय,<br>नॉर्थ वेस्टर्न विश्वविद्यालय |
| प्रसन्न चंद्र | अप्रैल 24 -<br>मई 19, 1991 | यू एस ए में लॉस एजेंलीज<br>सेन फ्रांसिको, न्यूयार्क, तथा<br>इंगलैंड में लंदन स्थित संस्थाएँ |
| मालती सोमय्या | अप्रैल 29 -<br>मई 19, 1991 | मिन्नेसोटा विश्वविद्यालय,<br>मिलीपोलीस, यू एस ए, और<br>ओटावा विश्वविद्यालय, कनाडा |
| के.बी.नायर | जुलाई 10 -<br>अगस्त 15, 1991 | यू.एस.ए-सी आई एम छात्रवृत्ति,<br>स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया,<br>अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट,<br>वाशिंगटन ओपेक सेक्रेटेरियट,<br>वियना, आस्ट्रिया |
| के.आर.एस.मूर्ति | सितंबर 15-<br>अक्तूबर 5, 1991 | लंदन बिज़नेस स्कूल, न्यूयार्क<br>विश्वविद्यालय, हार्वर्ड बिज़नेस<br>स्कूल, यूनिवर्सिटी ऑफ अरिजोना<br>तथा यू सी एल ए एवं स्टैनफोर्ड |
| वी.बी.कौज़ल्गी | सितंबर 16-<br>अक्तूबर 13, 1991 | टेकनिशे यूनिवर्सिटी, बर्लिन,<br>वीडलबर्ग, आई बी एम रिसर्च<br>सेंटर, हीडलबर्ग, जिब:कानार्ड-<br>जुसे-जेन्ट्रम, बर्लिन. |

पीजीपी छात्रों के लिए निम्नलिखित व्याख्यानों की व्यवस्था की गयी:

| व्याख्याता | तारीख | विषय |
|---|---|---|
| सुरेश एम.सुंदरेशन, ग्रेजुएट स्कूल<br>ऑफ बिज़नेस, कोलंबिया,<br>विश्वविद्यालय, अमेरिका | जुलाई 16, 1991 | जोखिम प्रबंध, निम्नलिखित के<br>परिप्रेक्ष्य में:<br>1) कारपोरेट वित्त<br>2) संविभाग प्रबंध<br>3) मुद्रा एक्सपोजर और<br>4) आयात कीमत जोखिम नियंत्रण |
| जॉन यूफार्ले, निदेशक<br>लाडर इंस्टीट्यूट ऑफ<br>मैनेजमेंट, बार्टन स्कूल,<br>यूनिव.ऑफ पेनसिल्वेनिया, अमेरिका. | जुलाई 24, 1991 | प्रोफाइल्स ऑफ इन्नोवेटिव फर्म्स |

### 9.4.2 इंडो-ईईसी विनिमय कार्यक्रम

इंडो-ईईसी विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत तीन संकाय सदस्यों ने शैक्षिक वर्ष निम्नानुसार यूरोपीय संस्थाओं में बिताया:

| | | |
|---|---|---|
| पी.एन.तिरुनारायण | अक्तूबर 3, 1991-<br>जुलाई 2, 1992 | ईएसएसईसी, फ्रांस |
| पी.जी.आप्टे | अक्तूबर 3, 1991<br>जुलाई 2, 1992 | कैथोलिक यूनिवर्सिटीट,<br>ल्यूवेन, बेल्जियम |
| प्रेमचन्दर | अक्तूबर, 1991<br>जुलाई 2, 1992 | मानचेस्टर बिज़नेस स्कूल, यू.के. |

### 9.4.3 विदेश जानेवाले अन्य

| | | |
|---|---|---|
| बी.बी.कौज़ल्गी | जून 17-<br>जुलाई 21, 1991 | उत्तरी कोरिया-यूएनडीपी कार्य-<br>सरकारी विभागों में लागू करने के<br>लिए डाटा बेस तैयार करना |
| बी.रंगनाथन | जून 17-20<br>1991 | गैबोरोन-कंसल्टेंसी एसाइनमेंट फॉर<br>अफ्रीकन एनर्जी पॉलिसी रिसर्च<br>नेटवर्क (एएफआरईजी आरईएन) |
| जे.सी.भाटिया | सितंबर 11-14<br>1991 | बैंडंग/इंडोनेशिया इंटरनेशनल<br>कांग्रेस फॉर मेटर्नल एंड निओनेटल<br>हेल्थ में "मातृ तथा शिशु मृत्युदर-<br>परिप्रसव स्वास्थ्य सेवाओं में<br>अंतराल को समाप्त करना" विषय<br>पर पेपर प्रस्तुत करने |
| वी.के.तिवारी | अक्तूबर 28-31,<br>1991 | अटलांटा-अमेरिका<br>सेवा पद्धति की स्थानिक क्षमता<br>को सुधारने के लिए इंडो-यू.एस.<br>सहभागिता परियोजना के अधीन<br>आयोजित की आई एस/एलआईएस-<br>भूगोलिक आसूचना पद्धति/भूमि<br>आसूचना पद्धति सम्मेलन में भाग लेने |
| एस.टी.एस.रेड्डी | अक्तूबर 8-17,<br>1991 | बैंकाक-थाईलैंड-<br>इंटरनेशनल, पीपल्स फोरम, बैंकाक,<br>थाईलैंड में एक केस स्टडी प्रस्तुत करने.<br>विषय था - "एफोरेस्टेशन बाई डी<br>फोरेस्टिंग कॉमन्स: ए केस स्ट्डी<br>ऑफ यूक्लिप्टस मूवमेंट इन कर्नाटक |

## 9.5 कार्यशालाएँ/सेमिनार

वर्ष के दौरान निम्नलिखित आंतरिक कार्यशालाएँ/सेमिनार आयोजित किये गये:

### 9.5.1 वित्त कार्यशालाएँ

प्रोफेसर आर.वैद्यनाथन ने वित्त कार्यशाला श्रृंखला के अंतर्गत निम्नलिखित वार्ताएं आयोजित कीं:

| वक्ता | तारीख | शीर्षक |
|---|---|---|
| के.बी.नायर | अप्रैल 11, 1991 | अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें: उभरती प्रवृत्तियां |
| प्रा.जे.सेरकु | अप्रैल 12, 1991 | क्रय शक्ति क्षमता |
| पी.जी.आप्टे | जून 27, 1991 | विदेशी मुद्रा संकट-भारत के लिए विकल्प |
| रणजीत धर | जुलाई 4, 1991 | कीमत तथा आय नीतियाँ- कुछ मुद्दे |
| एस.एन.चारी | जुलाई 11, 1991 | इंडो-ईईसी-व्यापार-एक विश्लेषण |
| सुरेश सुंदरेशन ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिज़नेस कोलंबिया विश्वविद्यालय अमेरिका | जुलाई 24, 1991 | अनुकूल आस्ति आबंटन |
| श्यामल रॉय | जुलाई 25, 1991 | आहार अनुदान-समष्टि परक आर्थिक कठिनाइयां |
| आर.नारायणस्वामी | अगस्त 8, 1991 | इंग्लैंड तथा भारत में लीजिंग उद्योग |
| मार्ती जी.सुब्रह्मण्यम, प्रोफेसर, न्यूयार्क विश्वविद्यालय | अगस्त 9, 1991 | बांड आप्शन्स |
| श्रीस चैटर्जी प्रोफेसर, फॉर्डम यूनिव. न्यूयार्क | अगस्त 20, 1991 | बाजार अनुशासन, बैंक के अधीन ऋण तथा न्यूयार्क |
| के.वी.रामनाथन प्रोफेसर, यूनिव. ऑफ वाशिंगटन, सीटल | सितंबर 5, 1991 | फ्रॉस कॉस्ट प्लस टू कैज़न इम्पिलकेशन्स फॉर एकाउंटिंग |
| बाला बटाविया प्रोफेसर, दे पॉल यूनिव. शिकागो. | अक्तूबर 3, 1991 | मुद्रास्फीति की गतिशीलता |

### 9.5.2 व्याख्यान-विचार-विमर्श

प्रोफेसर एस.जी.लेले द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान-विचार विमर्श श्रृंखला में निम्नलिखित वक्ताओं ने व्याख्यान दिये:

| वक्ता | तारीख | शीर्षक |
|---|---|---|
| डा० तिम्मय्या आर्थिक सलाहकार कर्नाटक सरकार | जुलाई 27, 1991 | "बजट-उपरांत परिदृश्य" पर पैनल विचार विमर्श |

| | | |
|---|---|---|
| डा० नरेन्द्र पाणि<br>आर्थिक पत्रकार,<br>इकोनॉमिक टाइम्स | जुलाई 27, 1991 | -वही- |
| श्री डी.ए.शाह<br>स्टॉफ ब्रोकर | जुलाई 27, 1991 | -वही- |
| श्री आर.शेषायी<br>कार्यपालक निदेशक<br>अशोका लेलैंड लि० | जुलाई 30, 1991 | "भारत के वित्तीय बाज़ार<br>की उभरती प्रवृत्तियां" |
| श्री आर.सी.भार्गव<br>अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक<br>मारुति उद्योग लि० | अगस्त 1, 1991 | प्रबंधकों के कंपनियों के<br>प्रति दृष्टिकोण |
| श्री सी.पी.रंगाचार<br>प्रबंध निदेशक<br>यूकेन इंडिया बेंगलूर | अगस्त 28, 1991 | औद्योगिक विपणन-<br>यूकेन इंडिया का अनुभव |
| रामनाथ नारायणस्वामी | अगस्त 30, 1991 | यू.एस.एस.आर. में हाल<br>ही में घटी घटनाएँ-पृष्ठभूमि एवं उलझनें |

## 9.6 अतिथि

### 9.6.1 यू.एन.डी.पी. प्रोजेक्ट

यू.एन.डी.पी. के प्रोजेक्ट अंतरराष्ट्रीय प्रबंध शिक्षा के अंतर्गत निम्नलिखित परामर्शदाताओं ने संस्थान का दौरा किया:

न्यूयार्क विश्वविद्यालय, यू.एस.ए की वित्त और अर्थशास्त्र की अनुसंधान प्रोफेसर डा० भारती जी सुब्रह्मण्यम ने 12 अगस्त 1991 को संस्थान का दौरा किया और विश्व वित्त बाज़ारों में जोखिम प्रबंध के लिए उपलब्ध वित्तीय उत्पादनों और अंतराष्ट्रीय वित्त क्षेत्र में वर्तमान अनुसंधान, विषय पर व्याख्यान दिए।

बास्टन, यू एस ए में, सफोल्क विश्वविद्यालय विपणन के प्रोफेसर डा० माधव कक्कर ने संस्थान का 13 अगस्त 1991 को दौरा किया और "अंतरराष्ट्रीय फुटकर व्यापार में वर्तमान अनुसंधान", और "फुटकर व्यापार में अंतरराष्ट्रीय प्रवृत्ति" विषय पर व्याख्यान दिए।

कार्ल एलर ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, यूनिवर्सिटी ऑफ अरिजोना, यू.एस.ए में विपणन विभाग के प्रोफेसर दीपांकर चतुर्वेदी ने संस्थान का 11 से 27 दिसंबर तक दौरा किया। उन्होंने विद्यार्थियों को निम्नलिखित तिथियों को व्याख्यान दिए:

| | |
|---|---|
| नवंबर 20, 1991 | "द रोल ऑफ सब्जेक्टिव मेनेजीरियल जजमेंट इन द पारामीटराइज़ेशन ऑफ मार्केट प्रोडक्ट" |
| नवंबर 26, 1991 | "द डिवेलप्मेंट ऑफ अगमेंटिड प्रोडक्ट बंडल्स, फ्रेमिंग इफेकट्स आन परसीव्ड वेल्यू एण्ड चॉइस" |

द जोसेफ एम. कात्स ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिज़नेस, पीट्सबर्ग विश्वविद्यालय में व्यवसाय प्रशासन के प्रोफेसर डा० जान सी केमिलस ने 12 नवंबर 1991 को यू एन डी पी की परियोजना "अंतरराष्ट्रीय प्रबंध शिक्षा" के अंतर्गत संस्थान का दौरा किया।

ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन, हारवर्ड विश्वविद्यालय यू एस ए के प्रोफेसर डेनिस जे एनकारनेशन ने यू एन डी पी के परियोजना अंतरराष्ट्रीय प्रबंध शिक्षा के अंतर्गत संस्थान का 2 से 7 दिसम्बर 1991 को दौरा किया। उन्होंने विद्यार्थियों और संकाय को निम्नलिखित व्याख्यान दिए:

| | | |
|---|---|---|
| 3 दिसम्बर, 1991 | - | "जापान आई एन सी, आर्थिक विकास की नीतियाँ" |
| 4 दिसम्बर, 1991 | - | "पूर्वी एशिया - उभरता हुआ येन ब्लाक" |
| 5 दिसम्बर, 1991 | - | "बहुदेशीय, व्यापार और भारत" |

6 दिसम्बर, 1991 - "कार्यापालक प्रशिक्षण के साधन हारवर्ड बिज़नेस स्कूल केस स्टडी"

7 दिसम्बर, 1991 - "यूरोप एक गढ़ या नहीं ?"

फोरदम यूनिवर्सिटी, अमेरिका की डा० श्रीस चटर्जी ने यू.एन.डी.पी. की अंतरराष्ट्रीय प्रबंध परियोजना के अंतर्गत संस्थान का दौरा किया और विद्यार्थियों तथा संकाय को निम्नलिखित विषयों पर व्याख्यान दिए:

7 दिसम्बर, 1991 - "अंतरराष्ट्रीय प्रबंध शिक्षण में पाठ्यक्रम संबंधी मामले"

30 दिसम्बर, 1991 - "विश्व वित्त की विकसित होती प्रकृति"

31 दिसम्बर, 1991 - "विश्व व्यापार के अंतरराष्ट्रीयकरण के मामले"

### 9.6.2 इंडो-ईईसी विनिमय कार्यक्रम

नीदरलैंड में निजेम बिज़नस स्कूल के दक्षिण पूर्व एशिया विशेषज्ञ और नियामक डा० पाल दे ब्लाट एस जे ने 13 जनवरी 1992 को संस्थान का दौरा किया और संकाय से चर्चा की।

रोटरडम की एरासमस विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डा० ए.जे.जे. मास ने 14 जनवरी को यूनिवर्सिटी का दौरा किया और संकाय के साथ उनके शोध व रुचि पर बातचीत की तथा आनेवाले वर्षों में संस्थान और स्कूल के सम्भावित संबंधों की छान बीन की।

### 9.6.3. अन्य अतिथि

फोर्ड फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद द्वारा संयोजित 3 सदस्यीय चीन के प्रतिनिधि मंडल ने 6 मई 1991 को संस्थान का दौरा किया। इंस्टीट्यूट ऑफ एकानामिक्स, चाइनीज़ एकेडमी ऑफ सोशल साइंस, बेखिंग के निदेशक डा० जू.लिंग ने प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व किया। उन्होंने आर्थिक विषमतायें, गरीबी, आर्थिक विकास और संबंधित मामले जैसे विषयों पर संकाय से चर्चायें की। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान हैदराबाद में मानव संसाधन विभाग के उपनिदेशक डा० दुर्गाप्रसाद प्रतिनिधि मण्डल के साथ थे।

यूनाइटिड स्टेट्स एजेन्सी फॉर इंटरनेशनल डिवलपमेंट (यूएसएआईडी) के निदेशक डा० क्रिस ओसवाल्ट ने 30 मई को संस्थान का दौरा किया और भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर में सम्पूर्ण बाल विकास कार्यक्रम के दल के सदस्यों के साथ बातचीत की। चर्चा का मुख्य संदर्भ सम्पूर्ण बाल विकास सेवाओं (आई सी डी सी) के लिए प्रबंधक सूचना पद्धति था।

भारतीय प्रबंध संस्थान कलकत्ता के निदेशक डा० आर पी अय्यर ने 15 सितम्बर को संस्थान का दौरा किया और निदेशक तथा संबंधित अधिकारियों से आपसी शैक्षणिक अभिरुचियों पर चर्चा की।

राष्ट्रीय लघु उद्योग विस्तार प्रशिक्षण संस्थान युसुफगुडा, हैदराबाद द्वारा आयोजित लघु, उद्योग प्रबंध परामर्शी (एस आई एम सी ओ एन) के प्रतिभागियों ने 14 अक्तूबर को संस्थान का दौरा किया। परामर्शी प्रबंध पर संकाय से विचार विमर्श किया।

केलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, सांता बारबरा, यू एस ए को प्रो. डा० जतिन के सेनगुप्ता ने 8 नवम्बर 1991 को संस्थान का दौरा किया और "प्रचालन अनुसंधान में दक्षता विश्लेषण की नवीनतम पद्धतिःआंकड़े, आधारित विश्लेषण" विषय पर संकाय और विद्यार्थियों को सेमिनार दिया।

राष्ट्रीय लघु उद्योग विस्तार प्रशिक्षण संस्थान हैदराबाद के कार्यक्रम प्रशिक्षण पद्धति और निपुणता में भाग ले रहे और अफ्रीकी-एशियन देशों मध्यपूर्व और पेसिफिक द्वीपों के प्रशिक्षण संस्थानों का प्रतिनिधित्व कर रहे 25 वरिष्ठ प्रशिक्षकों ने 19 नवम्बर 1991 को संस्थान का दौरा किया।

अमरीकी दूतावास, नई दिल्ली में जन-मामलों के सलाहकार मंत्री श्री स्टीफन डाची ने और यू एस आई मद्रास में दक्षिण भारत के निदेशक श्री विलियम्स यू लोरेंस ने 15 नवम्बर 1991 को संस्थान का दौरा किया और निदेशक तथा संस्थान की शैक्षिक गतिविधियों के डीन और चेचर पर्सन्स के साथ विचार-विमर्श किया।

जर्मनी के बेलेफेल्ड विश्वविद्यालय में व्यवसाय प्रशासन के प्रोफेसर डा० क्लोज पीटर किस्टनर ने विद्यार्थियों को निम्नलिखित सेमिनार दिए:

15 नवम्बर, 1991 - "हाइरेरिकल प्रोडक्शन प्लानिंग इन ग्रुप टेकनालाजी"

18 नवम्बर, 1991 - "एप्लिकेशन ऑफ क्यूइंग थियोरि अन प्रोडक्शन प्लानिंग"

19 नवम्बर, 1991 - "रोल ऑफ कम्प्यूटराइज़ेशन इन प्रोडक्शन प्लानिंग एण्ड कंट्रोल"

सिटि बैंक, न्यूयार्क के मंडल कार्यपालक और भूतपूर्व प्रबंध निदेशक श्री हरिहरन ने 5 दिसम्बर 1991 को संस्थान का दौरा किया और संकाय तथा विद्यार्थियों को "अंतरराष्ट्रीय वित्त की नवीनतम प्रवृत्तियाँ" विषय पर व्याख्यान दिया।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय के शिक्षा और समाजशास्त्र के प्रोफेसर श्री नायन ग्लाजार ने 23 दिसम्बर 1991 को संस्थान का दौरा किया और "शिक्षा में, बहुराष्ट्रवाद और स्वीकारात्मक कार्रवाई पर नई चर्चा" (भारत की मण्डल आयोग की रिपोर्ट की तरह) विषय पर निदेशक और संकाय से विचार विमर्श किया।

कर्नाटक सरकार के सचिव (योजना) श्री.जे.एन.चौबे, आई.ए.एस. ने संस्थान का 26 दिसम्बर 1991 को दौरा किया और "बेंगलूर में कच्चे और तैयार खाद्यों, सब्जियों और फूलों के निर्यात व्यवसाय की स्थापना" पर संकाय से विचार विमर्श किंया।

यू के के प्रबंध परामर्शी श्री माइकल गोरडोन ने ब्रिटिश काउंसिल के प्रथम सचिव (सांस्कृतितक मामले) श्री आर्थर एन.संडरसन के साथ 2 जनवरी 1992 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने नए उत्पादन विपणन और व्यवसाय विकास तथा प्रबंध परामर्शी टीम और जनशक्ति विकास पर संकाय सदस्यों को अपने अनुभवों से अवगत कराया।

जापान के श्री इतसूस ने संस्थान का 3 जनवरी 1992 को दौरा किया और "एक अंतरंगी के दृष्टिकोण में जापानी मस्तिष्क" विषय पर संकाय और विद्यार्थियों को व्याख्यान दिया।

पेंसिलवानिया विश्वविद्यालय, फिलाडेल्फिया के राजनीतिक शास्त्र विभाग के डा० फांसिन आर फ्रेंकल ने 8 जनवरी 1992 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने पेंसिलवानिया विश्वविद्यालय में "भारत के विस्तृत अध्ययन" का एक केन्द्र खोलने के अनुदान योजना का प्रस्ताव संकाय के सम्मुख रखा, जो मुख्यतः निम्नलिखित क्षेत्रों का अध्ययन करेगा:

क- संस्कृति, ज्ञान और भाषा
ख- विकास की वैकल्पिक नीतियां
ग- बहुराष्ट्रीय और बहुजातीय राज्य
घ- सुरक्षा और विदेश नीति
ङ जन साधन और जन संस्कृति

गुजरात मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लि० आनंद के प्रबंध निदेशक श्री.जे.जे. बक्शी ने 14 जनवरी 1992 को संस्थान का दौरा किया और अमूल केस के बारे में विद्यार्थियों से चर्चा की और "सरकार द्वारा डेरी उद्योग के प्रस्तावित उदारीकरण के सन्दर्भ में अमूल का स्थिति" पर उन्हें व्याख्यान दिया।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यू.के. के अभियांत्रिकी विभाग, प्रबंध अध्ययन समूह के वरिष्ठ व्याख्याता श्री निकोलस ओ शाधनेसी ने ब्रिटिश काउंसिल के प्रायोजन में 17 जनवरी 1992 को संस्थान का दौरा किया। उन्होंने संकाय को "राष्ट्रों का प्रतियोगी उत्कर्ष - विकासशील देशों की कठिनाइयां" विषय पर व्याख्यान दिया।

सेन फ्रांसिसकों, यू.एस.ए के ओशो विश्वविद्यालय के कुलपति स्वामी सत्य वेदांत (डा० वसंत जोशी) ने 22 जनवरी 1992 को संस्थान का दौरा किया और "भारतीय मूल्य और प्रबंधकीय प्रभाविता" विषय पर संकाय और छात्रों को व्याख्यान दिया।

प्रोक्टर और गेम्बल, बम्बई के अध्यक्ष की गुरुचरण दास ने 29 जनवरी 1992 को संस्थान का दौरा किया और पी जी पी के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों से अपनी कम्पनी की एरियल वाशिंग पाउडर सहित नवीनतम उपलब्धियों पर चर्चा की।

योजना आयोग, नई दिल्ली के सदस्य (उच्चतर और तकनीकी शिक्षा) डा० डी.स्वामिनाथन ने 30 जनवरी 1992 को संस्थान का दौरा किया।

इल्लिनोइस राज्य विश्वविद्यालय, यू एस ए के प्रोफेसर डा० शरद चिटगोपेकर ने 24 फरवरी 1992 को संस्थान का दौरा किया और संकाय तथा एफ. पी एम विद्यार्थियों से "मालसूची के सुरक्षा स्टाक लागत में नियंत्रण" विषय पर चर्चा की।

साइचुन विश्वविद्यालय, चेंगडू, चीन गणराज्य के दक्षिण एशिया अध्ययन संस्थान के प्रोफेसर श्री ली किहाई और श्री यान शिजिंग ने 25 फरवरी को संस्थान का दौरा किया और संकाय से विचार विनियम किया।

ग्रेटर कोलम्बो एकानोमिक कमीशन के महानिदेशक श्री लक्ष्मण वातावाला के नेतृत्व में श्रीलंका के एक प्रतिनिधि मण्डल ने 26 फरवरी 1992 को संस्थान का दौरा किया और श्रीलंका में एक बिज़नेस स्कूल की स्थापना के लिए संस्थान के डीन से चर्चा की।

सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद से पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षक) ने संस्थान का दौरा किया और प्रोफेसर टी.पी.गोपालस्वामी से 16 मार्च 1992 आपसी हित के मामलों पर चर्चा की।

श्रीलंका सरकार के उद्योग, विज्ञान और तकनीक मंत्री श्री रनिल विक्रमा सिंगे और उनके प्रतिनिधि मण्डल ने 30 मार्च 1992 को संस्थान का दौरा किया और निदेशक, डीन तथा अन्य से विचार विमर्श किया।

## 9.7 बैठकें

संकाय की बैठकें निम्नलिखित तिथियों को हुईं:

| | | |
|---|---|---|
| संख्या 155 | - | अक्तूबर 15, 1991 |
| संख्या 156 | - | नवम्बर 20, 1991 |
| संख्या 157 | - | जनवरी 23, 1992 |
| संख्या 158 | - | फरवरी 28, 1992 |

# 10. पुस्तकालय

## 10.1 नयी पुस्तकें

| | आगमन 1991-92 | दिनांक मार्च 31, 1992 तक |
|---|---|---|
| पुस्तकें | 3,483 | 85,158 |
| माइक्रोफिशेस, साइक्रोफिल्में चार्ट्स आदि | 92 | 10,950 |
| जिल्दबंद वाल्यूम | 801 | 13,084 |
| पुनःमुद्रण | 595 | 2,226 |
| जर्नल | 43 | 582 |
| कंपनी वार्षिक प्रतिवेदन | - | 800 |

## 10.2 परिचालन

| | |
|---|---|
| जारी की गयी पुस्तकें (जिल्दबंद वाल्यूम, जर्नल सहित) | 65,371 |
| अन्तर पुस्तकालय ऋण पर प्राप्त पुस्तकें | 49 |
| अन्तर पुस्तकालय ऋण पर दी गयी पुस्तकें | 858 |
| उपयोगित पुस्तकें | 98,622 |
| आगंतुकों की संख्या | 16,864 |

## 10.3 बाहरी उपयोगकर्ता 1,269

## 10.4 उपयोगकर्ताओं के प्रकार

| | |
|---|---|
| संकाय एवं शोधकर्ता | 73 |
| छात्र | 390 |
| प्रशासनिक स्टाफ | 406 |
| एम डी पी प्रतिभागी | 761 |
| जमा ऋणकर्ता | 105 |

## 10.5 सुविधाएँ

### 10.5.1 माइक्रो प्रलेख ऋण सुविधा

पाँच माइक्रो फिल्म फिश रीडर्स एवं एक केनन रीडर प्रिंटर की सहायता से, गैर पुस्तक रूप (माइक्रो फिल्म/फिश) में उपलब्ध सामग्री उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध करायी गयी।

### 10.5.2 अन्तर पुस्तकालय ऋण सुविधा/संसाधन बांटना

पुस्तकालय, सूचनाओं के आपसी आदान प्रदान के लिए भारत के अधिकतर सूचना केन्द्रों तथा पुस्तकालयों के नेटवर्क में बना रहा।

### 10.5.3 पुनः मुद्रण सेवाएँ

इन्सडॉक, ब्रिटिश काउंसिल तथा विदेश स्थित सूचना केन्द्रों के साथ सीधे संपर्क के कारण, पुस्तकालय कम नोटिस पर भी लेखों का पुनः मुद्रण कर सका।

### 10.5.4 रीप्रोग्राफिक सेवाएँ

उपयोग कर्ताओं को जेरॉक्स सुविधा उपलब्ध करायी गयी।

### 10.5.5 प्रकाशन

पुस्तकालय ने मांग पर या पूर्वानुमान लगाते हुए ग्रंथ सूची तथा पाठन सूची जैसे तदर्थ प्रकाशनों के अलावा "रीसेंट एडीशन्स" (मासिक), "करेंट पेपर क्लिपिंग्स" (मासिक) तथा "करेंट कन्टेन्ट्स ऑफ आई आई एम-बी जर्नल्स" (मासिक) प्रकाशन भी नियमित रूप से निकाले।

## 10.6 समय

जुलाई 1991 वे प्रभावी, पुस्तकालय का कार्य-समय छात्रों एवं संकाय सदस्यों के हित में, निम्नानुसार बदला गया।

| | पिछला कार्य समय | परिवर्तिय कार्यसमय |
|---|---|---|
| सप्ताह के दौरानः | प्रातः 9.30 बजे से रात 8.30 बजे तक | प्रातः 9.30 बजे से रात 10.30 बजे तक |
| शनिवार | प्रातः 9.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक | प्रातः 9.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक तथा अतिरिक्त पारी दोपहर 2.00 बजे से रात 8.00 बजे तक |
| रविवार | बंद | प्रातः 9.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक दोपहर 2.00 बजे से रात 8 बजे तक |

# 11. संगणक (कम्प्यूटर) केन्द्र

आई आई एम-बी के अनुदेश, शोध तथा परामर्श, परिचालन तथा प्रशासन में कम्प्यूटर का प्रयोग बढ़ाने की दृष्टि से एक विस्तृत योजना बनायी गयी।

इस सामग्रिक योजना के अंतर्गत, 20 नये पर्सनल कम्प्यूटर वर्ष के दौरान प्राप्त किये गये। अनुदेश तथा शोध गतिविधियों, सांख्यिकी विश्लेषण, विशेषज्ञ पद्धतियों को विकसित करने तथा अन्य कार्यों में उपलब्ध साफ्टवेयर के प्रयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उपलब्ध सारे साफ्टवेयर को नवीनतम वर्शन्स के अनुसार उन्नत कराया गया। इसके अलावा, केंम्पस सॉफ्टवेयर लाइसेंस ग्रांट (सीएसएलजी) के अंतर्गत, विश्व की दूसरे स्थान पर सबसे बड़ी कम्प्यूटर कंपनी मैसर्स डिजिटल इक्विमेंट कार्पोरेशन ने आई आई एम-बी को उनके पास मौजूद सभी साफ्टवेयर के लिए लाइसेंस प्रदान किया।

भारत तथा विदेशों में स्थित वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक संस्थानों के साथ विचार विमर्श करने के लिए ई - मेल सुविधा मुहैया करायी गयी। संस्थान को एन आई सी-नेट से जोड़ा गया ताकि एन आई सी के पास मौजूद कई डाटाबेस को प्राप्त किया जा सके।

इन सुविधाओं का प्रभावी उपयोग बढ़ाने के लिए, सारा वर्ष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तथा सेमिनार चलाये गये, जिनमें संकाय, छात्रों तथा स्टाफ ने सक्रियतापूर्वक हिस्सा लिया। उपर्युक्त योजना के अगले कदम के रूप में, शैक्षणिक कॉम्प्लेक्स के भीतर मौजूद सभी पर्सनल कम्प्यूटरों तथा अन्य सिस्टम्स को नेटवर्क करने के लिए कार्रवाई जारी है।

# 12. छात्रावास

वर्ष 1991-92 के दौरान छात्रों की कुल संख्या 366 थी। उन्हें छात्रावास के 336 एकल कमरों में तथा दस संकाय क्वार्टरों में ठहराया गया। छात्रावास में 8 स्नानागार तथा शौचालय और बनाये गये, साथ ही वाटर प्रूफिंग कार्य भी किया गया।

# 13. निर्माण

## 13.1 पूरे किये गये कार्य

सिविल, इलैक्ट्रिकल तथा प्लंबिंग कार्य, साथ ही साथ लाउंज में आंतरिक सज्जा, और एक्सीक्यूटिव ब्लाक में भोजन कक्ष एवं रसोई का कार्य पूरा किया गया। सारे कैंपस में विद्युत आपूर्ति के न रहने पर वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में, दो डी.ज़ी सेट लगाये गये।

## 13.2 कार्य प्रगति पर

निम्नलिखित चार प्रमुख निर्माण परियोजनाएँ वर्ष 1991-92 के दौरान शुरू की गयीं:

1. पुस्तकालय/कम्प्यूटर/कैंटीन ब्लॉक
2. 220 कक्षाएँ
3. छात्र सामान्य कक्ष

### 13.2.1 पुस्तकालय/कम्प्यूटर/कैंटीन ब्लॉक

पुस्तकालय, कम्प्यूटर तथा कैंटीन बलॉकों के निर्माण पर रु.230 लाख की लागत का अनुमान लगाया गया था। अब तक कुल रु. 181 लाख खर्च किये जा चुके हैं। पुस्तकालय ब्लॉक, प्रथमतल का निर्मार्ण प्रगति पर था।

### 13.2.2 220 कक्षाएँ

कक्षा क्षमता 170 से बढ़ा कर 220 करने के लिए वास्तुकारों से संशोधित ड्राइंग प्राप्त हो चुकी है। करार के अनुसार कार्य प्रगति पर था। प्रथम तल के गलियारें की छत आंशिक रूप से डाली जा चुकी है। कार्य को दिसंबर 1992 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

### 13.2.3 छात्र सामान्य कक्षः

रु. 13.44 लाख की लागत पर छात्रावास एवं पुस्तकालय ब्लॉक के बीच बनाये जा रहे सामान्य कक्ष का समाप्ति कार्य प्रगति पर था। छत तथा स्काई लाइट कांक्रीटिंग कार्य पूरे हो चुके हैं।

## 13.3 नये कार्य

वर्ष 1991-92 के दौरान रु. 1.85 करोड़ की निविदा लागत पर निम्नलिखित नयी निर्माण परियोजनाएँ शुरू की गयीं:

शयनशाला (डार्मिटरी) सं. 9 और 10

स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, कैम्पस शाखा के लिए भवन.

### 13.3.1 शयनशाला सं० 9 और 10, रसोई तथा भोजन कक्ष ब्लाकसहित

रु. 147 लाख की निविदा लागत पर मैसर्स वोल्टास इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा गया कार्य शुरू किया गया।

### 13.3.2 स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, कैम्पस शाखा के लिए भवन

रु. 18 लाख की अनुमानित लागत पर स्टेट बैंक ऑफ मैसूर की कैम्पस शाखा के भवन निर्माण की योजना को अंतिम रूप दिया गया, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर द्वारा इस के लिए ऋण दिया जाएगा।

## 13.4 परिसर भू-दृश्य निर्माण (लैंडस्केपिंग)

### 13.4.1 पुरस्कार

वर्ष 1990-91 दौरान संस्थान ने शैक्षिक संस्थाओं के लिए आयोजित दो पुष्प प्रदर्शन प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया, एक का आयोजन बेंगलूर शहरी कला आयोग द्वारा तथा दूसरी का आयोजन मैसूर बागवानी समिति, लाल बाग द्वारा किया गया था। संस्थान को इन दोनों प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार मिला।

बेंगलूर स्थित सभी शैक्षिक संस्थाओं में, संस्थान को, जनवरी 1992 में लगातार दूसरे वर्ष भी, सुन्दरतम तरीके से रखे गये उद्यान तथा भवनों के लिए, बेंगलूर शहरी कला आयोग द्वारा प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

### 13.4.2 वृक्षारोपण, उद्यान, लॉन तथा जॉगिंग ट्रैक

कर्नाटक के वन विभाग के सहयोग एवं सहायता से वृक्षारोपण परियोजना मई 1991 में शुरू की गयी। छाया देने वाले पेड़ों जैसे रेनट्री, पेल्टोफार्म, होगे, नीम, आम, जामुन के लगभग 3000 छोटे पौधे चारदीवारी के साथ-साथ और कैम्पस के मुख्य रास्तों के दोनों ओर लगाये गये।

एक्ज़िक्यूटिव ब्लॉक के सामने एक उद्यान तथा ओवरहेड टैंक के निकट एक शाक उद्यान का विकास किया गया। संस्थान के सामने की चार दीवारी के साथ-साथ एक जॉगिंग ट्रैक भी बनाया गया।

### 13.4.3 बागवानी उत्पादों को लीज़ पर देना

पहली बार संस्थान के बागवानी उत्पादों जैसे नारियल, अमरूद, घास को वार्षिक लीज पर दिया गया और इससे अच्छी आय भी हुयी।

### 13.4.4 वर्षा जल का संरक्षण

बागवानी के लिए उपलब्ध सीमित जल आपूर्ति को बढ़ाने के उद्देश्य से, विशेष रूप से गर्मी के दिनों में, वर्षाजल को स्टोर करने के लिए तालाबखोदने का काम शुरू किया गया।

# 14. कार्मिक तथा प्रशासन

## 14.1 स्टाफ संख्या

पिछले वर्ष की तुलना में स्टाफ की संख्या निम्नलिखित थी:

| | 31 मार्च 1992 को | परिवर्तन |
|---|---|---|
| पर्यवेक्षी स्टाफ (ग्रूप बी) | 24 | +1 |
| लिपिक स्टाफ और ड्राइवर (ग्रूप डी) | 230 | +6 |
| चपरासी, माली, जमादार (ग्रूप डी) | 97 | -25 |
| अधिकारी | 25 | +8 |
| संकाय | 56 | +8 |
| जोड़ | 432 | -4 |

## 14.2 नियुक्तियां

डा. आर.एस.भगवान की 18.11.91 को आवासी डाक्टर के रूप में नियक्ति हुई।

वाणिज्य लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षा बोर्ड के पदेन सदस्य के मुख्य निदेशक कार्यालय, बेंगलूर के उपनिदेशक श्री एच.एस.गोपालकृष्णय्या ने दो वर्ष के लिए वित्त सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी के रूप में 9.12.91 को कार्यभार संभाला।

श्री बी.एस.गोपालन ने प्रारम्भ में 2.3.92 को दो वर्ष के लिए अधीक्षक अभियंता का कार्यभार संभाला। संस्थान में नियुक्ति से पूर्व वे मिलिटरी इंजीनियरिंग सर्विस में थे।

ले. कर्नल (सेवा निवृत) श्री कामत की 5.9.91 को प्रशासक (तकनीकी) परिसर सुविधायें के पद पर नियुक्ति हुई।

ए.जी.भुवनेश्वर कार्यालय के लेखा परीक्षा अधिकारी श्री वी.रामकृष्णन 24.4.91 को दो वर्ष की प्रतिनियुक्ति पर आंतरिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त हुए।

के.ई.बी. के कार्यपालक अभियंता (विद्युत) श्री यू.एच.सुब्रह्मण्या ने 27.8.91 को दो वर्ष की प्रतिनियुक्त पर सहायक कार्यपालक अभियंता (विद्युत) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

## 14.3 विधि-विषयक मामले

संस्थान ने अनुबंध तोड़ने के आरोप में रिसर्च फैलो श्री अरुण पी.अल्हांस के विरुद्ध सिविल मुकदमा दायर किया। मुकदमे का निपटान 1988 में हो गया और न्यायालय ने पी. अरुण को यह निर्देश दिया कि वे संस्थान को लगभग 49,000 रुपये अदा करें। यह राशि प्राप्त करने के लिए सम्मिलित प्रयास किए गए और यह राशि प्राप्त हो गई। 2 लाख रुपये की वसूली के इसी तरह के दो और मामले न्यायालय में निपटान के लिए बकाया हैं। राशि को वसूल करने के प्रयास प्रारम्भ किए गए हैं।

## 14.4 अनुशासन

सामान्यतः अनुशासन में सुधार हुआ है। कर्मचारी समय पर आते हैं और कार्यालय समय के दौरान आफ़िस से नहीं जाते और बिना आज्ञा अनुपस्थित नहीं होते। वर्ष के दौरान 9 जांच पड़ताल पूरी की गई और कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की गई। 5 को नौकरी से निकाल दिया गया और 4 कर्मचारियों की संचित वेतन-वृद्धि रोक दी गई।

प्रशासनिक तंत्र में संशोधन लाने के लिए कई कार्य पद्धतियों की समीक्षा की गई और आवश्यक निर्देश जारी किए गए। कार्यालय के वार्षिक निरीक्षण, स्टाफ की समस्याओं को हल करने की कार्यविधि, सुरक्षा मामलों पर स्थायी आदेश, निर्माण सम्बन्धी बिलों की संवीक्षा और पास करने से सम्बन्धी निर्देश जारी किए गए।

प्रशासनिक कार्यालयों का निरीक्षण किया गया और कार्यालय पद्धति, फाइल और रिकार्ड के अनुरक्षण, भंण्डार और उपकरणों के लेखे जोखे की कमियों को दूर करने के सामूहिक उपाय किए गए।

व्यक्तिगत शिकायतों को सुलझाने के लिए एक समयबद्ध कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया, 119 कर्मचारियों की शिकायतों में से 92 कर्मचारियों की शिकायतों का निपटारा किया गया।

एक प्रशासनिक उपयुक्तता परीक्षा पद्धति प्रारम्भ की गई जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि पदोन्नति से पूर्व कर्मचारी में दक्षता की एक निर्धारित न्यूनतम सीमा है। जो इन परीक्षाओं को न पास कर पाने के कारण पदोन्नति नहीं हुए उनके लिए एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इन परीक्षाओं और

पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों से कर्मचारियों की दक्षता और कार्य निष्पादन पर अच्छा प्रभाव पड़ रहा है।

## 14.5 विभागीय कैंटीन

विभागीय कैंटीन जो कि पहले संकाय "सी" ब्लॉक के सामने के मुख्य बरामदे में चल रही थी उसे कम्प्यूटर केन्द्र के समीप केन्टीन भवन में स्थानांतरित कर दिया गया है। इससे कर्मचारियों को पहले से बहुत अच्छा स्थान व सुविधायें मिल रही हैं।

## 14.6 दूरसंचार सेवाओं में सुधार

संस्थान के ई पी ए बी एक्स में सितंबर 1991 में एक निरंतर विद्युत आपूर्ति प्रणाली को लगाया गया है जिससे टेलिफोन एक्सचेंज शत-प्रतिशत दक्षता से चल रहा है।

## 14.7 सेटालाइट टेलिविजन

फरवरी 1992 में सेटालाइट टी वी केबल नेटवर्क लगाया गया जिससे दिन-रात समाचार, विचार, टीका-टिप्पणी और साक्षात्कार उपलब्ध होते रहते हैं। एम डी पी कार्यक्रम में भाग लेने वालों ने इसका स्वागत किया है। एक कल्याण योजना के तहत परिसर निवासियों को भी इससे जोड़ा गया है, जिसकी 50,000रु. की लागत को सबने मिलकर ऋण के रूप में एकत्रित किया है। इस सुविधा का उपयोग करने वाले सदस्यों से मासिक शुल्क के रूप में प्राप्त आय से इस ऋण की अदायगी की जाएगी।

## 14.8 परिवहन गैरेज का स्थानांतरण

पानी की टंकी के समीप एक अस्थाई भवन को परिवहन गैरेज के रूप में प्रयोग किया जाता था। यह परिसर में अपने आस-पास के वातावरण से मेल नहीं खाता था। इसलिए गैरेज को यहाँ से हटा कर मास्टर प्लान के अनुसार, परिसर के दक्षिणी छोर पर, इसके स्थाई स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया।

## 14.9 विद्युत भार के अंतरण में लचीलापन:

केम्पस में दो विद्युत सब-स्टेशन हैं एक सब स्टेशन के खराब होने पर इसके भार को दूसरे पर अंतरित करने के उद्देश्य से दोनों स्टेशनों को मिलाती हुई भूमिगत केबल बिछायी गई है।

## 14.10 नगर के कार्यालय को खाली करना

नगर कार्यालयों के भवनों को उनके मालिकों को अगस्त 1991 में सौंप दिया गया। इन भवनों में रखी गई संस्थान की वस्तुओं की जांच की गई, छांटा गया और ठीक किया गया। जिन वस्तुओं की मरम्मत नहीं हो सकती थी उनको नीलामी द्वारा बेच दिया गया और शेष बचे को परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया। संस्थान के शहर के कार्यालय अंततः उनके मालिकों को अगस्त 1991 में सौंप दिये गये।

## 14.11 मितव्ययिता के उपाय

खर्च में कमी लाने के लिए कई मितव्ययिता उपाय किए गए। वे निम्नलिखित हैं:

### 14.11.1 विद्युत

विद्युत खपत में क्टौती की गई। अतिरिक्त और अनावश्यक बत्तियों (लाइट) को हटाने से 12000रु. प्रतिमाह की बचत हुई है। छात्रावास और कार्यपालक खण्ड (ब्लॉक) में ऊर्जा मीटर लगाए गए हैं जिससे खपत पर नियंत्रण किया जा सके और उपभोक्ताओं का वास्तविक खपत के अनुसार बिल बनाया जा सके।

### 14.11.2 चिकित्सा बिल

पिछले कुछ समय से चिकित्सा बिल दावों में अनुचित रूप से वृद्धि हुई है। नियमित जांच द्वारा झूठे व बढ़े हुए बिलों को छांटना बहुत ही कठिन कार्य है, अतः एक विशेष चिकित्सा बोर्ड बनाया गया जो कि बड़े दावों की जांच करेगा। ऐसे मामलों में डाक्टरों/दवा विक्रेतों से जांच/दी गई दवाओं की पुष्टि के लिए सम्पर्क किया गया। कर्मचारियों को चेतावनी दी गई कि गलत/अधिक दावे प्रस्तुत करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इन उपायों का अपेक्षित प्रभाव पड़ा है। चिकित्सा खर्च दावों में कमी होनी शुरू हुई है।

### 14.11.3 लेखन सामग्री (स्टेशनरी)

खरीद से पूर्व लेखन सामग्री की मांग पर काट-छांट की जाती है। फैंकने से पूर्व लिफाफों को कई बार प्रयोग किया जाता है। रद्दी कागज़ों को जलाने के बदले फाड़कर बेच दिया जाता है।

### 14.11.4 जिरोक्सिंग

अनुबंध आधार पर 3 जिराक्स मशीनें लगाई गई। मशीन, पेपर, आदमी और टोनर ठेकेदार द्वारा प्रदान किया जाता है। उसके जिराक्स की दर (35 पैसे प्रति पृष्ठ) हमारे जिराक्स विभाग की लागत 50.पै.प्रति

पृष्ठ से कम है। जिराक्स अनुभाग की क्षमता में 50 प्रतिशत की कटौति की गई है। शेष बची जनशक्ति को प्रतिस्थापित किया गया।

### 14.11.5 छात्र मैस

कड़ी जांच द्वारा बर्बादी व चोरी को रोकने से छात्रों के मैस बिल में प्रतिदिन 3रु. तक की कमी हुई है।

### 14.11.6 मरम्मत न हो सकने योग्य/अनावश्यक वस्तुओं और वाहनों का निपटान

संस्थान में मरम्मत न हो सकने योग्य/अनावश्यक वस्तुओं और वाहनों की संख्या में पिछले कई वर्षों से वृद्धि होती आ रही है। अनुप्रयुक्त होने के साथ साथ, इन्होंने महत्वपूर्ण स्थान भी घेर रखना था। इनको बेचने से संस्थान को लगभग 6 लाख रुपये की आय हुई। एयर कंडीशनिंग उपकरण व जैनरेटर सेटों के संबंध में भी इसी प्रकार के कदमं उठाए जा रहे हैं।

### 14.11.7 वाहनों की मरम्मत/अनुरक्षण

इस वर्ष गाड़ियों की मरम्मत/अनुरक्षण कार्य परिसर में ही हमारे मेकेनिकों ने बाहरी मदद से किया। इससे लागत में कमी आई, मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा हुआ और गाड़ियां कम समय तक खराब/अनुप्रयुक्त रहीं।

### 14.11.8 पूराने रिकार्डों को नष्ट करना

भारत सरकार के नियमानुकार अनावश्यक पुराने रिकार्डों की जांच और उन्हें नष्ट करने की सिफारिश के लिए, पहली एक समिति गठित की गई और उनकी सिफारिश के आधार पर-उन पुरानी फाइलों और कागज़ातों को नष्ट किया गया, जो कि भंण्डार में बहुत सारा स्थान घेरे हुए थे।

## 14.12 परिसर सुरक्षा

परिसर में सुरक्षा के वातावरण में इस तरह बहुत सुधार हुआ है-

* विस्तृत सुरक्षा स्थायी आदेश जारी होने से
* कर्मचारियों के लिए पहचान-पत्र जारी होने से
* संस्थान के कर्मचारियों के अतिरिक्त संस्थान के परिसर में आने वाले घरेलू नौकर, ठेकेदार के मजदूर, फेरीवाले आदि के लिए पहचान-पत्र जारी करने से
* घुसपैठ रोकने के लिए

असुरक्षित क्षेत्रों पर चारदिवारी के ऊपर चुभने वाली चीज़ें लगाने से।

# 15. भूतपूर्व छात्र संघ (एल्यूमिनी)

## 15.1 एल्यूमिनी (भूतपूर्व छात्र संघ) कार्यालय

आई आई एम-बी एल्यूमिनी संघ (एसोसिएशन) का अब परिसर में ही कार्यालय है और इसकी गतिविधियों के लिए प्रशासनिक सहयोग दिया जाता है। "स्थापन और अल्यूमिनी लांज" नामक इस कार्यालय का उद्घाटन। सितंबर 1991 को फाउंडेशन एण्ड एडिंग इंडस्ट्रियल रिकवरी के अध्यक्ष डाoएन.सी.बी.नाथ द्वारा किया गया।

## 15.2 अन्य गतिविधियां

वर्ष 1991-92 के दौरान अल्युमिनी संघ ने अपनी वार्षिक सामान्य बैठक और दो अन्य मनोरंजक सम्मेलन के साथ-साथ नई आर्थिक नीति पर विचार विमर्श का आयोजन किया, जिसमें एफ ए आई आर के अध्यक्ष डाo एन.सी.बी.नाथ, नेशनल काउंसिल ऑफ एपलाइड इकोनोमिक्स एण्ड रिसर्च (एनसीएईआर) के महानिदेशक, स्कूल ऑफ मेनेजमेंट, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के निदेशक राकेश खुराना, आई आई एम-बी के प्रोफेसर प्रसन्ना चन्द्रा ने भाग लिया। निम्नलिखित द्वारा व्यावसायिक व्याख्यान भी थे:

1) प्रो. रोबिन्द्रा आर लाल द्वारा "दी मल्टी नेशनल्स" पर

2) प्रो. प्रसन्ना चन्द्रा द्वारा "द पर्सनल इनवेस्टमेंट" पर

3) डा. सुधीन्द्र शेषाद्री द्वारा "एमर्जिंग ट्रेड इन परचेज मेनेजमेंट" पर

4) डाoआर. राजन वरदराजन द्वारा "शेपिंग कारपोरेट डेस्टनी बाई, मैनेजिंग द मार्केटिंग एनवायरमेंट" पर

# 31-3-1992 तक गवर्नर मण्डल के सदस्यों की सूची

**अध्यक्ष**

श्री जी.वी.के. राव,
344, फस्ट ब्लॉक
अशोका पिलर के समीप
बेंगलूर

**सदस्य**

1. श्री एस.के. बेनर्जी
मानव संसाधन मंत्रालय (शिक्षा विभाग)
कमरा नं. 109, सी विंग, शास्त्री भवन
नई दिल्ली-110 001

2. श्री एम.पी.एम. कुट्टी
निदेशक (त), भारत सरकार
मानव संसाधन मंत्रालय (शिक्षा विभाग)
कमरा नं. 217, सी विंग, शास्त्री भवन
नई दिल्ली-110 001

3. श्री एन.आर. कृष्णन
अपर सचिव, उद्योग मंत्रालय
औद्योगिक विकास मंत्रालय
उद्योग भवन
नई दिल्ली-110 011

4. श्री सुरेश कुमार
सचिव, सार्वजनिक उद्यम ब्यूरो
सी.जी.ओ. काम्पलेक्स
ब्लॉक नं.14, लोदी रोड
नई दिल्ली-110 003

5. श्री टी.पी. इसार
कर्नाटक सरकार के प्रधान सचिव
विधान सौधा
बेंगलूर-560 001

6. श्री सी.टी. बेंजमिन
आयुक्त व सरकारी शिक्षा
विभाग के सचिव
नं.546, बहुमंजिला भवन
डा. अम्बेदकर मार्ग
बेंगलूर-560 001

7. डॉ० के. हनुमंतप्पा
कुलपति
बेंगलूर विश्वविद्यालय
ज्ञान भारती
बेंगलूर-560 056

8. डॉ० परविन्दर सिंह
उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
रनबक्सि लैब्रोट्रीज लि०
नं. 19, नेहरू प्लेस
नई दिल्ली-110 019

9. श्री एस. पंडित
भूतपूर्व कार्यकारी निदेशक
फिलिप्स इंडिया लि०
सी-700, न्यू फ्रेंड्स कालोनी
नई दिल्ली-110 065

10. डॉ० टी.वी. सिंह
भूतपूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
भारत अल्युमुनियम कं. लि०
बी-371, सरिता विहार
नई दिल्ली-110 044

11. श्री प्रवाश चन्द्र नियोगि
अध्यक्ष एपं प्रबंध निदेशक
हिंदुस्तान मशीन टूल्स लि०
36, कनिंगघम रोड
बेंगलूर-560 052

12. श्री एस. समद्दर
भूतपूर्व सदस्य, यू पी एस सी
के/1977, चितरंजन पार्क
काल्काजी, नई दिल्ली-110 019

13. श्री एस. घोष
उप महा निदेशक
(टेक्नलाजिकल सर्विसस)
नैशनल प्रोडक्टिविटी, काउन्सिल
नई दिल्ली

14. डॉ० एम.एल. शहारे
महा निदेशक
डॉ० अम्बेदकर नैशनल इंस्टीट्यूट
ऑफ सोशियल सर्विसस
54, आनन्द नगर
चितवाड़ रोड
इन्दौर-452 001

15. डॉ० अर्जुन कुमार धान
भूतपूर्व कुलपति
रांची विश्वविद्यालय
बिशप लाड्ज, पो.बा.नं.१
रांची, बिहार

16. श्री इन्दिरा राजारामन
प्रोफेसर
भा.प्र.स.-बेंगलूर

17. डॉ० राम एम तारनेजा
प्रबंध निदेशक
टाइम्स ऑफ इंडिया प्रकाशन
दादा भाई नारोजी रोड
बम्बई-400 001

18. डॉ० वी.ए. पाइ पनंडीकर
निदेशक
सेन्टर फॉर पॉलिसी रिसर्च
धर्म मार्ग, चाणक्यपुरी
नई दिल्ली-110 021

19. डॉ० आर.एन. सेठ
प्रोफेसर
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट
वस्त्रापुर, अहमदाबाद-380 056

20. श्री एम.एस. पटवर्धन
उपाध्यक्ष
नैशनल ऑर्गेनिक केमिकल
इंडस्ट्रीज लि०
नारिमन पाइंट
बम्बई-400 021

21. श्री तल्लम राधाकृष्ण शेट्टी
34, सर्वेयर स्ट्रीट, बसवन गुडी
बेंगलूर-560 004

22. श्री गुरप्रीत सिंह
प्रबंध निदेशक
कंटीनेंटल डिवाइस इंडिया लि०
सी-120, नारायना इंडस्ट्रियल एरिया
नई दिल्ली-110 011

23. डॉ० के.आर.एस. मूर्ति
निदेशक
भा.प्र.स.-बेंगलूर

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

# 31.3.1992 तक की संकाय सूची

### निदेशक

डा० के.आर.एस. मूर्ति

### प्रोफेसर

1. वी. अनंत राम
2. के.एम. अनंतरामय्या
3. पी.जी. आप्टे
4. पी. भास्करन
5. जे.सी. भाटिया
6. वी.के. चन्द्रशेखर
7. एस.एन. चारी
8. पी.वी. जार्ज
9. बी. घोष
10. एम.आर. गोपालन
11. टी.पी. गोपालस्वामी
12. आर.के. हर्लेकर
13. इंदिरा राजारामन
14. एस. जगदीश
15. वी.बी. कौजल्गी
16. एस.जी. लेले
17. टी.एस. नागभूषण
18. बी.नागादेवरा
19. एन. नागण्णा
20. के.बी. नायर
21. एस. प्रसन्ना चन्द्र
22. टी.वी. रमणय्या
23. रमेश मेहता
24. रणजीत धर
25. वी. रंगनाथन
26. ए.के. राव
27. ए.वी. षणमुखम
28. एस. शिवरामू
29. श्यामल राय
30. सुब्बरायन प्रसन्ना
31. आर.जी. तगत
32. वी.के. तिवारी
33. पी.एन. तिरुनारायण
34. आर. बैद्यनाथन
35. वत्सला नागराजन
36. आर,के. विजय सारथी

### एसोसिएट प्रोफेसर

1. एस.आर. बिजूर
2. कल्याणी गांधी
3. एस. कृष्णा
4. मालती सोमय्या
5. मीरा बाखरू
6. बी. नरसिंहा राव
7. आर. नारायण स्वामी
8. बी.आर. पाटिल
9. आर. रवि कुमार
10. एस. संपंगी रामय्या
11. एस. सुंदरराजन
12. एम.जे. ज़ेवियर

### सहायक प्रोफेसर

1. जनत शाह
2. सी. मनोहर रेड्डि
3. एल.एस. मूर्ति
4. एस. नयन तारा
5. प्रेमचन्दर
6. एस. राजगोपालन
7. रामनाथ नारायणस्वामी
8. बी. शेखर

### संकाय रिसर्च एसोसिएट

1. एम. सिद्दप्पा

### अतिथि संकाय

2. प्रो. पी.के. सिंह
3. प्रो. आर.के. तगत

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

# 31 मार्च 1992 तक अधिकारियों की सूची

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | निदेशक | - - | डा० के.आर.एस. मूर्ति |
| 2. | संकायाध्यक्ष | - - | प्रो. वत्सला नागराजन |
| 3. | मुख्य प्रशासनिक अधिकारी | - - | ब्रिगेडियर वी. रामास्वामी |
| 4. | वित्त सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी | - - | एच.एस. गोपालकृष्णय्या |
| 5. | अधीक्षक अभियंता | - - | वी.एस. गोपालन |
| 6. | प्रबंधक, कम्प्यूटर केन्द्र | - - | एस.आई. फजुलुद्दीन |
| 7. | कार्मिक प्रबंधक | - - | जी.वाई. सुहास |
| 8. | वरिष्ठ वित्त अधिकारी | - - | टी.एस. नटराजन |
| 9. | पुस्तकालयाध्यक्ष | - - | चिक्कमल्लय्या |
| 10. | प्रसासनिक अधिकारी (एम) | - - | एच.वी. हिरण्णय्या |
| 11. | प्रशासनिक अधिकारी (जीए) | - - | वी.एस. गोपीनाथ राव |
| 12. | प्रशासनिक अधिकारी (एस) | - - | एस. श्रीकांत |
| 13. | प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन) | - - | श्रीमती एच. कला |
| 14. | प्रशासनिक अधिकारी (एसडब्ल्यू) | - - | डी.आर. रामदासय्या |
| 15. | प्रशासक (तकनीकी) परिसर सुविधाएँ | - - | ले.कर्नल ए.एन. कामत |
| 16. | वित्त एवं लेखा अधिकारी | - - | आर. चन्द्रशेखर राव |
| 17. | आंतरिक लेखा परीक्षक | - - | वी. रामकृष्ण |
| 18. | सुरक्षा व परिवहन अधिकारी | - - | ले. कर्नल जी. लक्ष्मण सिंह |
| 19. | सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-I | - - | श्रीमती एन. अनुराधा |
| 20. | सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-I | - - | श्रीमती तेरेसा विलियम्स |
| 21. | बागवानी अधिकारी | - - | के. महालिंगम |
| 22. | आवासी डाक्टर | - - | डा० आर.एस. भगवान |
| 23. | प्रशासनिक अधिकारी (एओपी प्रभारी) | - - | आर. नीलकंठन |
| 24. | सहायक अभियंता (सिविल) | - - | बी. पद्मनाभन |
| 25. | सहायक अभियंता (सिविल) | - - | एस.वी. कृष्णे गौड़ा |

**कर्नाटक सरकार के लोक कार्य विभाग से प्रतिनियुक्ति पर**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 26. | सहायक अभियंता (सिविल) | - - | बी.जी. श्रीनिवास मूर्ति |

**कर्नाटक विद्युत बोर्ड से प्रतिनियुक्ति पर**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 27. | सहायक अधिशासी अभियंता (विद्युत) | - - | यू.एच. सुब्रह्मण्या |
| 28. | सहायक अभियंता (विद्युत) | - - | आर.एन. चन्द्रशेखर |

# वर्ष 1991-92 का
# लेखा विवरण

# लेखा परीक्षा प्रमाण-पत्र

मैं भारतीय प्रबन्ध संस्थान, बेंगलूर के 31 मार्च 1992 का तुलन-पत्र और 31 मार्च 1992 को समाप्त वर्ष के प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा/आय और व्यय लेखों की जांच की है।

हमने उन समस्त सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों को प्राप्त किये हैं जो आवश्यक थे और लेखा परीक्षा रिपोर्ट के परिशिष्ट में दी गई टिप्पणियों और अपनी लेखा परीक्षा के फलस्वरूप मैं प्रमाणित करता हूँ कि मेरी राय में इन लेखों और तुलन-पत्र को ठीक से तैयार किया है। संगठन की बहियों में दिखाई गई सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के आधार पर ये लेखे भारतीय प्रबन्ध संस्थान की सही व स्वच्छ छवि प्रस्तुत करते हैं।

ह./-
(एस वी उन्निकृष्ण)
महालेखाकर (लेखापरीक्षा)

स्थान : बेंगलूर
तारीख : 8 अक्तूबर 1992

# भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर - 560 076

## 31 मार्च 1992 तक का तुलन पत्र

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

| 1990-91 Rs. | पूंजी और देयतायें | | 1991-92 Rs. |
|---|---|---|---|
| | **I. अनुदान, दान और संग्रह** | | |
| 67,95,000 | क) कर्नाटक सरकार | | 67,95,000 |
| | ख) भारत सरकार | | |
| | प्रारम्भिक शेष | 16,01,15,587 | |
| 16,01,15,587 | वर्ष के दौरान | 2,38,00,000 | 18,39,15,587 |
| 4,43,791 | ग) फोर्ड फाउंडेशन ग्रांट | | 4,43,791 |
| 3,56,173 | घ) मा. सं. वि मंत्रालय से शोध अनुदान | | 3,56,173 |
| - | ङ) यू.एन.डी.पी. | | 79,200 |
| - | च) जी.ओआई.-यू.एन.डी.पी. | | 2,78,484 |
| - | छ) स्व.सुरेन्द्रपाल में.चेयर | | 12,39,000 |
| 71,265 | ज) पी.जी.पी.पुरस्कार निधि | | 71,265 |
| | **II. आरक्षित निधि और निधियां** | | |
| 23,93,454 | क) पेंशन के लिए | | 36,06,988 |
| 4,38,234 | ख) भवन निर्माण अग्रिम के लिए | | 8,16,661 |
| | **III. वर्तमान देयताएँ** | | |
| 17,35,435 | क) खर्च के लिए | | 18,99,787 |
| 1,82,612 | ख) विविध लेनदान | | 1,82,612 |
| 16,79,352 | ग) विधि जमा शेष | | 14,61,384 |
| 5,69,025 | घ) जमा | | 11,19,216 |
| | **IV. चल रहे कार्यक्रम और परियोजनाएँ** | | |
| 24,80,861 | प्रायोजित अनुसंधान | | |
| | अनुदान | 1,90,81,746 | |
| | घटायें खर्च | 1,73,36,645 | 17,45,101 |
| 8,66,410 | परामर्शी आय | 23,44,814 | |
| | घटायें खर्च | 14,33,453 | 9,11,361 |
| 17,81,27,199 | जोड़ आगे ले जाया गया | | 20,49,21,610 |

| 1990-91 Rs. | परिसम्पत्तियां | | 1991-92 Rs. |
|---|---|---|---|
| 16,20,34,111 | **I. स्थाई जमा** | | 18,33,88,410 |
| | (अनुसूची 'ऐ' के अनुसार) | | |
| 35,82,558 | **II. पूँजी लेखे पर अग्रिम** | | |
| | अग्रिम संग्रहण | 31,71,291 | |
| | अग्रिम, भूमि की लागत | 12,23,619 | |
| | आपूर्तिकर्ताओं को अग्रिम | 6,75,000 | 50,69,910 |
| 71,265 | **III. निवेश** | | 48,61,265 |
| | (अनुसीची 'बी' के अनुसार) | | |
| 34,42,539 | **IV. जमा** | | |
| | (अनुसूची 'सी' के अनुसार) | | 913,890 |
| 52,71,029 | **V. वर्तमान जमा, ऋण व अग्रिम** | | 54,26,028 |
| | (अनुसूची 'डी' के अनुसार) | | |
| | | | 53,622 |
| | **VI. नगद व बैंक में शेष राशि** | | 178 |
| 29,596 | i) धारक नगदी | | 30,869 |
| 15,180 | ii) अग्रदाय | | |
| 16,366 | iii) डाक व फ्रेकिंग | | |
| | iv) बैंक में | | 27,73,539 |
| 68,54,761 | क) बचत खाता | | 6,44,986 |
| 7,54,075 | ख) फोर्ट फाउंडेशन ग्रांट | | |
| 18,20,71,480 | जोड़ आगे ले जाया गया | | 20,31,62,697 |

बेंगलूर.
दिनांक : 15 जुलाई 1992

ह./-
एच.एस.गोपालकृष्णैया
वित्त सलाहकार एवं
मुख्य लेखा अधिकारी

ह./-
के.आर.एस.मूर्ति
निदेशक

# भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

| 1990-91 Rs. | पूंजी और देयतायें | | 1991-92 Rs. |
|---|---|---|---|
| 17,81,27,199 | आगे लाया गया | | 20,49,21,610 |
| 2,17,853 | संगठन आधारित कार्यक्रम | | |
| | आय | 4,00,655 | |
| | घटाएं खर्च | 2,24,077 | 1,76,578 |
| 7,44,175 | फोर्ड फाउंडेशन ग्रांट | | |
| | आय | 9,94,320 | |
| | घटाएं खर्च | 3,49,421 | 6,44,899 |
| | आई डी आर सी प्रोजेक्ट | | |
| | आय | 4,000 | |
| | घटाएं खर्च | 2,058 | 1,942 |
| 29,82,253 | **V. आय व व्यय लेखा** | | |
| | पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष | | शून्य |
| 18,20,71,840 | कुल जोड़ | | 20,57,45,029 |

| 1990-91 Rs. | परिसम्पत्तियां | | 1991-92 Rs. |
|---|---|---|---|
| 18,20,71,480 | आगे लाया गया | | 20,31,62,697 |
| | **VII. आय व व्यय लेखा** | | |
| | पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष | 29,82,253 | |
| | आय पर व्यय का आधिक्य घटाएं | 55,64,585 | 25,82,332 |
| 18,20,71,480 | कुल जोड़ | | 20,57,45,029 |

नोटः १. राशि को पूरे रूप में माना गया है और जहाँ आवश्यक है पिछले वर्ष के आंकड़े भी दिए गए हैं।

२. सी.एफ.एफ और जी एफ एफ के वार्षिक लेखों को प्रारम्भ से ही अंतिम रूप नही दिया गया है, इन लेखों की जमा को सुनिश्चित नहीं किया जा सका है अतः इन्हें इस तुलन-पत्र में नही दिखाया गया है।

बेंगलूर.
दिनांक : 15 जुलाई 1992

ह./-
**एच.एस.गोपालकृष्णैया**
वित्त सलाहकार एवं
मुख्य लेखा अधिकारी

ह./-
**के.आर.एस.मूर्ति**
निदेशक

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

## भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर - 560 076

**अनुसूची - क** **अचल परिसम्पत्तियाँ** **राशि रु. में**

| विवरण | 1.4.1991 तक | वर्ष में जोड़-घटा | 31.3.92 तक शेष |
|---|---|---|---|
| 1) भूमि - पूर्ण स्वामित्व | 37,95,000 | शून्य | 37,95,000 |
| 2) भवन - स्थायी | 11,80,66,483 | 1,46,16,317 | 13,26,82,800 |
| 3) भवन - अस्थायी | 21,96,933 | (-)1,81,720 | 20,15,213 |
| 4) ध्वनि नियंत्रण व ध्वनिकी | 3,12,743 | - | 3,12,743 |
| 5) पुस्तकालय पुस्तकें व फिल्म | 1,30,76,787 | 27,39,857 | 1,58,16,644 |
| 6) शिक्षण और शोध सुविधायें | 1,27,29,129 | 25,38,114 | 1,52,67,243 |
| 7) फर्नीचर व उपकरण | 97,33,029 | 11,29,258 | 1,08,62,287 |
| 8) वाहन | 12,99,783 | 4,33,273 | 17,33,056 |
| 9) फोर्ड फाउंडेशन ग्रांट | | | |
| १. पुस्तकालय पुस्तकें | 2,41,291 | शून्य | 2,41,291 |
| २. शिक्षण सुविधायें | 2,02,500 | शून्य | 2,02,500 |
| 10) परियोजनाओं को आर्थिक सहायता देने वाली संस्थाओं की ओर से रखी परिसंपत्तियां | | | |
| १. मा सं वि.मंत्रालय | 3,56,173 | शून्य | 3,56,173 |
| २. यू एन डी पी | - | 79,200 | 79,200 |
| 11) दीक्षांत समारोह परिधान | 24,260 | - | 24,260 |
| कुल अनुसूची - ए | 16,20,34,111 | 2,13,54,299 | 18,33,88,410 |

**अनुसूची - ख** **निवेश** **राशि रु. में**

| 1990-91 रु. | विवरण | 1991-92 रु. |
|---|---|---|
| | 1) पी जी पी पुरस्कार राशि | |
| 20,000 | क) स्टेट बैंक मैसूर में सावधि जमा | 20,000 |
| 51,265 | ख) आई आई एम सहकारी समिति में सावधि जमा | 51,265 |
| शून्य | 2) सुरेन्द्र पाल मेमोरियल चेयर स्टेट बैंक ऑफ मैसूर में सावधि जमा | 12,00,00 |
| शून्य | 3) पेंशन निधि सावधि जमा | 35,90,000 |
| 71,265 | जोड़ अनुसूची - ख | 48,61,265 |

**अनुसूची - ग** **जमा** **राशि रु. में**

| 1991-91 रु. | विवरण | 1991-91 रु. |
|---|---|---|
| | III. जमा | |
| 18,41,563 | 1) टेलिफोन के लिए | 6,60,898 |
| 9,252 | 2) पानी | 9,252 |
| | 3) विद्युत आपूर्ति | 1,36,210 |
| 56,493 | 4) मकान किराये के लिए | 12,573 |
| 12,79,317 | 5) सामान्य | 94,957 |
| 2,55,914 | 6) परिसर | |
| 34,42,539 | जोड़ अनुसूची - ग | 9,13,890 |

**अनुसूची - घ** **चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम** **राशि रु. में**

| 1991-91 रु. | विवरण | 1991-91 रु. |
|---|---|---|
| | I. प्राप्य | |
| 2,05,814 | 1) विविध देन दार | 1,43,370 |
| 75,346 | 2) विविध नामे शेष | 75,346 |
| 45,340 | 3) प्राप्य शुल्क | 32,100 |
| | 4) वि. अनुदान आयोग | 2,031 |
| | II. ऋण और अग्रिम | |
| 46,693 | 1) त्यौहार अग्रिम | 59,098 |
| 15,91,126 | 2) वाहन अग्रिम | 14,93,742 |
| 30,71,446 | 3) गृह निर्माण अग्रिम | 34,10,967 |
| 2,375 | 4) वेतन अग्रिम | 2,375 |
| 2,32,889 | 5) अन्य अग्रिम | 2,06,999 |
| 52,71,029 | जोड़ अनुसूची - घ | 54,26,028 |

बेंगलूर.
दिनांक : 15 जुलाई 1992

ह./-
**एच.एस.गोपालकृष्णैया**
वित्त सलाहकार एवं
मुख्य लेखा अधिकारी

ह./-
**के.आर.एस.मूर्ति**
निदेशक

# भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर - 560 076
## वर्ष 1991-92 का आय-व्यय लेखा

| 1990-91 | व्यय | 1991-92 |
|---|---|---|
| रु. | | रु. |
| | **वेतन:** | |
| 53,914 | प्लान | शून्य |
| 1,68,52,432 | नान-प्लान | 1,85,09,082 |
| 1,01,664 | भविष्य निधि में योगदान | 94,764 |
| 48,950 | कर्मचारी कल्याण निधि में योगदान | 59,950 |
| | **विषय और कार्यक्रम:** | |
| 16,77,735 | स्नातकोत्तर कार्यक्रम | 27,74,879 |
| 5,00,157 | फैलोशिप कार्यक्रम | 5,56,139 |
| 13,68,957 | संगठन पर आधारित कार्यक्रम | 9,67,299 |
| 9,56,747 | प्रबंध विकास कार्यक्रम | 4,75,103 |
| 29,05,076 | परामर्शी और व्यावसायिक गतिविधियां | 14,65,836 |
| 10,602 | सेमिनार | 7,990 |
| 8,86,300 | प्रायोजित शोध पर विचार | 117 |
| 1,27,336 | मामले और संस्थान शोध | 1,60,054 |
| 24,856 | ब्रोशर, बुलेटिन और प्रकाशन | 1,21,012 |
| 58,674 | पत्रिकाओं का चंदा | 80,419 |
| 42,062 | प्रतिनियुक्ति और प्रशिक्षण | 51,756 |
| 21,995 | संकाय पुस्तक भत्ता | 65,910 |
| 41,275 | समिति सदस्यता | 31,350 |
| | **किराया, दर और कर:** | |
| 45,753 | किराया, दर और कर | 46,650 |
| 39,900 | संकाय आवास किराया | 22,100 |
| 12,90,187 | बिजली और पानी | 13,79,519 |
| 80,751 | बीमा | 83,256 |
| 2,71,35,323 | जोड़ आगे ले जाया गया | 2,69,53,185 |

| 1990-91 | आय | 1991-92 |
|---|---|---|
| रु. | | रु. |
| | **भारत सरकार से अनुदान** | |
| 53,914 | प्लान | शून्य |
| 2,10,61,000 | नान-प्लान | 2,39,00,000 |
| | **निजी आय:** | |
| | **कार्यक्रमों से:** | |
| 22,74,652 | स्नातकोत्तर कार्यक्रम | 28,04,392 |
| | जब्त जमानत | 1,16,982 |
| शून्य | फैलोशिप कार्यक्रम | शून्य |
| 15,62,311 | संगठन आधारित कार्यक्रम | 13,52,538 |
| 11,75,260 | प्रबंध विकास कार्यक्रम | 7,11,288 |
| 38,54,390 | परामर्शी व व्यावसायिक गतिविधियाँ | 21,88,928 |
| शून्य | सेमिनारों पर आर्थिक सहयोग | 8,000 |
| 9,06,122 | प्रायोजित अनुसंधान | शून्य |
| | **अन्य साधनों से:** | |
| 34,259 | संकाय आवास किराया | 19,042 |
| 1,04,737 | क्वाटर्स से प्राप्त किराया | 1,49,764 |
| 2,53,156 | अतिथि गृह व कार्यपालक ब्लाक | 3,24,471 |
| 3,34,688 | विविध आय | 10,61,871 |
| 3,16,14,489 | जोड़ आगे ले जाया गया | 3,26,37,276 |

बेंगलूर.
दिनांक : 15 जुलाई 1992

ह./-
**एच.एस.गोपालकृष्णैया**
वित्त सलाहकार एवं
मुख्य लेखा अधिकारी

ह./-
**के.आर.एस.मूर्ति**
निदेशक

# भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

| 1990-91 | खर्च | 1991-92 |
|---|---|---|
| रु. | | रु. |
| 2,71,35,323 | आगे लाया गया ..... | 2,69,53,185 |
| | **अनुरक्षण और मरम्मत:** | |
| 6,13,974 | ई.डी.पी. व अन्य उपकरणों का अनुरक्षण | 8,69,784 |
| 2,33,983 | भवन | 5,78,331 |
| 2,15,838 | फर्नीचर व फिटिंग्स | 3,21,560 |
| 5,65,471 | वाहन | 6,15,345 |
| 1,166 | अतिथि गृह | शून्य |
| 1,47,151 | कार्यपालक खण्ड (ब्लाक) | 1,73,432 |
| 62,330 | बागवानी | 1,87,215 |
| | **स्टाफ कल्याण खर्च:** | |
| 98,331 | स्टाफ कल्याण | 1,29,232 |
| 1,73,920 | केन्टीन को आर्थिक सहायता | 2,37,345 |
| 8,98,802 | चिकित्सा खर्च की प्रतिपूर्ति | 9,69,744 |
| 1,22,342 | छुट्टी यात्रा रियायत | 1,72,908 |
| 10,698 | वर्दी | 1,13,372 |
| | **सामान्य प्रशासन:** | |
| 2,72,295 | यात्रा खर्च | 3,87,791 |
| 1,662 | भाड़ा और परिवहन | 9,529 |
| 34,843 | डाक व तार | 1,43,982 |
| 6,24,364 | टेलिफोन व टेलेक्स | 47,71,956 |
| 2,14,691 | मुद्रण व स्टेशनरी | 3,50,791 |
| 93,930 | विधिक खर्च | 1,20,525 |
| 85,490 | विज्ञापन | 1,32,492 |
| 3,40,523 | उपभोज्य | 2,94,856 |
| 6,19,979 | अन्य फुटकर खर्च | 6,68,486 |
| 67,480 | लेखा परीक्षा शुल्क | शून्य |
| 3,550 | मनोरंजन खर्च | शून्य |
| 3,26,38 136 | कुल | 3,82,01,861 |

| 1990-91 | आय | 1991-92 |
|---|---|---|
| रु. | | रु. |
| 3,16,14,489 | आगे लाया गया ..... | 3,26,37,276 |
| 10,23,647 | आय पर खर्च का आधिक्य | 55,64,585 |
| 3,26,38,136 | कुल | 3,82,01,861 |

बेंगलूर.
दिनांक : 15 जुलाई 1992

ह./-
**एच.एस.गोपालकृष्णैया**
वित्त सलाहकार एवं
मुख्य लेखा अधिकारी

ह./-
**के.आर.एस.मूर्ति**
निदेशक

# भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर - 560 076
## वर्ष 1991-92 के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान लेखा

| प्राप्तियाँ | 1991-92 | |
|---|---|---|
| | योजना रु. | योजनेतर रु. |
| अथ शेष | | |
| हाथ में नकदी | | |
| बैंक में नकदी | | 29,956 |
| भारत सरकार से आवर्ती अनुदान | | 76,08,836 |
| स्व० सुरेन्द्र पॉल स्मृति पीठ | 2,38,00,000 | 2,39,00,00 |
| अं०भ०नि०स नियोक्ता अंशदान | | 12,39,000 |
| को वापसी | | 12,13,534 |
| जमाएं | | 4,65,515 |
| विविध प्राप्तियाँ | | 88,246 |
| से आय | | |
| स्नात्कोत्तर कार्यक्रम | | 12,33,553 |
| संगठन आधारित कार्यक्रम | | 12,75,312 |
| प्रबंध विकास कार्यक्रम | | 7,59,527 |
| परामर्श | | 18,38,107 |
| सहायिकी सेमिनार | | 8,000 |
| प्रयोजित अनुसंधान | | 1,82,223 |
| फोर्ड फाउंडेशन परियोजना | | 57,753 |
| आई डी आर सी लेखा | | 4,000 |
| अतिथि गृह/कार्यकारी ब्लाक प्राप्तियाँ | | 50,481 |
| विविध आय | | 10,08,887 |
| योग अग्रानीत | 2,38,00,000 | 4,09,62,930 |

| भुगतान | 1991-92 | |
|---|---|---|
| | योजना रु. | योजनेतर रु. |
| **वेतन** | | 1,82,35,410 |
| क०क०नि० को संस्थान का अंशदान | | 49,340 |
| **अन्य प्रभार** | | |
| 1) **शैक्षिक** | | |
| पुस्तकालय पुस्तकें एवं पत्रिकाओं को अंशदान | | 25,20,561 |
| अनुसंधान एवं शैक्षणिक सहायता | 31,60,914 | |
| स्नातकोत्तर कार्यक्रम | | 2,54,894 |
| फैलोशिप कार्यक्रम | | 5,44,280 |
| संगठन आधारित कार्यक्रम | | 5,79,390 |
| प्रबंध विकास कार्यक्रम | | 3,94,307 |
| परामर्श एवं व्यावसायिक कार्यकलाप | | 9,74,260 |
| सेमिनार | | 6,243 |
| प्रयोजित अनुसंधान | | 9,19,061 |
| फोर्ड फाउंडेशन लेखा | | 1,66,680 |
| आई डी आर सी लेखा | | 2,100 |
| स्थिति विकास एवं संस्थान अनुसंधान | | 3,33,032 |
| विवरणिका, बुलेटिन एवं प्रकाशन | | 63,183 |
| प्रतिनियुक्ति और प्रशिक्षण | | 53,421 |
| संकाय पुस्तक भत्ता | | 65,690 |
| सोसायटी सदस्यता | | 31,350 |
| 2) **किराया, दर और कर** | | |
| किराया, दर और कर | | 9,030 |
| संकाय गृह किराया | | 17,600 |
| विद्युत और जल | | 15,27,763 |
| बीमा | | 83,256 |
| योग अग्रानीत | 31,60,914 | 2,68,30,851 |

बेंगलूर.
दिनांक : 15 जुलाई 1992

ह./-
**एच.एस.गोपालकृष्णैया**
वित्त सलाहकार एवं
मुख्य लेखा अधिकारी

ह./-
**के.आर.एस.मूर्ति**
निदेशक

# भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

| प्राप्तियाँ | 1991-92 | |
|---|---|---|
| | योजना रु. | योजनेतर रु. |
| अग्रानीत | 2,38,00,000 | 4,09,62,930 |
| योग | 2,38,00,000 | 4,09,62,930 |

| भुगतान | 1991-92 | |
|---|---|---|
| | योजना रु. | योजनेतर रु. |
| अग्रानीत | 31,60,914 | 2,68,30,851 |
| **3) रख-रखाव और मरम्मत** | | |
| ई डी पी एवं अन्य उपकरणों का रख-रखाव | | 6,43,639 |
| भवन | | 5,84,350 |
| फर्नीचर और जुड़नार | | 3,91,619 |
| वाहन | | 7,99,955 |
| कार्यकारी ब्लाक | | 1,92,459 |
| बागवानी | | 1,81,756 |
| **4) कर्मचारी कल्याण व्यय** | | |
| कर्मचारी कल्याण | | 1,44,869 |
| कैंटीन और सहायिकी | | 3,76,770 |
| चिकित्सा खर्च की प्रतिपूर्ति | | 9,72,712 |
| छुट्टी यात्रा रियायत | | 1,83,580 |
| यूनीफार्म | | 1,13,373 |
| **5) सामान्य प्रशासन** | | |
| यात्रा खर्च | | 3,76,143 |
| भाड़ा और ट्रांसपोर्ट | | 9,529 |
| डाक और तार | | 1,69,281 |
| टेलीफोन और टेलेक्स | | 22,27,320 |
| मुद्रण और लेखन सामग्री | | 9,16,105 |
| विधायी खर्च | | 1,20,525 |
| विज्ञापन | | 1,31,564 |
| उपभोज्य | | 5,06,452 |
| अन्य आकस्मिकताएं | | 6,27,896 |
| लेखापरीक्षा शुल्क | | 1,14,310 |
| योग अग्रानीत | 31,60,914 | 3,66,15,058 |

बेंगलूर.
दिनांक : 15 जुलाई 1992

ह./-
**एच.एस.गोपालकृष्णैया**
वित्त सलाहकार एवं
मुख्य लेखा अधिकारी

ह./-
**के.आर.एस.मूर्ति**
निदेशक

# भारतीय प्रबंध संस्थान, बेंगलूर

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

| प्राप्तियाँ | 1991-92 | |
|---|---|---|
| | योजना रु. | योजनेतर रु. |
| अग्रानीत | 2,38,00,000 | 4,09,62,930 |
| योग | 2,38,00,000 | 4,09,62,930 |
| **महायोग** | **6,47,62,930** | |

| भुगतान | 1991-92 | |
|---|---|---|
| | योजना रु. | योजनेतर रु. |
| अग्रानीत | 31,60,914 | 3,66,15,058 |
| भवन-स्थायी | 1,26,23,851 | |
| फर्नीचर और जुड़नार | 8,83,783 | |
| वाहन | 4,33,273 | |
| संग्रहण अग्रिम | 15,99,490 | |
| आपूर्तिकर्ताओं को अग्रिम | 1,23,980 | |
| निवेश | | 47,90,000 |
| ऋण एवं अग्रिम | | 6,81,868 |
| जमाएं | | 3,47,519 |
| **इति शेष** | | |
| हाथ में नकदी | | 53,622 |
| पेशगी व अग्रदाय | | 178 |
| डाक एवं फ्रैंकिंग | | 30,869 |
| बैंक में नकदी | | |
| अ) बचत खाता | | 27,73,539 |
| ब) फोर्ड फाउंडेशन | | 6,44,986 |
| योग | 1,88,25,291 | 4,59,37,639 |
| **महायोग** | **6,47,62,930** | |

बेंगलूर.
दिनांक : 15 जुलाई 1992

ह./-
**एच.एस.गोपालकृष्णैया**
वित्त सलाहकार एवं
मुख्य लेखा अधिकारी

ह./-
**के.आर.एस.मूर्ति**
निदेशक

# CONTENTS


| Page No. | | |
|---|---|---|
| 3 | 1. | **Board of Governors**<br>1.1 Government of India Nominees<br>1.2 Nominee of AICTE<br>1.3 Co-opted Members<br>1.4 Meetings |
| 5 | 2. | **Academic Activities**<br>2.1 Fellow Programme<br>2.2 Post Graduate Programme<br>2.3 Areas<br>2.4 Sectors<br>2.5 Centres |
| 17 | 3. | **Management Development Programmes**<br>3.1 MDPs Conducted |
| 19 | 4. | **Organisation Based Programmes**<br>4.1 OBPs Conducted |
| 21 | 5. | **Research**<br>5.1 Projects Completed<br>5.2 Projects Initiated<br>5.3 On-going Projects |
| 24 | 6. | **Publications**<br>6.1 IIMB Management Review<br>6.2 IIM-B News<br>6.3 Other Publications<br>6.4 Research Papers<br>6.5 Working Papers |
| 27 | 7. | **Consultancy**<br>7.1 Summary<br>7.2 Projects Completed<br>7.3 Projects Initiated<br>7.4 On-going Projects |
| 29 | 8. | **Foundation Day** |
| 30 | 9. | **Faculty**<br>9.1 Appointments<br>9.2 Corporate Strategy and Policy Area<br>9.3 Visiting Faculty<br>9.4 Faculty Development<br>9.5 Workshops/Seminars<br>9.6 Visitors<br>9.7 Meetings |
| 40 | 10. | **Library**<br>10.1 Additions<br>10.2 Circulation<br>10.3 Outside Reference Users<br>10.4 Composition of Users<br>10.5 Facilities<br>10.6 Timings |
| 41 | 11. | **Computer Centre** |
| 42 | 12. | **Hostel** |
| 43 | 13. | **Construction**<br>13.1 Completed works<br>13.2 Work in Progress<br>13.3 New Works<br>13.4 Campus Landscaping |
| 45 | 14. | **Personnel and Administration**<br>14.1 Staff Strength<br>14.2 Appointments<br>14.3 Legal Matters<br>14.4 Discipline<br>14.5 Departmental Canteen<br>14.6 Improvment in Telephone Communication System<br>14.7 Satellite TV<br>14.8 Shifting of Transport Garage<br>14.9 Flexibility of Shifting of Electrical Load<br>14.10 Vacation of City Office<br>14.11 Economy Measures<br>14.12 Campus Security |
| 48 | 15. | **Alumni**<br>15.1 Alumni Office<br>15.2 Other Activities |
| 49 | 16. | **Board of Governors as of March 31, 1992** |
| 50 | 17. | **Faculty as of March 31, 1992** |
| 51 | 18. | **Officers as of March 31, 1992** |
| 53 | 19. | **Statement of Accounts for 1991 - 92** |


IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

# 1. BOARD OF GOVERNORS

## 1.1 Government of India Nominees

**The five year term of the following members nominated by the Government of India expired on November 4, 1991.**

**Shri V. Krishnamurthy**
Member,
Planning Commission.

**Shri Rasheeduddin Khan**
Director, Indian Institute of Federal Studies, New Delhi.

**Shri K. V. K. Raju**
Chairman,
Nagarjuna Group of Industries,
Hyderabad.

**Shri K. K. Rao**
Former Chairman,
Kudremukh Iron Ore Co. Ltd.,
Bangalore.

**Shri Santappa**
Former Vice-Chancellor,
Madras University, Madras.

**Shri A. K. Dhan**
Cambridge School,
Ranchi.

**The Government of India appointed the following members in their place for five years from January 23, 1992:**

**Shri S. Pandit**
Management Consultant,
C-700, New Friends' Colony,
New Delhi 110 065.

**Shri T. B. Singh**
Former Chairman &
Managing Director,
Bharat Aluminium
Company Ltd.,
B-371, Sarita Vihar,
New Delhi 110 044.

**Shri P. C. Neogy**
Chairman & Managing
Director,
HMT Ltd.,
Corporate Office,
36, Cunningham Road,
Bangalore 560 052.

**Shri S. Samaddar**
Former Secretary (Steel) and
Former Member, Union Public
Service Commission,
New Delhi.

**Shri M.L. Shahare**
Director-General,
Dr. Baba Saheb Ambedkar
National Institute
of Social Sciences,
54, Anand Nagar,
Chitawad Road,
Indore 452 001.

**Shri A.K. Dhan**
Chief Administrator,
Cambridge School,
Tatisilwai, Ranchi.

## 1.2 Nominee of AICTE

The five year term of Dr. A.L. Mudaliar, All India Council for Technical Education (AICTE) nominee, expired on November 4, 1991.

In his place, Dr. Parvinder Singh, Vice-Chairman & Managing Director, Ranbaxy Laboratories Ltd., 19, Nehru Place, was nominated from February 28, 1992.

## 1.3 Co-opted Members

**The five-year term of the following members, co-opted by the Board, expired on December 31, 1991:**

**Shri B.J. Chacko**
Advocate & Income Tax
Consultant, Bangalore.

**Shri C.N.R. Rao**
Director,
Indian Institute of Science,
Bangalore.

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

**The following members were co-opted by the Board in their place for five years, from January 22, 1992.**

**Dr. V. A. Pai Panandiker**
Director,
Centre for Policy Research,
Dharma Marg, Chankyapuri,
New Delhi - 110 021.

**Shri M. S. Patwardhan**
Vice-President,
National Organic Chemical
Industries Ltd.,
Nariman Point,
Bombay.

**A list of Board Members as of March 31, 1992 is given at the end of the report.**

## 1.4 Meetings

**Meetings of the IIMB Society, Board of Governors and the Executive Committee were held on the following dates:**

| | | | |
|---|---|---|---|
| i) | Society | : | 15.04.91 |
| ii) | Board of Governors | : | 15.04.91 |
| | | | 02.08.91 |
| | | | 28.10.91 |
| | | | 22.01.92 |
| iii) | Executive Committee | : | 25.06.91 |
| | | | 14.09.91 |

# 2. ACADEMIC ACTIVITIES

## 2.1 Fellow Programme

Shri Chetan Bajaj completed the requirements for the Fellow Programme and received his Fellow title in April 1991. His dissertation topic was "Foreign Collaborations, Strategic Options, Negotiations and Implementation" and his Principal Faculty Guide was Professor S. Shivaramu. He was placed at Messrs Price Water House, New Delhi.

### 2.1.1 Admission for 1991

A total of 507 applications was received for 1991 admissions compared to 422 for 1990. Eight students were selected, in consultation with areas/sectors, for admission to the programme beginning in 1991. Seven joined. One was asked to leave for not meeting minimum attendance requirements.

For the 1991 FPM batch, admissions,for the first time, were offered area/sector wise. This was done to facilitate areas/sectors to get to know their FPM students right from the start. It will also give the areas and sectors a one year lead time to prepare and offer better advanced-level FPM courses in the second year.

### 2.1.2 Admission for 1992

A total of 1,527 requests for application forms and 687 completed applications were received. The number of applications was a quantum jump from the previous maximum figure of 312.

The factors for the increase in applications might be:

(i) The increased advertising coverage, choosing a different mix of newspapers,

(ii) a special one-page large-sized poster sent to various educational institutions to bring the programme to the attention of the potential candidates, and

(iii) the elimination of entry barrier by not requiring the application fee at the time of seeking the FPM Bulletin. The fee is now to be paid along with the filled-in application.

Out of the 687 applicants, 74 were shortlisted by the FPM Committee for research Aptitude Test (RAT) and interview.

**Classification of the 74 candidates shortlisted**

| Area/Sector | No. |
|---|---|
| Quantitative Methods & Information Systems | 25 |
| Finance | 16 |
| Marketing | 13 |
| Production & Operations Management | 6 |
| Energy | 6 |
| Organisational Behaviour, Personnel Management and Industrial Relations | 3 |
| Economics & Social Sciences | 2 |
| Centre for Agriculture & Rural Development | 2 |
| Centre for Habitat & Environmental Studies | 1 |
| | 74 |

A Research Aptitude Test (RAT) common to all area and sector candidates was held on March 16, 1992 and interviews, on March 19, 1992.

### 2.1.3 Status of FPM Students

Apart from the six first year FPM students, 17 students were continuing their studies in the Fellow programme. Their status as of March 31, 1992, was as under:

| | | |
|---|---|---|
| In 2nd year | ... | 4 |
| Finished course work and appearing for comprehensive examination | ... | 6 |
| In thesis phase | ... | 6 |
| Finished thesis and awaiting external evaluation | ... | 1 |
| Total | | 17 |

### 2.1.4 Recognition from Government

The Institute initiated follow-up action with the Ministry of HRD, for FPM to be accorded the equivalence of Ph.D. in Management, for purposes of recruitment in Government.

### 2.1.5 FPM Seminars

To expose FPM students to a cafeteria of alternative research methodologies, an FPM Seminar series was arranged during the fifth and sixth terms. Details of sessions were as follows:

| Speaker | Date | Title |
|---|---|---|
| **Ranajit Dhar** | Oct 3, 1991 | Regional Input-Output Modelling for Employment and Poverty Alleviation |
| **J.C. Bhatia** | Oct 10, 1991 | Field Survey Methodology in Health Management |
| **P.R. Brahmananda** | Oct 30, 1991 | Research Methods in Economics |
| **Sudhindra Seshadri** | Nov 13, 1991 | Research Methods in Marketing |
| **K.R.S. Murthy** | Dec 12, 1991 | Methodological Issues in Research in Business Policy |
| **M. R. Rao** | Jan 8, 1992 | Solving Large Structured Integer Problems with Applications in Lot Sizing Problems |
| **M.L. Kadambi** | Jan 22, 1992 | Research Issues in Advertising |
| **C. M. Reddy** | Jan 29, 1992 | Approach to Study of Organisations |

### 2.1.6 Award to FPM Student

An article entitled "Analysis of Fertiliser Movement in India Using a Computer Model" authored by Mr. R.S. Desikan, a Fellowship student, with Professor V.B. Kaujalgi, was published in the October 1990 issue of **Fertiliser News**. The article won the first prize of the Fertiliser Association of India, New Delhi, in the Marketing discipline.

### 2.1.7 Placement

**K. Kumar** who submitted his FPM thesis "A Study of Corporate Planning in India" joined Tata Consultancy Services. He gave his final public defence on March 11, 1992.

**M. S. Sriram** who submitted his FPM thesis "A Study of Indicators of Sickness in Rural Co-operatives" joined the Institute of Rural Management at Anand as Visiting Faculty. He gave his final public defence on March 13, 1992.

**Dr.J. P. Sahu** gave final presentation of his thesis "A Comparative Analysis of Organisation of Health Care Machinery in Hospitals" on January 23, 1992. He has returned to his parent department, namely, Department of Health, Madhya Pradesh.

**Sanjay Goel** joined the Lal Bahadur Sastri Academy of Administration as Reader in Management. He has submitted the draft of his thesis and given his Final Seminar on March 27, 1992. The topic of his research is "A Planning Model for Housing Construction Industry to Meet the Basic Needs of Shelter".

## 2.2 Post Graduate Programme

### 2.2.1 Admission to PGP 1991-93 batch

One hundred and fifty seven students were enrolled in the 1991-93 Post Graduate Programme beginning July 1, 1991. About 12 per cent were girls while 19 per cent were from SC/ST.

PGP Students Enrolled by Sex & SC/ST

| Sex | SC | ST | General | Total |
|---|---|---|---|---|
| Male | 18 | 11 | 109 | 138 |
| Female | 1 | 0 | 18 | 19 |
| Total | 19 | 11 | 127 | 157 |

Nearly 69 per cent of the batch was in the 19 to 23 year age group. Only about 9 per cent were from the Arts/Science stream at the Bachelors' level.

| Age | | Qualification | |
|---|---|---|---|
| Age (years) | Total | Degree | Total |
| 19-23 | 108 | Arts | 6 |
| 24-26 | 43 | Science | 8 |
| 27 & above | 6 | Commerce | 16 |
| | | Engg./ (non IIT) | 63 |
| | | IIT-Engg. | 64 |
| Total | 157 | Total | 157 |

Father's occupation of more than fifty per cent of the batch was government service. Nearly 50 per cent of the incoming batch had no work experience.

**Father's Occupation**

| Father's Occ. | Total |
|---|---|
| Business | 12 |
| Professional | 34 |
| Govt.Service | 82 |
| Farmer | 0 |
| Any Other | 29 |
| Total | 157 |

**Experience**

| Duration or Period | Total |
|---|---|
| No Experience | 78 |
| Upto 11 Months | 16 |
| 12 to 23 Months | 24 |
| 24 to 33 Months | 26 |
| 36 to 47 Months | 10 |
| 48 Months & Above | 3 |
| Total | 157 |

Along with nine repeaters and seven Fellowship students, the first year of PGP in 1991-92 had 173 students.

### 2.2.2 Preparatory Programme

A preparatory programme in English language, Quantitative skills, and Accounting was given from June 3 to 26, 1991, for 19 PGPs and one FPM of the batch joining in 1991.

### 2.2.3. Admission to PGP 1992-94 batch

The Common Admission Test, conducted by all IIMs, was held on December 8, 1991. 24,598 candidates took the test for all the IIMs at various test centres. The number represented an increase of 18 per cent over the 20,846 candidates who appeared on December 9, 1990.

About 14,300 candidates applied for admission to IIMB compared to 13,600 in 1990, an increase of about 5 per cent for admission to IIMB. A total of 845 candidates were called for group discussion and personal interviews. The interviews were held in six Centres in the country during March 1992.

The selection process and mailing of admission offers to selected candidates is expected to be completed by April 14, 1992.

### 2.2.4. Scholarships

The Institute offered ten-month merit scholarships at the rate of Rs.300 per month in addition to tution fee waiver, for 48 students of 1990-92 batch and 41 students of 1991-93 batch.
Besides the 99 merit scholarships, the following eleven scholarships were also awarded:

| 1990-92/(II Yr) | | | 1991-93/(I Yr) | | |
|---|---|---|---|---|---|
| **Sponsors** | **No.** | **Amount (Rs.for yr.)** | **Sponsors** | **No.** | **Amount (Rs.for Yr)** |
| City Bank | 2 | 350 | Foundation to Aid Industrial Recovery | 3 | 260 |
| Alumni Assn. | 2 | 250 | N.C.E.R.T | 1 | 2700 per year |
| | | | Tribal Welfare Scholarship(SC/ST) Hyderabad | 1 | 3350 per year |
| | | | | 1 | 3015 per year |
| | | | I.O.C.(SC/ST) | 1 | 9000 per year |

### 2.2.5 Curriculum Improvement

Several steps were taken to improve the quality of the programme. In the past, faculty members were asked to teach PGP courses so as to give them work even when their specialisation and skills did not match specific PGP course requirements. This had resulted in dissatisfaction among both students and faculty.

From 1991-92, the faculty are being encouraged to offer courses based on their areas of specialisation and research rather than viewing the PGP as a programme for finding PGP teaching load for faculty. Visiting faculty were brought in where skills and expertise were inadequate or were not available among regular faculty.

Class sizes in optional courses in the past exceeded 120 or 140 affecting the quality of teaching, participation by students, interaction and promptness of feedback. In the past, large class sizes were due to shortage of faculty and supply-demand gap in electives. Wherever possible, section sizes even for electives were brought down to between 60 and 80 so that student - faculty interaction and feedback are improved.

A PGP Advisory Committee with Professor Vatsala Nagarajan as Convenor was set up,

i) To define the core curriculum and its contents;
ii) To sequence the core courses, and
iii) To suggest improvements in the Programme for current and future needs of managers.

The Committee discussed with industry experts, alumni and others as required. The Committee held several meetings. It was expected to provide its suggestions for implementation from 1992-93 and onwards.

### 2.2.6 Courses

Elective course offerings were increased during 1991-92. Seventeen courses were offered and registered during the sixth term of 1991-92 compared to eleven of 1990-91.

The six new courses introduced were:

| Title | Faculty | Registration |
|---|---|---|
| Advertising Management Level - II | Subroto Sengupta<br>M. J. Xavier | 35 |
| Managing Advertising Operations | AAA of I*<br>P. K. Sinha | 7 |
| Globalisation of Indian Enterprises | N. C. B. Nath<br>S. L. Rao<br>R. G. Tagat | 57 |
| Environmental Appraisal of Projects | N. Naganna | 37 |
| Expert Systems & Knowledge Bases with Applications to Management | S. Krishna | 20 |
| Managing Services Marketing | P. K. Sinha<br>R. G. Tagat | 53 |

* Association of Advertising Agencies of India

A brief description of the six new courses follows:

1. **Advertising Management Level - II**
   **M.J. Xavier/Subroto Sengupta**
   **(Guest Faculty)**
   The course titled Advertising Management-II was an advanced level course meant for students who had taken Advertising Management-I course, offered in each of the fourth and fifth terms by Professor Peter Colaco.

2. **Managing Advertising Operations.**
   **AAA of India and P.K. Sinha**
   The course on Managing Advertising Operations was conducted with the assistance of the Association of Advertising Agencies of India (AAA of India). Mr.Bunty Peerbhoy, Vice-President of AAA of India facilitated in organising the practical inputs for the course. The course was meant for those PGPs wishing to pursue advertising management as a career.

3. **Globalisation of Indian Enterprises**
   **N. C. B. Nath, S. L. Rao and**
   **R. G. Tagat**
   The course focused on internationalising of Indian enterprises. It had a section on negotiating skills in an international context.

4. **Environmental Appraisal of Projects**
   **N. Naganna**
   The course focussed on the methodology for preparing environmental impact assessment of various projects (11 case discussions) reflecting the whole spectrum of different socio-economic settings.

5. **Expert Systems & Knowledge Bases with Applications to Management**
   **S. Krishna**
   The course on Expert Systems and Knowledge Bases with applications to Management incorporated heuristic and experimental knowledge for solving problems for which formal models and well defined algorithms do not exist. The course also discusses extension of database technology to incorporate more general form of knowledge.

6 **Managing Services Marketing**
   **P.K. Sinha/R.G. Tagat**
   The course focussed on issues pertaining to services in contrast to product and enhances the understanding of marketing principles as applied to service sector.

Apart from the increased elective courses, optional non-credit courses were offered by visiting experts. Some courses worth noting are:

"Operations of a Foreign Exchange Dealing Room" given on January 4 and 5, 1992, by Shri N. Krishnamurthy, Chief Dealer , Indian bank, Madras.

"Assessing the Working Capital Requirements of Borrowers and Monitoring the Amount Financed" offered over 12 sessions on Saturdays/Sundays during January-February 1992, by Shri K.V. Rao, Administrative Officer (Rehabilitation), Zonal Office, State Bank of India, Bangalore.

"A 12-session module on "Application of Computer Systems in Financial Services" offered in January 1992, by Shri Ravi Raman, Senior Executive, City Corp Overseas Software Limited, Bombay.

### 2.2.7 Physical Facilities

The splitting of large classes into smaller classes and the increased offerings in electives required more class rooms. Physical facilities such as audio-visual and seating arrangements were improved with such things as tiering and horse-shoe shaped seating arrangement for better interaction. Existing furniture, although not appropriate, were being used for the present. Further improvements are planned.

### 2.2.8 Placement for PGP

#### 2.2.8.1 Pre-Placement Talks

Placement Activity for 1992 started from November 15, 1991 with Pre-Placement Talks (PPT) and Summer Placement Interviews. A total of 106 companies showed interest in the Campus Placement Programme. 90 companies were scheduled to hold interviews, out of which 73 companies actually participated.

#### 2.2.8.2 Summer

All the 153 students in the 1991-93 batch were placed in various organisations for the Summer of 1992.

#### 2.2.8.3 Permanent

181 students of the 1990-92 batch who sought placement were placed suitably. Three students did not seek placement. The monthly starting salary ranged from Rs.3,000 to Rs. 10,500. The average salary was Rs.6,362.

| | | |
|---|---|---|
| **Sector-wise break-up** | | |
| Public Sector | : | 36 |
| Private Sector | : | 145 |
| **Area-wise break-up** | | |
| Marketing | : | 73 |
| Finance | : | 41 |
| Systems | : | 21 |
| Consultancy/Personnel | : | 18 |
| Operations Research | : | 09 |
| Export | : | 03 |
| **Major Recruitors** | | |
| Eicher Goodearth | : | 13 |
| Wipro Group | : | 12 |
| National Institute of Information Technology | : | 10 |
| Blow Plast Ltd. | : | 9 |
| Nagarjuna Signode | : | 9 |
| Citicorp Overseas Software Limited | : | 8 |

| | | |
|---|---|---|
| Shaw Wallace | : | 8 |
| ANZ Grindlays Bank | : | 8 |
| Unit Trust of India | : | 8 |
| A. F. Ferguson | : | 7 |
| Apple Industries | : | 7 |
| Unilever | : | 6 |
| Titan Watches | : | 5 |
| Maruti | : | 5 |
| Tata Iron & Steel Co. | : | 5 |
| Tata Consultancy Services | : | 5 |

#### 2.2.9 Nexus

NEXUS - The consumer Fair of IIMB with its theme LIFESTYLES was held at RSI club grounds in Bangalore on October 5 and 6, 1991. This year's participating companies included: Brooke Bond, ICI, Bank of America, Madura Coats, Wiltech, Proctor and Gamble and Titan. Apart from the company sponsored problems, the students put up stalls to study issues related to social marketing and consumerism.

The Fair attracted more than 4,000 visitors. Computer games were the main attraction, which were designed to elicit information on consumer preferences in a natural setting. The findings of the studies conducted through the games at the Fair were presented at IIMB on January 18, 1992, which was attended by representatives of the companies as well as executives from marketing research and advertising agencies. Mr.B. R. Shah, Chairman, Lipton India Ltd., was the Chief Guest for both the inaugural function at RSI Club grounds on October 5, 1991 and at the Project Presentations at IIMB on January 18, 1992.

#### 2.2.10 Convocation

The 16th Convocation was held on April 15, 1991. Shri Manmohan Singh, Former Chairman, UGC (currently Minister for Finance, Government of India), delivered the Convocation Address.

160 students of the Post Graduate Programme (141 of 1989-91 batch and 19 of 1988-90 batch) and one student of the Fellow Programme, received their diplomas and titles at the Convocation. With that, the number of PGPs graduated by IIMB went up to 1553 and the number of Fellows to 38.

## 2.3. Areas

#### 2.3.1 Economic and Social Sciences Area

ESS Area members taught 6 core courses and 2 electives in PGP and FPM programmes. The area participated in Institute's training programmes as well as training programmes conducted by external agencies. The area members also participated in seminars and workshops conducted by external agencies.

The research work of the area covered:

* Comparative Economic Systems
* International Trade and Finance
* Industrial Economics
* Economic Liberalisation of India, and
* Budget Models, Basic Needs, Market Potential for Electronics

Based on research work, nine papers/ articles were published and another four are being published.

#### 2.3.2 Finance and Control

As in the past, the Area offered three core courses in the first year and seven electives in the second year of PGP. The Area was involved in guiding students in the Fellow Programme.

The Area conducted four Management Development Programmes and Organisation-Based Programmes. The Area offered two training programmes in Advanced Financial Management for senior IAS Officers. Members of the Area were also involved as participating faculty in training programmes conducted by other Areas.

Fields of interest of members of the Area included validity of the capital asset pricing model in the Indian context, capital market regulation mutual funds, strategic financial management, financial reporting, management control systems, and financial services.

Members of the Area were involved in major administrative responsibilities as Dean, Chairperson-PGP, Chairperson-MDP, Coordinator-Admissions, and Coordinator-Financial Aid Committee. During the year, a senior chartered accountant from Bangalore, Mr.S. Sundararajan joined the Area as Associate Professor. One member, Professor Premchander was on nine month visit to Manchester Business School on the EFMD Exchange Programme beginning October 1, 1991.

### 2.3.3 Marketing

Besides offering courses on Marketing in PGP, FPM, MDP and OBP, Marketing Area conducted five Management Development Programmes (listed under Management Development Programmes).
The area had following professors from abroad as visitors:

**Dr. Sudhindra Seshadri**
Professor,
University of Maryland,
College Park, USA.

**Dr. A. Parasuraman,**
Professor,
Texas A & M University, USA.

**Dr.P.Rajan Varadarajan**
Foley's Professor of Retailing & Marketing Studies,
Texas A & M University, USA.

**Professor Subroto Sengupta**
IIM, Calcutta.

**Professor Dipankar Chakravarti**
Department of Marketing,
Karl Eller Graduate School of Management,
University of Arizona, USA.

### 2.3.4 Organisational Behaviour, Personnel Management & Industrial Relations

The area offered and taught core and elective courses for PGP and FPM students. Area members continued their efforts in research and consultancy in the areas of industrial peace organisational growth and renewal, designing organisational structures, performance appraisal systems and organisational culture. The area has initiated and contributed significantly to the development of a new activity "Management Programme for Technologists".

### 2.3.5 Production & Operations Management

The area taught core and elective courses in Production and Operations Management for the PGP and Fellowship students.

Area offered MDPs in Materials, Productivity and Project Management and was involved in many OBPs. The Area members were involved in the Consultancy and Research relevant to Production and Operations Management.

Professors Janat Shah and L.S. Murthy joined the faculty during the year.

### 2.3.6 Quantitative Methods and Information Systems

The Area conducted three core courses and five electives for PGP and FPM.

The Area also conducted three OBPs of three weeks duration each for Central Silk Board. The faculty members were actively involved in research on topics like modelling, export systems, knowledge based systems and decision support systems.

The members of the area closely associated with the activities of the computer centre.

## 2.4 Sectors

### 2.4.1 Agriculture and Rural Development

Three sectoral courses; Agricultural Resource Management, Rural Marketing and Agriculture Finance & Credit, were offered in PGP. The sector completed one consultancy assignment relating to poultry industry entitled "Development of Poultry Industry in India" and one research study on "Research Support in Extension and Suggestions on Institutional Arrangements for Strengthening the same". Two more consultancy assignments, one on "Manpower Planning Assessment Study for Irrigated Agriculture in Madhya Pradesh" and the other one on "Computer Based Information System for Plantation Division of Kothari Industrial Corporation Ltd." were in progress. The Sector also offered independently or jointly five Organisation-Based Programmes - three for Central Silk Board on "Computer Based Economics, Statistics, Project Management and Management Information System", one for National Co-operative Development Corporation on "Vegetable and Fruit Marketing Co-operatives" in which Managing Directors and Managers participated and one for Plantation Managers on behalf of Kothari Agriculture Management Centre, Coonoor. In addition to the OBPs, the Sector offered one MDP for 15 days in the General Management Area.

### 2.4.2 Energy Management

The Energy sector continued to offer its overview course for PGP on "Energy Systems Management" and its faculty taught the following other PGP courses: Economics I, Issues in Public Policy and Environmental Appraisal of Projects, and part of the course on Public Enterprise Management.

In the Fellow Programme,the sector faculty coordinated the Research Methodology - II courses and were involved in guiding Fellow students. The faculty also gave lecture inputs in MDPs, OBP for IAS officers and in in-company management development programmes.

**2.4.2.1 Research :** Association with African Energy Policy Research Network (AFREPREN) continued. A book titled "Rural Electrification in Africa" was completed to be published by Zed Press, U.K. Sector research continued in the following areas:

* Electricity Privatisation
* Economic Assessment of Decentralised Energy Sources
* Supply Side Estimation of Wood from Forest
* Strategic Decision-Making in Oil Exploration
* Environmental Impact Assessment:The Resettlement Issues in Irrigation and Power Projects
* Conservation and Environment in Mineral Resources Extraction:Coal

**2.4.2.2 Research Papers :** The Area brought out the following research papers:

"Electricity Tariffs in Karnataka" **FPW,** 25 May 1991.
"Rural Electrification Revisited", accepted in **Energy Policy** forthcoming in October 1992 issue.
"Electricity Privatisation" paper accepted for the IAEE Conference to be held in France in May 1992.
"Issues in Energy Demand Forecasting" presented in AFREPREN Workshop in April 1992.
"Economics of Bio-gas" paper revised and submitted to **Pacific and Asian Journal of Energy.**

The Sector also participated in an international tender for Power Plant construction in Mauritius, jointly with a consortium of Indian firms, by augmenting the bid with Planning and Management inputs.

The State Government is utilising the work done by the Sector on the decentralised energy in its current endeavour to set up wind farms in Karnataka.

### 2.4.3 Education Management

The sectoral faculty taught a course on "Management of Education Systems" to PGP students.

The following studies continued during the year:

* Financial Management of Indian Universities
* An Analytical Study of Management Education.

### 2.4.4 Population and Health Management

The Centre offered a specialised course in FPM - "Hospital Support Services Management -I".

The field work for the WHO sponsored study on the "Determinants of Contraceptive Use Dynamics" was completed and a primary report was submitted to WHO. The report received wide publicity in the press. A detailed report is under preparation. Another research study on "Effect of Maternal Education on Child's Survival" sponsored by the Ford Foundation was continued. A research project entitled "Time Utilisation and Productivity of Selected Manpower Categories of the Health Teams" funded by WHO, was completed and reports submitted to the sponsored organisation. Another study on the "Organisation and Management of Health Care Delivery System in Six States" sponsored by National Institute of Health and Family Welfare, New Delhi, in collaboration with the Health Management Consortium was continued.

IIM-B hosted the fifth meeting of the Health Management Consortium of the National Institute of Health & Family Welfare, on May 10 & 11, 1991. The meeting was attended by 17 members from various management and health research institutions. The Health Mananagement Consortium is a group of 25 management and health research institutions. Its members include the National Institute of Health and Family Welfare, New Delhi, the four Indian Institutes of Management, and Institute of Management in Government, Trivandrum. Its main objectives are to promote cooperative activities among participating institutions and assist them in strengthening their activities in health management.

The Sector assembled an interdisciplinary group of IIM faculty drawn from other areas/sectors to prepare training modules for the Management Training Programme of Integrated Child Development Services (ICDS) Officers sponsored by the Ministry of Social Welfare, Government of India. The sector faculty also participated in the development of training modules for distance education of district health system managers in collaboration with the health management consortium.

**2.4.4.3 UN Assignment Reports:** The sector brought out the following reports:
"Health Manpower Development Plan for the Sultanate of Oman:1991-95, WHO-Alexandria, 1991.
"Human Resources for Health (HRH) Policy in the Sultanate of Oman - A Case Study", WHO-Alexandria, 1991.

**2.4.4.4 Conference Paper:** The sector also brought out the following conference papers:
"Maternal Mortality - A South Indian Study", presented at IV International Congress for Maternal & Neonatal Health, held at Bandung, Indonesia, September 11-14, 1991.

The sector faculty served on various committees and scientific advisory boards of national and international organisations.

### 2.4.5 Human Settlements and Environmental Studies

During the year, teaching, research, training and consultancy activities of the sector faculty focussed on the management and policy issues related to Human Settlements. A course on "Urban Settlements:Structure, Planning and Management" was offered to the PGP students.

The National Science Foundation, U.S.A., supported research study on "Development of a Decision Support System for Improving Access to Services", in collaboration with the University of Iowa, continued during the year. As part of the activities of the project, an International Expert Group meeting was organised on August 5 - 6, 1991, at the India International Centre, New Delhi. Dr. Vinod K. Tewari visited U.S.A. to participate in the Operations Research Society of America and the Institute of Management Science (ORSA/TIMS) conference held at Nashville from May 12-15, 1991. Mr. Puneet Kishor, a Ph.D. student from the University of Wisconsin, Madison, U.S.A., was associated with the sector to complete a part of his Ph.D. work. Mr. Sanjay Goyal, FPM student of the Institute received guidance from the sector faculty in his thesis work. Professors Subbarayan Prasanna and K.M. Anantharamaiah completed a study on "An Assessment of the City Corporation's Proposal to build fly-overs and sub-ways in Hudson Circle, Bangalore". This assignment was made at the request of Urban Art Commission in order to facilitate the Commission to take comprehensive decision regarding the traffic plan and design for the area.

### 2.4.6 Transportation Studies

The sector was involved in a number of sponsored research/consultancy projects funded by Ministry of Transport, Government of India and State Governments.

A project on Rural Transportation, to assess the changes in rural transportation scene during the last ten years, 1978-79 to 1988-89, covering eight different states of India has been completed. The focus of the study includes:

a. Ownership of different transport modes by settlement size and accessibility,
b. Rural transportation demand by settlement size, household income and vehicle ownership,
c. Transport Demand for commercial establishments, rural industries and rural marketing, and
d. Shift in use of different modes with respect to accessibility changes and income changes.

Major findings of the study:

* There is a shift from bio-energy modes (carts and headloads) to petroleum energy modes (motorised vehicles).
* 57.7 per cent of the traffic movement was made by trucks and 25 per cent by tractors. Thus motorised modes accounted for roughly 83 per cent of total transportation. The share of animal carts came down from 65 per cent to 15 per cent/ton-kilometers during the last ten years.
* Transport demand increased from 694 million tons to 891 million tons during the last ten years.
* Traffic movement measured in terms of ton-kilometers has increased from 2694 million to 9069 millions.

The sector faculty developed a number of computer application packages in the area of traffic and transportation.The sector is continuing its thrust in bringing modern management techniques into traffic and transportation planning, investment decisions in transport projects and impact of environment on transport policy.

## 2.5 Centres

### 2.5.1 Centre for International Management

Under the UNDP project on International Management Education, eight faculty members made trips abroad on fellowships during the year.

A total of 12 distinguished consultants visited the Institute for periods of roughly a week each.

Members of the Centre offered 6 elective courses and produced several research papers, cases and reviews during the academic year.

# 3. MANAGEMENT DEVELOPMENT PROGRAMMES

In 1991-92, 11 MDPs were conducted. The average duration of the 11 MDPs conducted was 4.1 days. The average participation per MDP was 19. Five of the 16 MDPs that were announced, had to be cancelled for want of nominations. A revised policy for MDPs was formulated to increase the number of participants per programme and to reduce the number of cancellations. The key elements of the policy are:

- to offer fewer programmes of longer duration
- broad-base the faculty and content of various programmes
- rely more on the case method of education

The design and production of brochure were improved with the help of professionals in the graphics business. The addresses for mailing of brochures have been revised and updated. A strict calendar is being insisted on for review of nominations and course content so that unplanned and last-minute cancellations are avoided.

## 3.1 MDPs Conducted

The eleven Management Development Programmes conducted during April 1, 1991 - March 31, 1992, had a total participation of 213 aggregating to 852 participant days. Average participation was 19 and average duration was 4.1 days per programme. The details of the 11 MDPs are given below:

| Sl. No. | Programme | Dates | Duration (Days) | No.of Participants |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Achieving Services Marketing Excellence | 26-27 Jul | 2 | 24 |
| 2 | Purchasing and Materials Management | 29 Jul - 1 Aug | 4 | 22 |
| 3 | Market-Driven Technology Management | 16-18 Sep | 3 | 13 |
| 4 | Purchase Negotiations | 26-27 Sep | 2 | 32 |
| 5 | Strategic Planning | 11-16 Nov | 6 | 18 |
| 6 | General Management | 25 Nov - 7 Dec | 12 | 12 |
| 7 | Financial Analysis-Modern Developments | 9-12 Dec | 4 | 35 |
| 8 | Strategic Marketing Effectiveness (Consumer Products) | 9-12 Dec | 4 | 14 |
| 9 | Finance for Non-Finance Executives | 6-10 Jan | 5 | 18 |
| 10 | Productivity Management | 15-17 Jan | 3 | 13 |
| 11 | Market Research for Strategic Marketing | 24-26 Feb | 3 | 12 |

### 3.1.1 Participation

| No. | Total Participants | No. of Days | Average Duration | Average Participation |
|---|---|---|---|---|
| 11 | 213 | 45 | 4.1 | 19 |

Private Sector : 160
Public Sector : 30
Government : 23

### 3.1.2 Areawise Break-up

| Area | Programmes Offered | Cancelled | Held |
|---|---|---|---|
| General Management | 2 | - | 2 |
| Finance & Control | 4 | 2 | 2 |
| Marketing | 6 | 1 | 5 |
| POMA | 3 | 1 | 2 |
| QMIS | - | - | - |
| OBIR | 1 | 1 | - |
| Total | 16 | 5 | 11 |

### 3.1.3 Three-month Health Management MDP

A three-month Certificate MDP in Health Management concluded on May 31, 1991. Six doctors received the certificate.

# 4. ORGANISATION BASED PROGRAMMES

The Institute conducted 15 Organisation Based Programmes with a total participation of 306 executives. Three OBPs each were for public sector undertakings (MMTC & BEL), and IAS Officers and two were for Central Silk Board, and one was for the Coir Board. Two OBPs were for private sector organisations - Hindustan Motors and Kothari Industries Corporation.

## 4.1 OBPs Conducted

| Sl. No. | Organisation/ Title | Dates | Duration (Days) | No. of Participants |
|---|---|---|---|---|
| 1. | IAS Officers<br>General Management | 12-30<br>Aug 91 | 16 | 23 |
| 2. | Hindustan Motors Ltd.<br>Financial Management | 2-7<br>Sep 91 | 6 | 20 |
| 3. | Coir Board<br>Sales Management for<br>Showroom Managers | 2-4<br>Sep 91 | 3 | 19 |
| 4. | MMTC<br>General Management | 23 Sep<br>-3 Oct | 9 | 25 |
| 5. | Central Silk Board<br>Computer Applications<br>in Economics, Statistics<br>Finance & Project Management | 14 Oct<br>1 Nov | 16 | 20 |
| 6. | B.E.L.<br>Effective Marketing | 21 Oct<br>2 Nov | 12 | 18 |
| 7. | IAS Officers<br>Financial Management Level II | 11-15 Nov | 5 | 24 |
| 8. | IAS Officers<br>Financial Management Level II | 16-20 Dec | 5 | 21 |
| 9. | NCDC<br>Training Programme for Managers<br>of Fruits & Vegetable Coops. | 16-20<br>Dec | 5 | 20 |
| 10. | National Institute of Health &<br>Family Welfare-NIHFW<br>Health & Family Welfare | 26 Dec 91<br>5 Jan 92 | 10 | 16 |
| 11. | Kothari Industries Corporation Ltd.<br>OBP General Management | 6- 11<br>Jan 92 | 6 | 17 |
| 12. | Ordnance Factory<br>Government of India<br>Health and Family Welfare | 8-21 Jan 92 | 12 | 18 |
| 13. | MMTC General Management for<br>Officers | Feb 3-13 | 10 | 24 |
| 14. | Central Silk Board<br>Computer Applications in<br>Economics, Statistics, Finance<br>and Project Management | Feb 17-<br>Mar 7,92 | 18 | 21 |
| 15. | Inst.of Plant Mgmt.<br>Programme on Marketing | Mar 9-11 | 3 | 20 |

### 4.1.1 Participation

| No. | No.of Participants | No.of Days | No. of Participant Days | Average Duration | Average Participation |
|---|---|---|---|---|---|
| 15 | 306 | 136 | 2,787 | 9 | 20 |

# 5. RESEARCH

The faculty completed four research projects during the year and initiated eight new projects. 23 projects sponsored by various organisations such as National Science Foundation, Washington DC., WHO, Switzerland, Ford Foundation, National Institute of Health and Family Welfare, New Delhi, Madras Refineries Ltd., Madras and National Institute of Educational Planning and Administration, New Delhi, are in progress.

## 5.1 Projects Completed

The following four research projects were completed during the year :

| | Project | Funding Agency |
|---|---|---|
| 1 | Relationship Atmosphere in International Business | IIM-B |
| 2 | Computable General Equilibrium Model for India 2000 A.D. | IIM-B |
| 3 | Case Development on Customer Service | IIM-B |
| 4 | Research Support to Extension and suggestions on Institutional arrangements for strengthening the same" | Ministry of Agriculture Department of Extension, New Delhi. |

## 5.2 Projects Initiated

The following eight new research projects were initiated during the year

| | Project | Funding Agency |
|---|---|---|
| 1 | Role Conflicts among Working Women | IIM-B |
| 2 | Management of External Debt | IIM-B |
| 3 | Case Development on Customer | IIM-B |
| 4 | Current State of Economic Reforms in Eastern Europe | IIM-B |
| 5 | Role of U.N.Agencies in the development of Underdeveloped Countries - Policy Issues & Perspectives | IIM-B |
| 6 | Service Advertising | IIM-B |
| 7 | Management of Social Change - A Case Study of IIM Graduates | IIM-B |
| 8 | Designing and Inter-linking Traffic Signals Using TRANSYT | Bangalore City Corporation |

## 5.3 On-going Projects

The following 23 Research Projects were in progress during the year:

| | | |
|---|---|---|
| 1 | Unionisation Among White Collar and Professional Employees | IIM-B |
| 2 | A Survey of Training Needs of Management Teachers | IIM-B |
| 3 | The Process of Developing and Maintaining Distractive Organisational Culture | IIM-B |
| 4 | Using Financial Data to Express Stock Prices | IIM-B |
| 5 | Performance of New Issues on the Indian Capital Market | IIM-B |
| 6 | A Comparative Study of the Pattern of Changes in Sectoral Percapita Income between 1970-71 and 1986-87 | IIM-B |
| 7 | Management of Panchayatraj in Karnataka | IIM-B |
| 8 | Management of Primary Schools | IIM-B |
| 9 | An Assessment of the Vocational Education Programme in Selected Colleges of Karnataka | IIM-B |
| 10 | Analytical Study of Management Education in Southern Region | IIM-B |
| 11 | Role of Traditional Medical Practitioners in Primary Health | IIM-B |
| 12 | Problem Facing the Departments of Health & Family Welfare in One or Two States | IIM-B |
| 13 | Structural Changes in the Composition of Costs in Coal Mining Industry | IIM-B |
| 14 | Indian Borrowing on International Capital Markets in the Eighties | IIM-B |
| 15 | Traffic Management in Junctions Using TRANSYT | IIM-B |
| 16 | Development of a DSS for Improving Locational Efficiency of Service Systems | National Science Foundation, Washington, D.C. |
| 17 | Determinants of Contraceptive Use Dynamics | WHO, Switzerland |
| 18 | The Effect of Mother's Education on Child Survival | Ford Foundation |
| 19 | Time Utilisation and Productivity of Selected Manpower Categories of the Health Teams | WHO |

| | | |
|---|---|---|
| 20 | Organisation and Management of Health Care Delivery System in Six States | National Institute of Health and Family Welfare, New Delhi. |
| 21 | Financial Management of Indian Universities | National Institute of Educational Planning and Administration, New Delhi. |
| 22 | Cases of Industrial Peace | Mahindra & Mahindra, Bombay. |
| 23 | Long Range Planning in Indian Public Sector | Madras Refineries Ltd., Madras. |

# 6 PUBLICATIONS

## 6.1 IIM-B Management Review

IIM-B Management Review is a bi-annual journal of the Institute. During 1991, a combined volume (No.1 & 2) was published.

## 6.2 IIM-B News

IIM-B News is a monthly publication on campus activities/events of interest to IIM-B community and its Alumni. During 1991-92, 12 issues were published and circulated among the faculty, Board members and Alumni.

## 6.3 Other Publications

### 6.3.1 Book

Shiva Ramu S, **New Dimensions in Advertising Management** New Delhi: Himalaya Publishing House, 1991.

**Chary S.N, Vinod Vyasulu**
"Managing India's Planning"
Printwell Publishers, Jaipur,
December 1991.

**Ghosh B**
"Assessment of Management Performance in Human Resources for Health Management",
Indian Institute of Management,
Bangalore, 1991. (Edited)

**Shiva Ramu S**
"Advertising Agencies:Global and Indian Perspectives" Printwell, Jaipur 1991

### 6.3.2 Articles

**Nayana Tara** S
"Delinking Education from Politics"
**Kurukshetra**, New Delhi,
Vol, 39(4) pp 63-66, January 1991.

**Bijoor S.R**
"Administration of Suggestion Scheme"
**Karnataka Police Journal**,
July - Sept. 1991.

**Malathi V. Gopal**
"Education and Technological Growth - The Japanese Lesson" **Organisational Management**, July-September 1991.

**Ranajit Dhar**
(with two other authors),
"An Optimising Model for India's Eighth and Ninth Plans : with Analysis of Basic Needs" Conference on "Modelling of Large Systems", IIM-A 29- 21 Aug 1988.

**Bhatia J.C. Sanath Kumar N.S. and Ramaswamy H.**
"Dynamics of Contraceptive Use : A Study in Karnataka State, India",
**Progress in Human Reproduction Research W.H.O.,**
November 18, 1991.

**Ramnath Narayanswamy**
"The Soviet Economy: What Transition to What Market" **Economic & Political Weekly**, Bombay, Vol.XXVI, No.40, October 5, 1991.

**Chary S.N.**
"Export of Non-Traditional Items from India to European Countries" **News Letter of EFMD, Brussels** October 1991.

**Chary S.N.**
"Continental Chance for Software",
"**Computer Today**", September 1991.

**Chary S.N.**
"The JIT Gospel" TJDSCHRIFT VOOR ECONOMIE, EN MANAGEMENT September 1991.

**Chary S.N.**
"When will We Go Global", **Financial Express**, November 29, 1991.

**Ghosh B**
"Health Implications of Public Policy",
Indian Institute of Management,
Bangalore, 1991 (Edited)

**Ghosh B**
"Projection Models for Manpower Planning in PHC" in **Primary Health Care** (Edited)

**C.A.K. Yesudian**
Tata Institute of Social Sciences, Bombay 1991.

**Ghosh B**
"Toiling Children" (Case) in **Health Implications of Public Policy**
Indian Institute of Management, Bangalore 1991. (Edited)

**Ghosh B**
"Slums in India" (Case) **Health Implications of Public Policy**
Indian Institute of Management, Bangalore 1991. (Edited)

**Ghosh B**
"Methodologies for Policy Analysis in Inter-sectoral Action", in **Health Implications of Public Policy**
Indian Institute of Management, Bangalore. (Edited)

**Ghosh B**
"Health Manpower Development Plan for the Sultanate of Oman"
**UN Assignment Reports 1991-95,**
WHO Alexandria, 1991. (Edited)

**Ghosh B**
"Human Resources for Health (HRH) Policy in the Sultanate of Oman",
A case study, **UN Assignment Reports**
WHO-Alexandria, 1991. (Edited)

**Ramnath Narayanswamy**
"Mikhail Gorbachev - Saga of Unintended Consequences",
**Economic & Political Weekly,**
Bombay, January 4, 1992.

**Rao.M.R.**
"Sizing Problem with Joint Replenishment", Annual Convention of ORSI, 26-28 December 1991.
"A Multiregional Model for India, 2000 A.D." Yuji I Jin(Ed.) **Creative & Innovative Approaches to the Science of Management,** Texas, USA.

**R.Vaidyanathan**
"An Outsider's View of Insider Trading" Pioneer, New Delhi, December 27, 1991.

**Reddy S.T.S**
"Indigenous Practices for Soil and Water Conservation: A Study from Karnataka", **Farm Practices and Soil and Water Conservation Programmes** edited by Mr. John M Kerr. and published by ICRISAT, Hyderabad.

## 6.4 Research Papers

**Indira Rajaraman**
"Trade-Relevant External Value of the Rupee:1974-89"

**Kaujalgi V.B., Desikan R.S**
"A Multi-attribute Decision making Approach to Term-loan Evaluation" in the 24th Annual Convention of ORSI on December 26 -28, 1991 at Bangalore.

**Janat Shah**
"Milk Procurement Routing for Dairy Industry", Annual Convention of ORSI, 26-28 December 1991, Bangalore.

**Narsing Rao**
"An Application of Quantitative Systems Organisation to National Policy",
Annual Convention of ORSI.
26-28 Dec.1991.

**Reddy S.T.S**
"Experience in Afforestation - A Critical Analysis of Social Forestry Programme in Karnataka", paper presented at the Seminar on "Towards Greening India's Waste Lands" organised by ISEC, Bangalore, 11-13 December 1991.

**Reddy S.T.S.**
"Management of Common Property Resources (CPRs) by People", paper presented at the National Workshop on "Natural Resource Management by the People", organised by Youth for Action, Hyderabad, 19-21 January 1992.

## 6.5 Working Papers

The Institute has started a working paper series in order to facilitate the exchange of ideas among academicians and professors. The following papers have been brought out:

**Ramesh Mehta**
"Corporate Strategy Implications of the New Economic Policy"

**Prasanna Chandra**
"The New Economic Policy and Financial Liberalisation"

**Shiva Ramu S.**
"Trading in International Business : The Case of a Developing Country"

**Ranajit Dhar**
"BUDGET MODEL: An Analysis of Impact of Budget on Growth and Inflation in India during 1980-81 to 1991-92"

**Amal Ray**
"New Economic Policy and Indian Federation"

**Shiva Ramu S.**
"Tyre Industry in India - Entry Pattern of Foreign Companies"

**Shivaramu S**
"MNCs and India's New Economic Policy"

**Ranganathan V**
"Private Sector Participation in the Power Sector in India"

**Ramnath Narayanswamy**
"The Indian Perception of Perestroika in the USSR, 1985-90"
Federal Institute of East European & International Studies, Cologne, 1991.

# 7. CONSULTANCY

## 7.1 Summary

The faculty's Consultancy/OBP logging is summarised below:

| | |
|---|---|
| Total number of faculty | 53 |
| OBP (Days) | 113.5 |
| Consultancy (Days) | 301.5 |
| Professional Activities (Days) | 220.5 |
| Total | 634.5 |
| Days per faculty | 12 |

## 7.2. Projects Completed

The faculty completed the following six consultancy projects during the year:

| | Name of the Project | Funding Agency |
|---|---|---|
| 1. | PERT-CPM for the Bagalkot Reallocation Project | Bagalkot Town Development Authority |
| 2. | Management Training Course for Middle Level Officers dealing with Integrated Child Development Systems | ICDS Government of India |
| 3. | Admission Test for MBA | Sri Krishnadevaraya University |
| 4. | Retainer Consultancy | DANIDA |
| 5. | Development of Course Structure for Diploma in Sericulture Management | Central Silk Board |
| 6. | Statistical Analysis of a Large Data Set | ITC Ltd. |

## 7.3 Projects Initiated

The following ten consultancy projects were initiated during the year:

| | | |
|---|---|---|
| 1. | PERT-CPM for the Bagalkot Reallocation Project | Bagalkot Town Development Authority |
| 2. | Management Course for Middle Level Officers dealing with Integrated Child Development Services | ICDS Govt. of India |
| 3. | Retainer Consultancy | Widia India Ltd. |
| 4. | Retainer Consultancy | ACC Ltd. |
| 5. | Admission Test for MBA | Sri Krishnadevaraya University |
| 6. | Poultry Development in India | Sri Venkateshwara Hatcheries Ltd. |
| 7. | Retainer Consultancy | DANIDA |

| | | |
|---|---|---|
| 8. | Development Course Structure for Diploma in Sericulture Management | Central Silk Board |
| 9. | Review of Production Incentive Scheme | Karnataka Agro Corn Products ltd. |
| 10. | Uneven Production | ITI Limited |

## 7.4 On-going Projects

The following eight projects were in progress during the year:

| | | |
|---|---|---|
| 1. | Wood Balance Study | Govt. of Karnataka |
| 2. | Assessment of Economic Potential of Various Decentralised Energy Sources | Govt. of Karnataka |
| 3. | Rehabilitation of Bagalkot Town | Bagalkot Township Development Authority |
| 4. | Manpower Assessment for Irrigated Agriculture | Govt. of Madhya Pradesh |
| 5. | Rural Transportation Studies for Ministry of Transport | Govt. of India |
| 6. | Market Research Complex Ltd. | Semiconductor |
| 7. | A Computer Based MIS for Plantations | Kothari Industrial Corpn. Ltd. |
| 8. | Study on Rent Control Act | Govt. of Karnataka |

# 8. FOUNDATION DAY

On the occasion of the 18th Foundation Day on October 28, 1991, Dr.I.G. Patel, Former Governor of Reserve Bank of India, delivered the Foundation Day Lecture on "The New Economic Policies - A Historical Perspective". Students, faculty and staff jointly gave a cultural show on the eve of Foundation Day.

# 9. FACULTY ACTIVIITES

## 9.1 Appointments

### 9.1.1 Professors

Following Associate Professors were selected as Professors during the year :

**Areas:**

| | | |
|---|---|---|
| Marketing | : | **Ramesh G. Tagat**<br>**R.K. Vijayasarathy**<br>**P. Bhaskaran** |
| Quantitative Methods and Information Systems | : | **S. Jagadish** |
| Production and Operations Management | : | **T.S. Nagabhushana**<br>**M.R. Gopalan**<br>**S.N. Chary** |
| Finance & Control | : | **R. Vaidyanathan** |
| Organisational Behaviour and Industrial Relations | : | **V. Anand Ram** |

**Sectors:**

| | | |
|---|---|---|
| Energy | : | **N. Naganna**<br>**V. Ranganathan** |
| Transportation | : | **T.V. Ramanayya** |

### 9.1.2 Associate Professors

Following Assistant Professors were selected as Associate Professors during the year:

**Areas:**

| | | |
|---|---|---|
| Organisational Behaviour and Industrial Relations | : | **R.Ravikumar**<br>**B.R. Patil**<br>**S.R. Bijoor** |
| Finance & Control | : | **R. Narayanaswamy** |
| Economic & Social Sciences | : | **Mira Bakhru** |

### 9.1.3 New Appointments

Eight new faculty joined during the year. They are:

**S. Sundararajan** joined the Institute as Associate Professor in the Finance and Control Area on May 1, 1991. Qualified in Law and Chartered Accountancy and experienced in tax consulting, Professor Sundararajan will fill an important need in corporate tax planning, law, business and accountancy.

**B.Narsing Rao** joined the Institute as Associate Professor in the Quantitative Methods and Information Systems Area on June 6, 1991. A B.Tech. from IIT Madras, M.Tech. from NITIE, Bombay and Ph.D. from University of Iowa, Dr. Narsing Rao has taught for six years at California State University, Fresno and was on the technical staff of AT & T Bell Laboratories, New Jersey, USA. His expertise is in Operations Research and Simulation. He has done significant work in river water pollution.

**M. J. Xavier** joined the Institute on June 24, 1991 as Associate Professor in the Marketing Area. An M.Tech from Regional Engineering College, Warrangal, in Chemical Plant Engineering, and Fellow of IIM-Calcutta, Dr. Xavier has worked in industry and taught marketing at XLRI, Jamshedpur. For the last six years he has been a faculty member at the Management Development Centre of Southern Petro-chemical Industries Corporation, Madras.

**S. Rajagopalan** joined the Institute on July 8, 1991, as Assistant Professor in the Quantitative Methods and Information Systems Area. An M.Sc. in Mathematics from IIT, Delhi, M.S. in Computers and Ph.D. in Mathematics, both from Syracuse University, Dr.Rajagopalan was lecturer in IIT, Delhi, prior to joining IIM-B.

**Ramesh Mehta** joined the Institute as Professor in the General Management Area on July 19, 1991. A B.Sc. (Hons.) from IIT, Kharagpur, M.S. in Petroleum Engineering from Colorado School of Mines, U.S.A. and M.B.A. from Harvard, Professor Mehta has had extensive industrial, consulting and teaching experience. Prior to joining the Institute, he was Professor of Business Policy/ Corporate Strategy and Structure, Strategic Planning and Management of Technology at the International Management Institute, Delhi.

**Ramnath Narayanswamy** joined the Institute as Assistant Professor in Economics and Social Sciences Area, on August 16, 1991. An M.A. in Political Science from University of Poona, and Ph.D. in Economics and Sociology from the Ecole des Hautes Etudes en Sciences Sociales (EHESS), Paris, France. His areas of interest are International Relations, Soviet Political Economy and Economic Reform in Centrally Planned Economics.

**Janat Shah** joined the Institute as Assistant Professor in Production and Operations Management Area on September 3, 1991. A B.Tech. in Mechanical Engineering from IIT, Bombay and a Fellow in Management from IIM, Ahmedabad, Dr. Shah was General Manager, Jaydeep Engineering Private Limited, Ahmedabad and subsequently Assistant Professor, Institute of Rural Management, Anand.

**L. S. Murthy** joined the Institute as Assistant Professor in the area of Production and Operations Management on September 24, 1991. A B.Tech. in Mechanical Engineering from College of Engineering, Kakinada, a Technical Management Trainee from IIT, Madras, Fellow in Management from IIM, Ahmedabad. Dr. Murthy was an engineer in Production & Planning Department of Hindustan Aeronautics Ltd., Hyderabad and later Associate Professor at the Xavier Labour Relations Institute, Jamshedpur. Prior to joining the Institute, he was an Associate Professor at the Xavier Institute of Management, Bhubaneshwar.

## 9.2 Corporate Strategy and Policy Area

A general management area called Corporate Strategy and Policy was created during the year. The core members of this area are: Ramesh Mehta (Coordinator), Robendra K. Lal and K. R. S. Murthy.

## 9.3 Visiting Faculty

Six visiting faculty helped in teaching, research and other activities at IIMB. They are:

**Robendra K. Lal** joined on June 3, 1991, on a one-year visiting faculty position in the Corporate Strategy and Policy. Mr. Lal has had experience at senior levels in purchase, marketing, personnel and general management. Just before retiring in 1988, he was Regional Director, for International Naabisco Brands Inc., U.S.A. at Singapore.

**P.K. Sinha** joined on July 1, 1991, as visiting faculty for two years in the Marketing Area. Prior to joining the Institute, he was Associate Professor at Xavier Institute of Management, Bhubaneshwar. He has a BBA, M.Com. and Ph.D. from Sardar Patel University, Vallabh Vidyanagar, Gujarat.

**Peter Colaco** was visiting faculty from June 13, 1991, to December 12, 1991, in the Marketing Area. Mr.Colaco is a consultant with PARADE Advertising on organisational development and creative assignments and with PYRA-MID Educational Software and Odyssey Video Communications. He developed and offered an elective course on 'Advertising Management' for the II year PGP students during the July - September 1991 and the September-December 1991 terms.

**Amal Ray** was visiting faculty from June 13, 1991 to December 16, 1991, in the Economic and Social Sciences Area. Professor Ray was the Head, Development Administration Unit, Institute of Social & Economic Change, Bangalore, before joining the Institute. He taught the course "Indian Society" to PGP I Year students during July - September 1991.

**Sudhindra Seshadri** was visiting faculty from September 9, 1991, to November 30, 1991, and taught "Marketing Management" to PGP I year students during II term. A B.Tech. from IIT, Kanpur and a Ph.D. in Business Administration from Pennsylvania State University, Dr. Seshadri was a Project Engineer at Tata Research Design and Development Centre, Pune. He is presently faculty in the University of Maryland, College Park U.S.A.

**R.P. Iyer** was visiting faculty at the Institute from December 16, 1991 to March 31, 1992. He taught Corporate Finance for PGP I year.

**M.R.Rao**, Professor of Operations Research at New York University was visiting faculty from September 2, 1991 to January 15, 1992.

**Subroto Sengupta**, Marketing Communications Consultant and visiting faculty,IIM, Calcutta, was part-time visiting faculty During January-March,1992.

The following guest faculty participated in the Institute's activities during 1991-92.

**Dr. A. Parasuraman**
Professor,
Texas A & M University, USA

**Dr. Mario D'Souza**
Associate Administrator,
St. Johns Medical College,
Bangalore

**Dr. D. M. Agrawal**
Senior Faculty, HAL, Bangalore

**Dr. D. K. Subramaniam**
Department of Automation,
IISc., Bangalore 560 012

**Dr. C. V. Rao**
Director, ITDC,

**Professor S. K. Chakraborty,**
IIM-Calcutta

**Professor Geetha Gouri**
Institute of Public Enterprises
Hyderabad

**Professor Susheela Rao**
Consultant at Consulting &
Research Enterprise,
Hyderabad

**Shri. Ajit Mani**
Director,
Social Marketing Division,
SISTA'S Pvt. Ltd., Bangalore

**Shri N. Krishnamurthy**
Chief Dealer, Indian Bank,
Madras

**Shri K. V. Rao**
Administrative Officer
(Rehabilitation), Zonal Office,
State Bank of India, Bangalore

**Shri Ravi Raman**
Senior Executive,
Citicorp Overseas
Software Ltd.,
Bombay

**Shri P. V. Narayan Rao**
Executive Vice-President,
Canara Financial Services Ltd.

**Shri S. L. Rao**
Director General,
National Council of Applied
Economic Research,
New Delhi

## 9.4 Faculty Development

### 9.4.1 UNDP Programme

Under the UNDP International Management Education programme, the following faculty visited institutions abroad:

| Faculty | Dates | Institutions visited |
|---|---|---|
| **A.K. Rao** | April 21-<br>May 27,1991 | University of Wisconsin,<br>North-Western University. |
| **Prasanna Chandra** | April 24-<br>May 19,1991 | Institutions at New York,<br>Los Angeles, San Fransisco in<br>USA & London in England. |
| **Malathi Somaiah** | April 29-<br>May 19,1991 | University of Minnesota,<br>Minneapolis, USA,<br>University of Ottawa, Canada. |
| **K.B. Nair** | July 10-<br>August 15,91 | USA-CIM Fellowship<br>State University of Pennsylvania,<br>American Petroleum Institute,<br>Washington<br>OPEC Secretariat, Vienna, Austria. |
| **K. R. S. Murthy** | September 15-<br>October 5, 91 | London Business School,<br>New York University,<br>Harvard Business School,<br>University of Arizona & UCLA<br>and Stanford. |
| **V.B. Kaujalgi** | September 16-<br>October 13,91 | Technishe Universitat, Berlin,<br>Weidelberg, IBM Research Centre<br>Heidelberg,<br>ZIB: Kanard - Zuse - Zentrum,<br>Berlin. |

The following lectures were arranged for the PGP students:

| Speakers | Date | Topic |
|---|---|---|
| **Suresh M Sundaresan**<br>Graduate School of<br>Business Univ.<br>Columbia<br>U.S.A. | July 16,1991 | Risk Management as applied to<br>1) Corporate Finance<br><br>2) Portfolio Management<br>3) Currency exposure and<br>4) Import Price risk control. |
| **John U Farley**<br>Director, Lauder<br>Instt.of Mgmt.<br>Wharton School<br>Univ. of Penn-<br>sylvania, USA. | July 24,1991 | Profiles of Innovative Firms |

### 9.4.2 Indo-EEC Exchange Programme

Under the Indo-EEC Exchange programme, three faculty members spent the academic year in the European institutions listed below:

| | | |
|---|---|---|
| **P.N. Thirunarayana** | October 3, 91<br>July 2, 92 | ESSEC, France |
| **P.G. Apte** | October 3, 91<br>July 2, 92 | Katholicke Universiteit,<br>Leuven, Belgium |
| **Premchander** | October, 91<br>July 2, 92 | Manchester Business School, U.K. |

### 9.4.3 Other visits Abroad

| | | |
|---|---|---|
| **V.B. Kaujalgi** | June 17-<br>July 21,1991 | North Korea-UNDP Assignment<br>for creation of data base<br>for application in Government<br>departments. |
| **V. Ranganathan** | June 17-<br>20, 1991 | Gaborone - Consultancy Assignment<br>for African Energy Policy<br>Research Network (AFREPREN) |
| **J.C. Bhatia** | September<br>11-14, 1991 | Bandung/Indonesia<br>To present a paper on "Maternal and<br>Infant Mortality-Closing the Gap<br>between Prenatal Health Services"<br>at the International Congress for<br>Maternal & Neonatal Health. |
| **V. K. Tewari** | October<br>28-31, 1991 | Atlanta, U.S.A.-<br>To attend the Geographical<br>Information Systems/Land<br>Information System (GIS/LIS)<br>Conference under the Indo-US<br>Collaboration project on<br>Development of a Decision<br>Support System for improving<br>locational efficiency of<br>Service Systems. |
| **S. T. S. Reddy** | October<br>8-17, 1991 | Bangkok, Thailand-<br>To present a case study<br>"Afforesting by Deforesting<br>Commons : A Case Study of<br>Eucalyptus Movement in<br>Karnataka" at the International<br>Peoples Forum, Bangkok, Thailand. |

## 9.5 Workshops/Seminars

The following internal Workshops/Seminars were conducted during the year:

### 9.5.1 Finance Workshops

Professor R. Vaidyanathan organised the following talks under the Finance Workshop Series:

| Speaker | Dates | Title |
|---|---|---|
| **K.B. Nair** | April 11, 1991 | International Crude Oil Prices: Emerging Trends |
| **Dr.J. Sercu** | April 12, 1991 | Purchasing Power Parity |
| **P.G.Apte** | June 27,1991 | Foreign Exchange Crisis-India's Options |
| **Ranajit Dhar** | July 4, 1991 | Pricing and Income Policies Some Issues |
| **S.N. Chary** | July 11,1991 | Indo-EEC- Trade-An Analysis |
| **Suresh Sundaresan** Graduate School of Business, Columbia University, USA. | July 24,1991 | Optimal Asset Allocation |
| **Shyamal Roy** | July 25,1991 | Food Subsidies - Macro Economic Implications |
| **R. Narayanaswamy** | August 8,1991 | Leasing Industry in UK and India |
| **Marti G Subramanyam** Professor New York University | August 9,1991 | Bond Options |
| **Sris Chatterjee** Professor Fordham University, New York | August 20,1991 | Market Discipline, Bank Subordinated Debt |
| **KV Ramanathan** Professor, University of Washington at Seattle | September 5, 1991 | From Cost Plus to Kaizen: Implications for Accounting |
| **Bala Batavia** Professor De Paul University Chicago | October 3, 1991 | The Dynamics of Inflation |

### 9.5.2 Lecture-Discussion

The following speakers delivered lectures as a part of the Special Lecture-Discussion Series organised by Professor S.G. Lele:

| Speaker | Date | Title |
|---|---|---|
| **Dr. Thimmaiah** Economic Adviser Govt.of Karnataka | July 27, 1991 | Panel Discussion on "Post Budget Scenario" |

| | | |
|---|---|---|
| **Dr. Narendra Pani**<br>Economic Journalist<br>Economic Times<br>Bangalore | July 27, 1991 | - do - |
| **Mr.D.A.Shah**<br>Stock Broker | July 27, 1991 | - do - |
| **Mr.R.Sheshayee**<br>Executive Director<br>Ashok Leyland Ltd. | July 30, 1991 | "Emerging Trends in Financial Markets in India" |
| **Mr.R.C.Bhargava**<br>Chairman & Managing Director, Maruti Udyog Ltd., | August 1,1991 | Attitudes of Managers towards Companies |
| **Mr.C.P.Rangachar**<br>Managing Director<br>Yuken India,<br>Bangalore | August 28,1991 | Industrial Marketing<br>Yuken India's Experience |
| **Ramnath Narayanswamy** | August 30, 1991 | Recent Happenings in USSR, Background and Implication |

## 9.6 Visitors

### 9.6.1 UNDP Project

The following consultants visited the Institute under UNDP project on International Management Education:

**Dr. Marti G Subramanyam**
Research Professor of Finance and Economics, New York University, USA, visited the Institute on August 12, 1991, and gave talk for PGP students on Financial Products for Risk Management Available in World Financial Markets and on "Current Research in the area of International Finance".

**Dr. Madhav Kacker**
Professor of Marketing, Suffolk University, Boston, USA, visited the Institute on August 13, 1991, and gave a talk on "Current Research in Global Retailing" and "Global Trends in Retailing".

**Professor Dipankar Chakravarti,**
Department of Marketing, Karl Eller Graduate School of Management, University of Arizona, USA, visited the Institute from November 11 to 27, 1991. He gave talks to the students on the following dates:

November 20, 1991 - "The Role of Subjective Managerial Judgement in the Parameterisation of Marketing Products"

November 26, 1991 - "The Development of Augmented Product Bundles; Framing Effects on Perceived Value and Choice".

**Dr. John C Camillus,**
Professor of Business Administration, the Joseph M. Katz Graduate School of Business, University of Pittsburg visited the Institute under the UNDP assisted project on International Management Education on November 12, 1991.

**Professor Dennis J.**
Encarnation of Graduate School of Business Administration, Harvard University, U.S.A., visited the Institute from December 2-7, 1991, under UNDP Project on International Management Education. He gave the following talks to students and faculty:

December 3, 1991 - "Japan Inc.: Strategies for Economic Growth"

| | | |
|---|---|---|
| December 4, 1991 | - | "East Asia : An Emerging Yen Block?" |
| December 5, 1991 | - | "Multinationals, Trade and India" |
| December 6, 1991 | - | "Tools for Executive Training: Harvard Business School Case Study" |
| December 7, 1991 | - | "Europe Fortress or Not?" |

**Dr. Sris Chatterjee**
Fordham University, USA, visited the Institute under the UNDP Project on International Management and gave talks to the faculty and students on the following topics:

| | | |
|---|---|---|
| December 27, 1991 | - | "Curriculum Issues in Teaching of International Management" |
| December 30, 1991 | - | "Evolving Nature of Global Finance" |
| December 31, 1991 | - | "Issues in the Internationalisation of the Finance Function". |

### 9.6.2 Indo-EEC Exchange Programme

**Dr. Paul de Blot SJ**
Moderator and South East Asia Specialist at Nijenrode Business School in the Netherlands visited the Institute on January 13, 1992 and discussed with the faculty.

**Dr. A.J.J.A. Mass**
Associate Professor, Erasmus Universiteit, Rotterdam visited the Institute on January 14, 1992 and had discussions with the faculty to articulate their research areas and interest and to explore the possibility of a relationship between the Institute and the School in the years to come.

### 9.6.3 Other Visitors

A three member Chinese delegation, sponsored by the Ford Foundation and coordinated by the National Institute of Rural Development, Hyderabad, visited the Institute on May 6,1991. The Delegation was headed by Dr.Zhu Ling, Director, Institute of Economics, Chinese Academy of Social Sciences, Beijing. They held discussions with faculty on issues such as economic inequalities, poverty, economic growth and allied matters. The team was accompanied by **P. Durgaprasad** Deputy Director, Human Resources Department, NIRD, Hyderabad.

**Dr. Kris Oswalt**
Director, Information Systems, United States Agency for International Development (USAID) visited the Institute on May 30, and held discussions with members of the Integrated Child Development Programme Team at IIM-B. Their specific reference was for Management Information Systems for Integrated Child Development Services (ICDS).

**Dr. R.P. Iyer**
Director, IIM, Calcutta, visited the Institute on September 15, and held discussions of mutual academic interests with Director and concerned functionaries.

Participants of SIMCON (Small Industry Management Consultancy), organised by the National Institute of Small Industry Extension Training, Yousufguda, Hyderabad, visited the Institute on October 14, and interacted with faculty on Management Consultancy.

**Dr. Jatin K.Sengupta**
Professor, University of California, Santa Barbara, USA visited the Institute on November 8, 1991, and gave a seminar to faculty and students on "Recent Methods of Efficiency Analysis in Operations Research: Data Development Analysis".

Twenty five senior trainers representing training institutions in Afro-Asian countries, Middle East and Pacific Islands- participants of the programme - Training Methods and Skills (TMS) of

the National Institute of Small Industry Extension Training (NISIET), Hyderabad, visited the Institute on November 19, 1991.

**Mr. Stephen Dachi**
Minister Counsellor for Public Affairs, American Embassy, New Delhi and Mr. William U. Lawrence, Director for South India, U.S.I.S., Madras, visited the Institute on November 15, 1991 and held discussions with the Director, Dean and Chairpersons of Academic Activities of the Institute.

**Dr. Klaus Peter Kistner**
Professor of Business Administration, in University of Bielefeld, Germany, gave the following seminars to students:

November 15, 1991 - "Hierarchical Production Planning in Group Technology"

November 18, 1991 - "Application of Queing Theory in Production Planning"

November 19, 1991 - "Role of Computerisation in Production Planning & Control"

**Shri Hari Hariharan**
Division Executive and Former Managing Director, Citi Bank, New York, visited the Institute on December 5, 1991 and gave a talk to the faculty and students on "Recent Trends in International Finance".

**Shri Nathan Glazer**
Professor of Education and Sociology, Harvard University, visited the Institute on December 23, 1991 and discussed with Director and faculty on "Multinationalism in Education and Recent Debate on Affirmative Action" (Similar to Mandal Commission Report in India).

**Shri J.N. Chaubey** I.A.S.,
Secretary (Planning), Government of Karnataka, visited the Institute on December 26, 1991 and interacted with faculty members on "Setting up an Export Business in Raw and Processed Foods, Vegetables and Flowers from Bangalore"

**Mr. Michael Gordon**
Management Consultant from U.K. visited the Institute on January 2, 1992 accompanied by Mr. Arthur N Sanderson, First Secretary (Cultural Affairs) of the British Council. He shared his experience with the faculty in New Products Market & Business Development and Management Consulting Teams & Manpower Development.

**Mr. Itsuru Haruyama**
of Japan visited the Institute on January 3, 1992 and gave a talk to the faculty and students on "Japanese Mind from the Eyes of an Insider".

**Dr. Francine R. Frankel**
Department of Political Science, University of Pennsylvania, Philadelphia visited the Institute on January 8, 1992. She presented a proposal to the faculty for a planning grant to establish a centre at the University of Pennsylvania for the "Advanced Study of India" which proposes to focus on areas, such as:
a. Culture, Cognition and Language
b. Alternative Strategies of Development
c. Multinational and Multi-ethnic State
d. Security and Foreign Policy
e. Mass Media and Public Culture

**Mr.J.J. Baxi**
Managing Director, Gujarat Milk Marketing Federation Ltd., Anand, visited the Institute on January 14, 1992 and took part in the students' discussion on Amul Case and spoke to them on "Situation of Amul' in the Context of Proposed Liberalisation of Dairy Industry" by the Government.

**Mr. Nicholas O' Shaghnessy**
Senior Lecturer, Management Studies Group, Department of Engineering, University of Cambridge, U.K. visited the Institute on January 17, 1992 under the sponsorship of the British Council. He gave a talk to the faculty on "Competitive Advantage of Nations - Implications for Developing Countries".

**Swamy Satya Vedant**
**(Dr. Vasant Joshi)**, Vice Chancellor, Osho Multiversity, San Fransisco, U.S.A. visited the Institute on January 22, 1992 and gave a talk to the faculty and students on "Indian Values & Managerial Effectiveness".

**Shri Gurucharan Das**
President, Procter & Gamble, Bombay visited the Institute on January 29, 1992 and spoke to PGP II Year students on recent developments in his company including the launching of 'Ariel' washing powder.

**Dr. D. Swaminadhan**
Member (Higher and Technical Education), Planning Commission, New Delhi, visited the Institute on January 30, 1992.

**Dr.Sharad Chitgopekar**
Professor, Illinois State University, USA, visited the Institute on february 24, 1992, and discussed "Holding Costs of Safety Stock in Inventory Management" with the faculty and FPM students.

**Professor Lei Qihaui and**
**Mr. Yan Shjing** of South Asian Studies Institute, Sichuan University, Chengdu, Republic of China, visited the Institute on February 25, 1992 and exchanged views with the faculty.

A delegation from Sri Lanka, headed by **Mr. Lakshman R Watawala,** Director General, Greater Colombo Economic Commission, visited the Institute on February 26, 1992 and held discussions with the Dean regarding a plan to set up a Business School in Sri Lanka.

A team of Superintendents of Police (Trainers) of Sardar Vallabhabhai Patel National Police Academy, Hyderabad visited the Institute and discussed matters of mutual interest with **Professor T.P. Gopalaswamy** on March 16, 1992.

**Mr.Ranil Wickerma Singhe**
Minister of Industries, Science and Technology, Government of Sri Lanka and his delegation visited the Institute and interacted with the Director, Dean and others on March 30, 1992.

## 9.7 Meetings

Faculty meetings were held on:

| | | |
|---|---|---|
| No.155 | - | October 15, 1991 |
| No.156 | - | November 20, 1991 |
| No.157 | - | January 23, 1992 |
| No.158 | - | February 28, 1992 |

# 10. LIBRARY

## 10.1 Additions

| | Arrivals 1991-92 | As of March 31, 1992 |
|---|---|---|
| Books | 3,483 | 85,158 |
| Microfisches, Microfilms, Charts, etc. | 92 | 10,950 |
| Bound Volumes | 801 | 13,084 |
| Reprints | 595 | 2,226 |
| Journals | 43 | 582 |
| Company Annual Reports | | 800 |

## 10.2 Circulation

| | |
|---|---|
| Books issued (including journals B.V.) | 65,371 |
| Books from interlibrary loan | 49 |
| Books issued on inter library loan | 858 |
| Books consulted (including journals B.V.) | 98,622 |
| No.of visitors | 16,864 |

## 10.3 Outside reference users 1,269

## 10.4 Composition of Users

| | |
|---|---|
| Faculty & Research | 73 |
| Students | 390 |
| Administrative Staff | 406 |
| MDP participants | 761 |
| Deposit Borrowers | 105 |

## 10.5 Facilities

### 10.5.1 Micro Documents Loan Facility

With the help of five Micro Film Fische Readers and a Canon Reader Printer, materials in the non-book form (Mirco Film/Fische) were made availale for the users.

### 10.5.2 Inter Library Loan Facility/ Resource Sharing

The Library continued to be in the network of most of the Library and Information centres of India for mutual exchange of information.

### 10.5.3 Reprint Services

Through the INSDOC, British Council and direct contacts with information centres abroad, the Library continued to supply reprints of articles at short notice.

### 10.5.4 Reprographic Services

Xerox facilities were provided to the users.

### 10.5.5 Publications

The Library brought out " Recent Additions " (Monthly)," Current Paper Clippings" (Monthly) and "Current Contents of IIM-B Journals" (Monthly) regularly apart from ad hoc publications like Bibliographies and Reading Lists on demand or in anticipation.

With effect from July 1991, the library timings were changed as indicated below, for the benefit of students and faculty:

| | Previous Timings | Changed Timings |
|---|---|---|
| Weekdays | 9.30 am. to 8.30 pm | 9.30 am. to 10.30 pm |
| Saturday | 9.30 am to 5.30 pm | 9.30 am. to 5.30 pm. & additional shift from 2.00 pm to 8 pm |
| Sundays | Closed | |

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

# 11. COMPUTER CENTRE

A comprehensive plan was drawn up to promote increased use of computers in instruction, research and consultancy, operations and administration at IIMB.

As a part of this over-all plan, 20 new personal computers were acquired during the year. There was substantial addition to the software available for use in instruction and research activities, statistical analysis, development of expert systems and other tasks. The complete range of software available was upgraded to the most recent versions. Further, under Campus software License Grant (CSLG), M/s. Digital Equipment Corporation, the second largest computer company in the world, granted IIMB, license for all the software available with them.

E-Mail facility was made available to facilitate interaction with scientific and academic institutions in India and abroad. The Institute was linked to the NIC-NET to access to several databases available with NIC.

In order to promote effective use of these facilities, training courses and seminars were held throughout the year with the active participation of Faculty, students and staff. As a further stage of the plan referred to earlier, activities are under way to network all the personal computers and other systems within the academic complex.

# 12. HOSTEL

The total strength of students during 1991-92 was 366. They were accommodated in 336 single rooms in the hostel and ten faculty quarters. Eight bathrooms and toilets were added to the hostel and water proofing carried out.

# 13. CONSTRUCTION

## 13.1 Completed Works

The civil, electrical and plumbing work as well as the interior furnishing of the lounge, and the kitchen and dining hall in the Executive Block was completed.

Two DG sets to provide stand-by power supply to the entire campus were installed.

## 13.2 Activities in Progress

The following four major construction projects progressed during 1991-92:

i. Library/Computer/Canteen Block
ii. 220 Class Room
iii. Student Common Hall

### 13.2.1 Library/Computer/Canteen Block

A sum of Rs. 230 lakh was estimated for construction of Library, Computer and Canteen blocks. So far an amount of Rs.181 lakhs has been spent. Construction of library block, first floor, was in progress.

### 13.2.2 220 Class Room

Revised drawings for increasing the class capacity from 170 to 220 were received from the Architects. The work was in progress as per contract. The first floor of the corridor roof was cast partly. The work is targetted for completion by December 1992.

### 13.2.3 Student Common Hall

Finishing works of Common Hall in between the hostel and the library block, costing Rs.13.44 lakh, were under progress. Roof and sky light concreting were completed.

## 13.3 New Works

The following new construction projects at a tender cost of Rs.1.65 crore were initiated during 1991-92:
Dormitory No.9 & 10,
Building for State Bank of Mysore, Campus Branch.

### 13.3.1 Dormitory No.9 & 10 with Kitchen & Dining Block

The work, at a tender cost of Rs.147 lakh, awarded to Messrs Voltas International Pvt. Ltd. was started.

### 13.3.2 Building for State Bank of Mysore, Campus Branch

The plan for the construction of a building to be occupied by the State Bank of Mysore for its Campus Branch, was finalised, at an approximate cost of Rs. 18 lakh loaned by the State Bank of Mysore.

## 13.4 Campus and Landscaping

### 13.4.1 Awards

In 1990-91, the Institute entered two flower show competitions, in the category of educational Institutions, one conducted by the Bangalore Urban Arts Commission and the other by the Mysore Horticultural Society, Lal Bagh and won first prizes in both the competitions.

For the second year in succession, the Institute bagged in January, 1992, first prize for the best maintained garden and buildings, amongst all the educational institutions in Bangalore, awarded by the Bangalore Urban Arts Commission.

### 13.4.2 Tree Planting, Garden, Lawns and Jogging Track

A tree planting project with the support and assistance of the forest department of Karnataka was inaugurated in May 1991. About 3,000 saplings of shade giving trees namely rain tree, peltoform, honge, neem, mango and Jamoons were planted all along the periphery and on the sides of the main avenues on Campus.

Development of a garden in front of the Executive Block and a vegetable garden near the over-head water tank was undertaken. A jogging track along the front boundary wall of the Institute was completed.

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

### 13.4.3 Lease of horticultural products

For the first time, Institute's horticultural products, viz., coconut, gauva and grass, were given out on yearly lease fetching a modest income.

### 13.4.4 Conservation of rain water

To augment the limited water supply for horticulture, especially during the summer months, digging of ponds to store rain water was undertaken.

# 14. PERSONNEL AND ADMINISTRATION

## 14.1 Staff Strength

Staff strength during 1991-92 as compared to previous year was as follows :

| | As of March 31, 1992 | Change |
|---|---|---|
| Supervisory Staff (Group B) | 24 | +1 |
| Clerical Staff and Drivers (Group C) | 230 | +6 |
| Peons, Malis, Sweepers (Group D) | 97 | -25 |
| Officers | 25 | +8 |
| Faculty | 56 | +8 |
| Total | 432 | -4 |

## 14.2 Appointments

**Dr. R.S. Bhagavan** joined on 18.11.91 as Resident Doctor

**Shri H.S. Gopalakrishnaiah,** Deputy Director, Office of the Principal Director of Commercial Audit & Ex-Officio Member of Audit Board, Bangalore joined on 9.12.91 as FA & CAO for a period of two years.

**Shri B.S. Gopalan** joined on 2.3.92 as Superintending Engineer initially for a period of two years. Prior to joining the Institute, he was in the Military Engineering Service.

**Lt.Col.Kamath** (Retd.) joined on 5.9.91 as Administrator (Technical) Campus Facility.

**Shri V. Ramakrishnan**, Audit Officer, Office of the A.G., Bhubaneshwar, joined on 24.4.91 as Internal Audit Officer on deputation for a period of two years.

**Shri U.H. Subramanya**, Assistant Executive Engineer(Electrical), KEB, joined on 27.8.91 as Assistant Executive Engineer (Elecl.) on deputation for an initial period of two years.

## 14.3 Legal Matters

The Institute had filed a civil suit against Mr. Arun P Elhance, Research Fellow, for breach of contract. The case had been finalised in 1988 and the Court had directed Mr. Arun P Elhance to pay about Rs.49,000/- to the Institute. A concerted attempt was made during the year to recover the amount and the same was received. Two similar Court decrees for recovery of a total amount of about Rs.2 lakh are still pending for execution. Action has been initiated for recovery of the amount.

## 14.4 Discipline

Discipline in general improved. Employees are punctual, do not leave office during working hours and are not absent without permission. During the year nine enquiries were completed, disciplinary action has been taken against nine employees. Five were removed from service and increments were stopped with cumulative effect for four employees.

A number of procedures were reviewed and instructions issued to tone up and improve the administrative set up. Instructions for dealing with annual office inspection, procedures for redressal of staff grievances, for initiating disciplinary action, standing orders on security matters, and for scrutiny and passing of construction bills were issued.

Administrative offices were inspected and collective measures to overcome the shortcomings in office procedure, maintenance of files and records, accounting of stores and equipments were taken.

A time-bound programme for redressal of individual grievances was put in place. Grievances of 92 employees were settled out of a total of 119 grievance applications.

A system was introduced for administering appropriate tests to ensure that an employee before being promoted has in fact a certain minimum standard of efficiency. To encourage those who have not passed the test and consequently not promoted, refresher courses have been conducted. Such tests and refresher courses have made a regular feature for improving the functional efficiency of employees.

## 14.5 Departmental Canteen

The Departmental Canteen which was functioning from a make-shift location in main corridor in front of the faculty C Block was shifted to the new Canteen building near the Computer Centre. It provided much better space and facilities for the employees.

## 14.6 Improvement in Telephone Communication System

An Uninterrupted Power Supply System (UPS) was installed in the Institute EPABX during September 1991. Since then, the Exchange has functioned at 100 per cent efficiency.

## 14.7 Satellite TV

A Satellite TV Cable Network was installed in February 1992, providing round the clock availability of news, views, commentary, and interviews. It has been welcomed by the MDP programme participants. As a welfare measure, a branch connection has been given to Campus residents, the cabling costs for which was shared by them by raising a loan of Rs.50,000. This loan will be discharged from monthly subscriptions being collected from campus residents availing the facility.

## 14.8 Shifting of Transport Garage

A temporary structure erected near the water tank was being used as transport garage. It was quite out of tune with its surrounding environment at the central peak spot on Campus. Therefore the garage was shifted from that location and re-located near its permanent site at the Southern edge of the Campus, as per the master plan.

## 14.9 Flexibility in Shifting of Electrical Load

The Institute has two electrical sub-stations. In order to shift the load from one sub-station to another in case of a break-down, an underground cable interconnecting the two sub-stations was laid.

## 14.10 Vacation of City Office

The city offices were handed over to the owners during August 1991. Institute property kept in these buildings were checked, sorted out and conditioned. Items unserviceable were disposed of by auction and the remainder shifted to the Campus. The City offices of the Institute were finally handed over to the owners during August 1991.

## 14.11 Economy Measures

A number of economy measures were instituted to reduce expenditure. These are:

### 14.11.1 Electricity

Consumption of electricity was cut. Savings to the tune of Rs.12,000 per month were effected by removing superfluous and non-essential light points. Energy meters were fitted in hostel and Executive Block to control consumption and help billing users on actuals.

### 14.11.2 Medical Bills

Medical claims have been rising disproportionately for some time past. As it is difficult to weed out bogus and inflated claims by routine checks, it was decided to institute a Special Medical Board to examine cases of excessive claims. Doctors/chemists were approached in such cases to confirm the diagnosis/medicines prescribed. Employees have been warned that those preferring bogus/inflated claims will be severely dealt with. These measures have had the desired effect. Medical claims have started coming down.

### 14.11.3 Stationery

Demand for stationery was pruned before sanctioning the purchases. Envelopes were used a number of times before being discarded. Waste paper was shredded and sold, instead of being burnt.

### 14.11.4 Xeroxing

Three Xerox machines were installed on contract basis. The machines, paper, man-power, and toner, are provided by the contractor. His charges for xeroxing (35 paise per page) is considerably cheaper than our xerox section cost of 50 paise per page. The strength of xerox section was cut to 50 per cent. Man-power thus rendered surplus was re-deployed.

### 14.11.5 Students Mess

By close monitoring and eliminating wastages and pilferage, the average daily messbill for students was reduced by about Rs.3.

### 14.11.6 Disposal of Unserviceable unwanted stores and vehicles

Unserviceable/unwanted stores and vehicles in the Institute were steadily growing over the years. Besides being dead-stock, they were occupying valuable space. These were disposed off fetching the Institute approximately Rs.6 lakh. Similar action is being taken in respect of air-conditioning equipment and generating sets.

### 14.11.7 Repair/Maintenance of Vehicles

During the year, repair/maintenance of vehicle fleet was done on the Campus by our mechanics with outside assistance. This reduced costs, speeded up repairs and decreased vehicle off-road period.

### 14.11.8 Destruction of old records

Old files and papers, which were occupying large storage place were destroyed based on the recommendation of Committee constituted for the first time, to examine these and recommend destruction of unwanted old records as per Government of India norms.

## 14.12 Campus Security

The security environment in the Institute was greatly improved by:

- Issue of detailed Security Standing Orders
- Issue of Identity Cards for employees;
- Issue of temporary passes for those working in the Institute other than employees namely, domestic servants, contractors labour and hawkers;
- Plugging of vulnerable areas in the boundary wall to prevent infiltration by fixing sharp objects on top of the wall.

# 15. ALUMNI

## 15.1 Alumni Office

The IIM-B Alumni Association has now an office on the Campus and also administrative support for its activities. This office which is designated 'Placement & Alumni Lounge', was inaugurated on September 1,1991 by Dr. N.C.B.Nath, Chairman, Foundation and Aiding Industrial Recovery.

## 15.2 Other Activities

During 1991-92, the Alumni Association organised, besides its annual general meeting and two get-togethers with fun and games, one interactive discussion on the new economic policy involving Dr. N.C.B.Nath, Chairman, FAIR, Dr. S.L. Rao, Director General, National Council of Applied Economics and Research (NCAER), Professor Rakesh Khurana, Director, School of Management, Indira Gandhi National Open University and Prasanna Chandra, Professor, IIMB. There were also professional lectures by:

i) Professor Robendra K.Lal on 'The Multinationals'
ii) Professor Prasanna Chandra on 'The Personal Investment Strategy'
iii) Dr. Sudhindra Seshadri on the 'Emerging Trends in Purchase Management'
iv) Dr. P.Rajan Varadarajan on 'Shaping Corporate Destiny by Managing the Marketing Environment'

# LIST OF MEMBERS OF THE BOARD OF GOVERNORS AS ON 31.3.1992

## CHAIRMAN

**Dr. G.V.K. Rao**
344, I Block
Near Ashok Pillar
Bangalore-560 011

## MEMBERS

1. **Shri S.K. Bannerjee**
Financial Adviser
Ministry of HRD
(Department of Education)
Room No.321, A-Wing
Shastry Bhavan
New Delhi-110 001

2. **Shri M.P.M. Kutty**
Director (T)
Government of India
Ministry of HRD
Department of Education
Room No.217, 'C' Wing
Shastri Bhavan
New Delhi-110 001

3. **Shri N.R. Krishnan**
Addl. Secretary,
Ministry of Industry
Department of Industrial
Development
Udyog Bhavan,
New Delhi-110 001

4. **Shri Suresh Kumar**
Secretary Bureau of Public
Enterprises
C.G.O. Complex, Block
No.14 Lodi Road
New Delhi-110 003

5. **Shri T.P. Issar**
Chief Secretary
Government of Karnataka
Vidhana Soudha
Bangalore-560 001

6. **Shri C.T. Benjamin**
Commissioner &
Secretary to Govt. Education
Department, Room No. 546
Multistoreyed Building
Dr. Ambedkar Road
Bangalore-560 001

7. **Dr. K. Hanumanthappa**
Vice-Chancellor
Bangalore University
Jnana Bharathi
Bangalore-560 056

8. **Dr. Parvinder Singh**
Vice Chairman & MD
Ranbaxy Laboratories Ltd.
No.19. Nehru Place
New Delhi-110 019

9. **Shri S. Pandit**
Former Executive Director
Philips India Limited
C-700, New Friends Colony
New Delhi-110 065

10. **Dr. T.B. Singh**
Former Chairman &
Managing Director
Bharat Aluminium Co. Ltd.
B-371, Sarita Vihar
New Delhi-110 044

11. **Shri Provash Chandra Neogy**
Chairman & Managing Director
Hindustan Machine Tools Ltd.
36, Cunningham Road
Bangalore-560 052

12. **Shri S. Samaddar**
Former Member, UPSC
K/1997
Chitranjan Park
Kalkaji
New Delhi-110 019

13. **Sri S. Ghosh**
Deputy Director General
(Technological Services)
National Productivity
Council
New Delhi

14. **Dr. M.L. Shahare**
Director General
Dr. Ambedkar National
Institute of Social Sciences
54, Anand Nagar
Chitawad Road
Indore-452 001

15. **Dr. Anuj Kumar Dhan**
Chief Administrator
Cambridge School
Tatisilwai
Ranchi-835 103
Bihar

16. **Prof. Indira Rajaraman**
Professor
Indian Institute of Management
Bannerghatta Road
Bangalore-560 076

17. **Dr. Ram S Tarneja**
Advisor
Bennett, Coleman & Co. Ltd.
Dadabhai Naoroji Road
Bombay-400 001

18. **Dr. V.A. Pai Panandiker**
Director
Centre for Policy Research
Dharma Marg, Chanakyapuri
New Delhi-110 021

19. **Dr. N.R. Sheth**
Professor
Indian Institute of Management
Vastrapur
Ahmedabad-380 056

20. **Shri M.S. Patwardhan**
Vice President
National Organic Chemcial
Industries Ltd.
Nariman Point,
Bombay-400 021

21. **Shri Tallam Radhakrishna Setty**
34, Surveyor Street
Basavanagudi
Bangalore-560 004

22. **Shri Gurpreet Singh**
Managing Director
Continental Devices India Ltd.
C-120, Narain Industrial Area
New Delhi-110 011

23. **Dr. K.R.S. Murthy**
Director
Indian Institute of Management
Bannerghatta Road,
Bangalore-560 076

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

# LIST OF FACULTY AS ON 31.3.1992

## DIRECTOR

Dr. K.R.S. Murthy

## PROFESSORS

1. V. Anand Ram
2. K.M. Anantharamaiah
3. P.G. Apte
4. P. Bhaskaran
5. J.C. Bhatia
6. B.K. Chandrashekar
7. S.N. Chary
8. P.V. George
9. B. Ghosh
10. M.R. Gopalan
11. T.P. Gopalaswamy
12. R.K. Herlekar
13. Indira Rajaraman
14. S. Jagadish
15. V.B. Kaujalgi
16. S.G. Lele
17. T.S. Nagabhushana
18. V. Nagadevara
19. N. Naganna
20. K.B. Nair
21. S. Prasanna Chandra
22. T.V. Ramanayya
23. Ramesh Mehta
24. Ranajit Dhar
25. V. Ranganathan
26. A.K. Rao
27. A.V. Shanmugam
28. S. Shiva Ramu
29. Shyamal Roy
30. Subbarayan Prasanna
31. R.G. Tagat
32. V.K. Tewari
33. P.N. Thirunarayana
34. R. Vaidyanathan
35. Vatsala Nagarajan
36. R.K. Vijayasarathy

## ASSOCIATE PROFESSORS

1. S.R. Bijoor
2. Kalyani Gandhi
3. S. Krishna
4. Malathi Somaiah
5. Mira Bakhru
6. B. Narasinga Rao
7. R. Narayanaswamy
8. B.R. Patil
9. R. Ravi Kumar
10. S. Sampangiramaiah
11. S. Sundararajan
12. M.J. Xavier

## ASSISTANT PROFESSORS

1. Janat Shah
2. C. Manohar Reddy
3. L.S. Murty
4. S. Nayana Tara
5. Premchander
6. S. Rajagopalan
7. Ramnath Narayanswamy
8. B. Shekar

## FACULTY RESEARCH ASSOCIATE

1. M. Siddappa

## VISITING FACULTY

1. P.K. Sinha
2. R.K. Lal

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | Director | -- | Dr. KRS Murthy |
| 2. | Dean | -- | Prof. Vatsala Nagarajan |
| 3. | Chief Administrative Officer | -- | Brig. B. Ramaswamy |
| 4. | Financial Adviser & Chief Accounts Officer | -- | Sri. H.S. Gopalakrishnaiah |
| 5. | Superintending Engineer | -- | Sri. B.S. Gopalan |
| 6. | Manager, Computer Centre | -- | Sri. S.I. Fazzuludin |
| 7. | Personnel Manager | -- | Sri. G.Y. Suhas |
| 8. | Senior Finance Officer | -- | Sri. T.S. Natarajan |
| 9. | Librarian | -- | Sri. Chikkamallaiah |
| 10. | Administrative Officer (M) | -- | Sri. H.V. Hirannaiah |
| 11. | Administrative Officer (GA) | -- | Sri. V.S. Gopinatha Rao |
| 12. | Administrative Officer (S) | -- | Sri. S. Srikant |
| 13. | Administrative Officer (Publications) | -- | Smt. H. Kala |
| 14. | Administrative Officer (SW) | -- | Sri. D.R. Ramadasaiah |
| 15. | Administrator (Technical) Campus facilities | -- | Lt. Col. A.N. Kamath |
| 16. | Finance & Account Officer | -- | Sri. R. Chandrasekhara Rao |
| 17. | Internal Audit Officer | -- | Sri. V. Ramakrishnan |
| 18. | Security & Transport Officer | -- | Lt. Col. G. Lakshman Singh |
| 19. | Assistant Librarian grade I | -- | Smt. N. Anuradha |
| 20. | Assistant Librarian grade I | -- | Smt. Theresa Williams |
| 21. | Horticulture Officer | -- | Sri. K. Mahalingam |
| 22. | Resident Doctor | -- | Dr. R.S. Bhagavan |
| 23. | Administrative Officer OPI/C | -- | Sri.R. Neelakantan |
| 24. | Assistant Engineer (Civil) | -- | Sri. V. Padmanabhan |
| 25. | Assistant Engineer (Civil) | -- | Sri. S.V. Krishne Gowda |

## On Deputation from P.W.D. Government of Karnataka:

| | | | |
|---|---|---|---|
| 26. | Assistant Engineer (Civil) | -- | Sri. B.G. Srinivasa Murthy |

## On Deputation from Karnataka Electricity Board:

| | | | |
|---|---|---|---|
| 27. | Assistant Executive Engineer (Ele) | -- | Sri. U.H. Subramanya |
| 28. | Assistant Engineer (Ele) | -- | Sri. R.N. Chandrashekar |

तेजस्वि नावधीतमस्तु

Indian Institute of Management Bangalore

# Statement of Accounts for 1991 - 92

# AUDIT CERTIFICATE

I have examined the Receipts and Payments Account / Income and Expenditure Account for the year ended 31st March 1992 and the Balance Sheet as on 31-3-1992 of Indian Institute of Management, Bangalore. I have obtained all the information and explanations that I have required, and subject to the observations in the appended Audit Report, I certify, as a result of my audit, that in my opinion these Accounts and Balance Sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the state of affairs of the Indian Institute of Management, Bangalore according to the best of information and explanations given to me and as shown by the books of the organisation.

Place: Bangalore
Date : 8th October, 1992

Sd/-
(S.V. Unnikrishnan)
Accountant General (Audit)-I

# INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT BANGALORE
## BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 1992

| 1990 - 91 Rs. | CAPITAL AND LIABILITIES | | 1991 - 92 Rs. |
|---|---|---|---|
| | **1. GRANTS, DONATIONS AND CORPUS:** | | |
| 67,95,000 | a) Govt. of Karnataka | | 67,95,000 |
| | b) Govt. of India | | |
| | Opening Balance | 16,01,15,587 | |
| 16,01,15,587 | During the year | 2,38,00,000 | 18,39,15,587 |
| 4,43,791 | c) Ford Foundation Grant | | 4,43,791 |
| 3,56,173 | d) Research Grant Min. of H.R.D. | | 3,56,173 |
| - | e) U.N.D.P. | | 79,200 |
| - | f) G.O.I. - U.N.D.P. | | 2,78,484 |
| - | g) Late Surendra Paul Mem. Chair | | 12,39,000 |
| 71,265 | h) P.G.P Prize Fund | | 71,265 |
| | **II. RESERVES AND FUNDS** | | |
| 23,93,454 | a) For Pension | | 36,06,988 |
| 4,38,234 | b) For House building Advance | | 8,16,661 |
| | **III. CURRENT LIABILITIES** | | |
| 17,35,435 | a) For Expenses | | 18,99,787 |
| 1,82,612 | b) Sundry Creditors | | 1,82,612 |
| 16,79,352 | c) Sundry Credit Balances | | 14,61,384 |
| 5,69,025 | d) Deposits | | 11,19,216 |
| | **IV. ONGOING PROGRAMMES AND PROJECTS** | | |
| 24,80,861 | Sponsored Research Grant | 1,90,81,746 | |
| | Less Exp. | 1,73,36,645 | 17,45,101 |
| 8,66,410 | Consultancy Income | 23,44,814 | |
| | Less Exp. | 14,33,453 | 9,11,361 |
| 17,81,27,199 | TOTAL CARRIED OVER | | 20,49,21,610 |

| 1990 - 91 Rs. | ASSETS | | 1991-92 Rs. |
|---|---|---|---|
| 16,20,34,111 | **I. FIXED ASSETS** (As per Schedule A) | | 18,33,88,410 |
| 35,82,558 | **II. ADVANCES ON CAPITAL A/C** | | |
| | Mobilisation of Advance | 31,71,291 | |
| | Advance Cost of Land | 12,23,619 | |
| | Advances to Suppliers | 6,75,000 | 50,69,910 |
| 71,265 | **III. INVESTMENTS** (As per Schedule B) | | 48,61,265 |
| 34,42,539 | **IV. DEPOSITS** (As per Schedule C) | | 9,13,890 |
| 52,71,029 | **V. CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES** (As per Schedule D) | | **54,26,028** |
| | **VI. CASH AND BANK BALANCES** | | |
| 29,596 | i) Cash on Hand | | 53,622 |
| 15,180 | ii) Imprest | | 178 |
| 16,366 | iii) Postal and Franking | | 30,869 |
| | iv) With Bank | | |
| 68,54,761 | a) Saving A/c | | 27,73,539 |
| 7,54,075 | b) Ford Foundation Grant | | 6,44,986 |
| 18,20,71,480 | TOTAL CARRIED OVER | | 20,31,62,697 |

Bangalore
Dated : 15th July, 1992

Sd/-
**H S Gopalakrishnaiah**
Financial Adviser &
Chief Accounts Officer

Sd/-
**KRS Murthy**
Director

# INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT BANGALORE

| 1990 - 91 Rs. | CAPITAL AND LIABILITIES | | 1991 - 92 Rs. |
|---|---|---|---|
| 17,81,27,199 | B/F | | 20,49,21,610 |
| 2,17,853 | Organisation Based Programmes | | |
| | Income | 4,00,655 | |
| | Less Exp. | 2,24,077 | 1,76,578 |
| 7,44,175 | Ford Foundation Grant | | |
| | Income | 9,94,320 | |
| | Less Exp. | 3,49,421 | 6,44,899 |
| | I.D.R.C. Project | | |
| | Income | 4,000 | |
| | Less Exp. | 2,058 | 1,942 |
| 29,82,253 | **V. INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT** | | |
| | Balance as per last Balance Sheet | | Nil |
| 18,20,71,480 | TOTAL | | 20,57,45,029 |

| 1990 - 91 Rs. | ASSETS | | 1991-92 Rs. |
|---|---|---|---|
| 18,20,71,480 | B/F | | 20,31,62,697 |
| | **VII. INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT** | | |
| | Balance as per last Balance sheet | 29,82,253 | |
| | Less excess of expenditure over income | 55,64,585 | 25,82,332 |
| 18,20,71,480 | TOTAL | | 20,57,45,029 |

Note:
1) Amounts have been rounded off to rupees and previous years figures regrouped wherever necessary.
2) Since the annual accounts for EWF, CPF and GPF have not been finalised from inception, the balances under these accounts are not ascertainable and hence not shown in the Balance Sheet.

Bangalore
Dated : 15th July, 1992

Sd/-
**H S Gopalakrishnaiah**
Financial Adviser &
Chief Accounts Officer

Sd/-
**KRS Murthy**
Director

# INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT BANGALORE

IIMB
तेजस्वि नावधीतमस्तु

## SCHEDULE - A FIXED ASSETS

| Particulars | As on 1-4-1991 Rs. | Additions (+) Deletions (-) During the yr Rs. | Balance As on 31-3-1992 Rs. |
|---|---|---|---|
| 1) Land Free Hold | 37,95,000 | Nil | 37,95,000 |
| 2) Building - Permanent | 11,80,66,483 | 1,46,16,317 | 13,26,82,800 |
| 3) Building - Temporary | 21,96,933 | (-) 1,81,720 | 20,15,213 |
| 4) Noise Control & Accoustics | 3,12,743 | - | 3,12,743 |
| 5) Library Books & Films | 1,30,76,787 | 27,39,857 | 1,58,16,644 |
| 6) Teaching & Research Aids | 1,27,29,129 | 25,38,114 | 1,52,67,243 |
| 7) Furniture & Equipment | 97,33,029 | 11,29,258 | 1,08,62,287 |
| 8) Vehicles | 12,99,783 | 4,33,273 | 17,33,056 |
| 9) Ford Foundation Grant | | | |
| i. Library Books | 2,41,291 | Nil | 2,41,291 |
| ii. Teaching Aids | 2,02,500 | Nil | 2,02,500 |
| 10) Assets held on behalf of - Project funding Agencies | | | |
| i. Min. of H.R.D. | 3,56,173 | Nil | 3,56,173 |
| ii. U.N.D.P. | - | 79,200 | 79,200 |
| 11) Convocation Gowns | 24,260 | - | 24,260 |
| TOTAL SCHEDULE -A | 16,20,34,111 | 2,13,54,299 | 18,33,88,410 |

## SCHEDULE - B INVESTMENTS

| 1990 - 91 Rs. | PARTICULARS | 1991 - 92 Rs. |
|---|---|---|
| | 1) P.G.P. Prize Fund | |
| 20,000 | a) Term Deposit with S.B.M. | 20,000 |
| 51,265 | b) Term Deposit with IIM Co-op Society | 51,265 |
| Nil | 2) Surendra Paul Memorial Chair Term Deposit with S.B.M. | 12,00,000 |
| Nil | 3) Pension Fund Term Deposit | 35,90,000 |
| 71,265 | TOTAL SCHEDULE -B | 48,61,265 |

## SCHEDULE - C DEPOSITS

| 1990 - 91 Rs. | PARTICULARS | 1991 - 92 Rs. |
|---|---|---|
| | III. Deposits | |
| 18,41,563 | 1) Towards Telephones | 6,60,898 |
| 9,252 | 2) Towards Water Supply | 9,252 |
| | 3) Towards Electricity Supply | 1,36,210 |
| 56,493 | 4) Towards Housing Rent | 12,573 |
| 12,79,317 | 5) General | 94,957 |
| 2,55,914 | 6) Campus | - |
| 34,42,539 | TOTAL SCHEDULE - C | 9,13,890 |

## SCHEDULE - D CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES

| 1990 - 91 Rs. | PARTICULARS | | 1991 - 92 Rs. |
|---|---|---|---|
| | I. Receivables | | |
| 2,05,814 | 1) Sundry Debtors | | 1,43,370 |
| 75,346 | 2) Sundry Debit Balances | | 75,346 |
| 45,340 | 3) Fees Receivable | | 32,100 |
| | 4) U.G.C. | | 2,031 |
| | II. Loans and Advances | | |
| 46,693 | 1) Festival | Advance | 59,098 |
| 15,91,126 | 2) Vehicle | Advance | 14,93,742 |
| 30,71,446 | 3) House Building | Advance | 34,10,967 |
| 2,375 | 4) Salary | Advance | 2,375 |
| 2,32,889 | 5) Miscellaneous | Advance | 2,06,999 |
| 52,71,029 | TOTAL SCHEDULE - D | | 54,26,028 |

Bangalore
Dated : 15th July, 1992

Sd/-
**H S Gopalakrishnaiah**
Financial Adviser &
Chief Accounts Officer

Sd/-
**KRS Murthy**
Director

# INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT BANGALORE
## INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR 1991 - 92

| 1990 - 91 Rs. | EXPENDITURE | 1991 - 92 Rs. |
|---|---|---|
| | **TO SALARIES:** | |
| 53,914 | Plan | Nil |
| 1,68,52,432 | Non-Plan | 1,85,09,082 |
| 1,01,664 | Contribution to P.F. | 94,764 |
| 48,950 | Contribution to E.W.F | 59,950 |
| | **COURSES AND PROGRAMMES:** | |
| 16,77,735 | Post Graduate Programmes | 27,74,879 |
| 5,00,157 | Fellowship Programmes | 5,56,139 |
| 13,68,957 | Organisation Based Programmes | 9,67,299 |
| 9,56,747 | Management Development Programmes | 4,75,103 |
| 29,05,076 | Consultancy & Professional Activity | 14,65,836 |
| 10,602 | Seminars | 7,990 |
| 8,86,300 | Sponsored Research | 117 |
| 1,27,336 | Case Development & Instt. Research | 1,60,054 |
| 24,856 | Brochures, Bulletins & Publications | 1,21,012 |
| 58,674 | Subscriptions to Periodicals | 80,419 |
| 42,062 | Deputation and Training | 51,756 |
| 21,995 | Faculty Book Allowances | 65,910 |
| 41,275 | Society Membership | 31,350 |
| | **RENT, RATES AND TAXES:** | |
| 45,753 | Rent, Rates and Taxes | 46,650 |
| 39,900 | Rent of Faculty Housing | 22,100 |
| 12,90,187 | Electricity and Water | 13,79,519 |
| 80,751 | Insurance | 83,256 |
| 2,71,35,323 | TOTAL CARRIED OVER | 2,69,53,185 |

| 1990 - 91 Rs. | INCOME | 1991-92 Rs. |
|---|---|---|
| | **BY GRANT-IN-AID FROM GOVT. OF INDIA** | |
| 53,914 | Plan | Nil |
| 2,10,61,000 | Non-Plan | 2,39,00,000 |
| | **OWN INCOME:** | |
| | **FROM PROGRAMMES:** | |
| 22,74,652 | Post Graduate Programmes | 28,04,392 |
| | Deposits Forfeited | 1,16,982 |
| Nil | Fellowship Programmes | Nil |
| 15,62,311 | Organisation Based Programmes | 13,52,538 |
| 11,75,260 | Management Development Programmes | 7,11,288 |
| 38,54,390 | Consultancy & Professional Activity | 21,88,928 |
| Nil | Seminars Subsidised | 8,000 |
| 9,06,122 | Sponsored Research | Nil |
| | **FROM OTHER SOURCES:** | |
| 34,259 | Faculty Housing Receipts | 19,042 |
| 1,04,737 | Quarters Rent | 1,49,764 |
| 2,53,156 | Guest House & Executive Block | 3,24,471 |
| 3,34,688 | Miscellaneous Income | 10,61,871 |
| 3,16,14,489 | TOTAL CARRIED OVER | 3,26,37,276 |

Bangalore
Dated : 15th July, 1992

Sd/-
**H S Gopalakrishnaiah**
Financial Adviser &
Chief Accounts Officer

Sd/-
**KRS Murthy**
Director

# INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT BANGALORE

| 1990 - 91 | EXPENDITURE | 1991 - 92 |
|---|---|---|
| Rs. | | Rs. |
| 2,71,35,323 | B/F | 2,69,53,185 |
| | **MAINTENANCE AND REPAIRS** | |
| 6,13,974 | Maint. of EDP and other equipments | 8,69,784 |
| 2,33,983 | Buildings | 5,78,331 |
| 2,15,838 | Furniture and Fittings | 3,21,560 |
| 5,65,471 | Vehicles | 6,15,345 |
| 1,166 | Guest House | Nil |
| 1,47,151 | Executive Block | 1,73,432 |
| 62,330 | Horticulture | 1,87,215 |
| | **STAFF WELFARE EXPENSES:** | |
| 98,331 | Staff Welfare | 1,29,232 |
| 1,73,920 | Subsidy to Canteen | 2,37,345 |
| 8,98,802 | Reimbursement of Medical Expenses | 9,69,744 |
| 1,22,342 | Leave Travel concession | 1,72,908 |
| 10,698 | Uniforms | 1,13,372 |
| | **GENERAL ADMINISTRATION:** | |
| 2,72,295 | Travel Expenses | 3,87,791 |
| 1,662 | Freight and Transport | 9,529 |
| 34,843 | Postage and Telegram | 1,43,982 |
| 6,24,364 | Telephone and Telex | 47,71,956 |
| 2,14,691 | Printing and Stationery | 3,50,791 |
| 93,930 | Legal Expenses | 1,20,525 |
| 85,490 | Advertisements | 1,32,492 |
| 3,40,523 | Consumables | 2,94,856 |
| 6,19,979 | Other Contingencies | 6,68,486 |
| 67,480 | Audit Fees | Nil |
| 3,550 | Entertainment Expenses | Nil |
| 3,26,38,136 | TOTAL | 3,82,01,861 |

| 1990 - 91 | INCOME | 1991-92 |
|---|---|---|
| Rs. | | Rs. |
| 3,16,14,489 | B/F | 3,26,37,276 |
| 10,23,647 | Excess of expenditure over income | 55,64,585 |
| 3,26,38,136 | TOTAL | 3,82,01,861 |

Figures for 1990 - 91 and 1991 - 92 are not comparable because of payments / rectification of misclassifications relating to earlier years made in 1991 - 92

Bangalore
Dated : 15th July, 1992

Sd/-
**H S Gopalakrishnaiah**
Financial Adviser &
Chief Accounts Officer

Sd/-
**KRS Murthy**
Director

# INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT BANGALORE
## RECEIPTS AND PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR 1991 - 92

| RECEIPTS | 1991 - 92 | |
|---|---|---|
| | PLAN Rs. | NON-PLAN Rs. |
| By Opening Balance | | |
| Cash on Hand | | 29,956 |
| Cash at Bank | | 76,08,836 |
| By Recurring Grant from Govt. of India | 2,38,00,000 | 2,39,00,000 |
| By Late Surendra Paul Memorial Chair | | 12,39,000 |
| By Refund of employer's Cont. to CPF | | 12,13,534 |
| By Deposits | | 4,65,515 |
| By Sundry Receipts | | 88,246 |
| By Income from | | |
| Post Graduate Programmes | | 12,33,553 |
| Organisation Based Programmes | | 12,75,312 |
| Management Dev. Programmes | | 7,59,527 |
| Consultancy | | 18,38,107 |
| Subsidised Seminars | | 8,000 |
| Sponsored Research | | 1,82,223 |
| Ford Foundation Project | | 57,753 |
| IDRC A/c | | 4,000 |
| By Guest House/Executive Block Receipts | | 50,481 |
| Miscellaneous Income | | 10,08,887 |
| TOTAL CARRIED OVER | 2,38,00,000 | 4,09,62,930 |

| PAYMENTS | 1991 - 92 | |
|---|---|---|
| | PLAN Rs. | NON-PLAN Rs. |
| To **Salaries:** | | 1,82,35,410 |
| Institute's Contribution to E.W.F | | 49,340 |
| To **Other Charges :** | | |
| i) **Academic:** | | |
| Library Books & Subs. to Periodicals | | 25,20,561 |
| Reserch & Teaching Aids | 31,60,914 | |
| Post Graduate Programmes | | 2,54,894 |
| Fellowship Programmes | | 5,44,280 |
| Organisation Based Programmes | | 5,79,390 |
| Management Development Programmes | | 3,94,307 |
| Consultancy & Professional Activity | | 9,74,260 |
| Seminars | | 6,243 |
| Sponsored Research | | 9,19,061 |
| Ford Foundations A/c | | 1,66,680 |
| I.D.R.C. A/c | | 2,100 |
| Case Development & Instt. Research | | 3,33,032 |
| Brochures, Bulletins & Publications | | 63,183 |
| Deputation and Training | | 53,421 |
| Faculty Book Allowance | | 65,690 |
| Society Membership | | 31,350 |
| ii) **RENT, RATES AND TAXES:** | | |
| Rent, Rates and Taxes | | 9,030 |
| Rent of Faculty Housing | | 17,600 |
| Electricity and Water | | 15,27,763 |
| Insurance | | 83,256 |
| TOTAL CARRIED OVER | 31,60,914 | 2,68,30,851 |

Bangalore
Dated : 15th July, 1992

Sd/-
**H S Gopalakrishnaiah**
Financial Adviser &
Chief Accounts Officer

Sd/-
**KRS Murthy**
Director

# INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT BANGALORE

| RECEIPTS | 1991 - 92 | |
|---|---|---|
| | PLAN Rs. | NON-PLAN Rs. |
| B/F | 2,38,00,000 | 4,09,62,930 |
| TOTAL CARRIED OVER | 2,38,00,000 | 4,09,62,930 |

| PAYMENTS | 1991 - 92 | |
|---|---|---|
| | PLAN Rs. | NON-PLAN Rs. |
| B/F | 31,60,914 | 2,68,30,851 |
| **iii) MAINTENANCE AND REPAIRS:** | | |
| Maint. of EDP & other Equipments | | 6,43,639 |
| Buildings | | 5,84,350 |
| Furniture and Fittings | | 3,91,619 |
| Vehicles | | 7,99,955 |
| Executive Block | | 1,92,459 |
| Horticulture | | 1,81,756 |
| **iv) STAFF WELFARE EXPENSES:** | | |
| Staff Welfare | | 1,44,869 |
| Subsidy to Canteen | | 3,76,770 |
| Reimbursment of Medical Expenses | | 9,72,712 |
| Leave Travel Concession | | 1,83,580 |
| Uniforms | | 1,13,373 |
| **v) GENERAL ADMINISTRATION:** | | |
| Travel Expenses | | 3,76,143 |
| Freight and Transport | | 9,529 |
| Postage and Telegram | | 1,69,281 |
| Telephone and Telex | | 22,27,320 |
| Printing and Stationery | | 9,16,105 |
| Legal Expenses | | 1,20,525 |
| Advertisements | | 1,31,564 |
| Consumables | | 5,06,452 |
| Other Contingencies | | 6,27,896 |
| Audit Fees | | 1,14,310 |
| TOTAL CARRIED OVER | 31,60,914 | 3,66,15,058 |

Bangalore
Dated : 15th July, 1992

Sd/-
**H S Gopalakrishnaiah**
Financial Adviser &
Chief Accounts Officer

Sd/-
**KRS Murthy**
Director

# INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT BANGALORE

| RECEIPTS | 1991 - 92 | |
|---|---|---|
| | PLAN Rs. | NON-PLAN Rs |
| B/F | 2,38,00,000 | 4,09,62,930 |
| TOTAL | 2,38,00,000 | 4,09,62,930 |
| **GRAND TOTAL** | **6,47,62,930** | |

| PAYMENTS | 1991 - 92 | |
|---|---|---|
| | PLAN Rs. | NON-PLAN Rs. |
| B/F | 31,60,914 | 3,66,15,058 |
| Buildings - Permanent | 1,26,23,851 | |
| Furniture and Fittings | 8,83,783 | |
| Vehicles | 4,33,273 | |
| Mobilisation Advance | 15,99,490 | |
| Advance to Suppliers | 1,23,980 | |
| Investments | | 47,90,000 |
| Loans & Advances | | 6,81,868 |
| Deposits | | 3,47,519 |
| **TO CLOSING BALANCES** | | |
| Cash on Hand | | 53,622 |
| Imprest | | 178 |
| Postal & Franking | | 30,869 |
| Cash at Bank | | |
| a) Savings account | | 27,73,539 |
| b) Ford Foundation | | 6,44,986 |
| TOTAL | 1,88,25,291 | 4,59,37,639 |
| **GRAND TOTAL** | **6,47,62,930** | |

Bangalore
Dated : 15th July, 1992

Sd/-
**H S Gopalakrishnaiah**
Financial Adviser &
Chief Accounts Officer

Sd/-
**KRS Murthy**
Director